

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 47 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 13 अक्टूबर 2026(मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

उबर कैब ड्राइवर से लूट के आरोप में भाजपा पार्षद का बेटा गिरफ्तार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी में उबर कैब ड्राइवर को बंधक बनाकर लूटपाट करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बावल के जिला परिषद वार्ड-15 की भाजपा पार्षद रेखा देवी का बेटा जतिन भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कैब ड्राइवर के साथ मारपीट कर उसे बंधक बनाया और उसके फोनपे खाते से करीब 13 हजार रुपये अपने खातों में ट्रांसफर करवा लिए। इसके बाद पेट्रोल पंप पर कार में तेल भरवाया और 7 हजार रुपये नकद भी ले लिए। मोबाइल लेकर फरार हो गए। पुलिस को सूचना मिलने के कुछ ही घंटों के भीतर सीआईए रेवाड़ी और मॉडल टाउन थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अपनी ही किताब खरीदने का खुद दिया आदेश! पीयूष पटेल ने बिल पास करने को दी मंजूरी, यूनिवर्सिटी ने 1 हजार कॉपियों के चुकाए 4.14 लाख!

बड़ा खुलासा! गुजरात यूनिवर्सिटी में वीसी नीरजा गुप्ता का एक और सनसनीखेज कारनामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात की प्रतिष्ठित मानी जाने वाली 'गुजरात यूनिवर्सिटी' में सत्ता और प्रशासनिक पद का दुरुपयोग कर मलाई खाने का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। 'महानगर मेट्रो' द्वारा किए गए एक बेहद गंभीर और विस्फोटक इन्वेस्टिगेशन में यूनिवर्सिटी के भ्रष्ट प्रशासनिक तंत्र की ऐसी पोल खुली है, जिसे जानकर आम जनता और छात्र हैरान रह जाएंगे। यूनिवर्सिटी के आला अधिकारियों द्वारा अपने व्यक्तिगत स्वार्थ और आर्थिक फायदे के लिए सरकारी खजाने से लाखों रुपये की लूट मचाई जा रही है। वीसी की कुर्सी और उनके वरदहस्त तले चल रहे इस खेल में नीरजा गुप्ता ने अपनी ही लिखी किताब को यूनिवर्सिटी के खर्चे पर बेचकर पैसे कमाने का बेहद गंभीर कारनामा अंजाम दिया है!

अपनी ही किताब का ऑर्डर खुद कराया पास: नीरजा गुप्ता का गोलमाल!

सामने आई बेहद चौंकाने वाली जानकारियों के मुताबिक, गुजरात यूनिवर्सिटी में वीसी डॉ. नीरजा गुप्ता द्वारा लिखी गई (अथवा संबंधित) किताब को खरीदने के लिए खुद अपने ही प्रशासनिक पद का खुलेआम दुरुपयोग किया गया। नियमों को ताक पर रखकर अपनी ही किताब की कॉपियां यूनिवर्सिटी फंड से खरीदी जाएं, इसके लिए पहले से ही पूरी साज़िश रची गई थी। जब लेखक खुद ही अपनी सत्ता के प्रभाव से अपनी किताबें सरकारी या संस्थागत फंड से खरीदने के ऑर्डर पास कराए–तो इससे बड़े भ्रष्टाचार का नमूना और क्या हो सकता है?

पीयूष पटेल ने आंखें मूंदकर दी बिल पास करने की मंजूरी!

इस पूरे काले कारनामे में तेजी से फाइलों को आगे बढ़ाने और भ्रष्टाचार को हरी झंडी देने में प्रशासनिक विभाग के पीयूष पटेल की भूमिका बेहद संदिग्ध रही है। नियमों और ऑडिट की तमाम सीमाओं को लांघकर पीयूष पटेल ने सवाल उठाने के बजाय आनन-फानन में इस बिल को पास करने की मंजूरी दे दी। नीरजा गुप्ता और प्रशासनिक साठगांठ के कारण यूनिवर्सिटी के जिम्मेदार अधिकारियों ने जनता की गाढ़ी कमाई के टैक्स का पैसा अपनों में रेवड़ियों की तरह बांट दिया।

1 हजार कॉपियों के बदले चुकाए गए भारी-भरकम... 4.14 लाख!

इन्वेस्टिगेशन में सामने आए दस्तावेज इस बात का स्पष्ट सबूत हैं कि गुजरात यूनिवर्सिटी के खजाने से इस किताब की सिर्फ 1 हजार कॉपियां खरीदने के नाम पर कागजों पर खेल रचकर भारी राशि का भुगतान किया गया। यूनिवर्सिटी के फंड से इन 1 हजार कॉपियों के बदले सीधे ?4,14,000 (4.14 लाख रुपये) चुका दिए गए! छात्रों की बुनियादी सुविधाओं, लाइब्रेरी की जरूरी किताबों या गरीब छात्रों की फीस माफी के लिए फंड न होने का रोना रोने वाला यह तंत्र, अपने चहेतों की किताबें खरीदने के लिए लाखों रुपये लुटाने में जरा भी नहीं झिझका।

'महानगर मेट्रो' इस भ्रष्टाचार की फाइलों पर लगातार नजर बनाए हुए है और आने वाले दिनों में इससे भी बड़े खुलासे सामने लाएगा!



शिक्षा जगत में हड़कंप: शैक्षणिक अथॉरिटी के खिलाफ भारी आक्रोश

इस सनसनीखेज खुलासे के बाहर आते ही गुजरात यूनिवर्सिटी समेत पूरे रा'य के शैक्षणिक और राजनीतिक गलियारों में बड़ा भूचाल आ गया है। छात्र संगठनों और जागरूक नागरिकों द्वारा तीखे सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या यूनिवर्सिटी अब किसी व्यापारिक दुकान में तब्दील हो चुकी है? सत्ता और कुर्सी की आड़ में यूनिवर्सिटी को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाने वाले इन जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कब निष्पक्ष जांच होगी और कब सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी?

बदायूं में स्कूल बस ने चार दोस्तों को रौंदा, चचेरे भाइयों समेत तीन की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में सोमवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। हादसा बिसौली कोतवाली क्षेत्र में हुआ, जहां स्कूल की छुट्टी के बाद बच्चों को छोड़ने जा रही बस ने दवा लेने जा रहे चार दोस्तों को रौंद दिया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और चारों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल युवक का उपचार जारी है। मृतकों में चचेरे भाई भी शामिल हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्कूल बस को कब्जे में ले लिया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।



9 अक्टूबर को दोस्त के साथ दुकान से निकला था 23 वर्षीय अभिषेक; पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत दो दोस्तों को किया गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सीतामढ़ी। बेलसंड थाना क्षेत्र में एक फल विक्रेता की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। रविवार को बेलसंड-तरियानी पथ पर मधकौल गांव के समीप एक पोखर से उसका शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान सोनबरसा थाना क्षेत्र निवासी सुरेश पासवान के पुत्र अभिषेक कुमार उर्फ मुन्ना (23) के रूप में हुई है। वह भारत-नेपाल सीमा के पास सोनबरसा के हनुमान चौक पर फल की दुकान चलाता था। पुलिस ने मामले में उसके दो दोस्तों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, हत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिजनों के अनुसार, अभिषेक को घर से बुलाकर ले जाया गया था। इसके बाद उसकी हत्या कर शव पोखर में फेंक दिया गया। शव मिलने की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर बेलसंड एसडीपीओ रविशंकर प्रसाद और थानाध्यक्ष जंगो राम पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, अभिषेक की मधकौल निवासी सन्नी कुमार से पिछले चार वर्षों से दोस्ती थी। सन्नी घूम-घूमकर जैकेट बेचने का काम करता था। दोनों अक्सर साथ बैठते थे और उनके शराब पार्टी करने की भी बात सामने आई है। बताया गया कि 9 अक्टूबर को अभिषेक अपनी दुकान से सन्नी के साथ निकला था।



गयाजी में कांग्रेस का मशाल प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गयाजी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार शाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गयाजी के टावर चौक पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, इंटक और अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से विरोध दर्ज कराया। इस दौरान पुतला दहन और मशाल प्रदर्शन के जरिए कार्यकर्ताओं ने अपनी मांग उठाई तथा चुनाव आयोग की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही पर सवाल खड़े किए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद हैं। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की भूमिका महत्वपूर्ण है और उसकी निष्पक्षता को लेकर जनता का विश्वास कायम रहना चाहिए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया से जुड़े सवालों पर जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाताओं का भरोसा बना रहे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता जरूरी है।



राहुल-अखिलेश के मार्च पर भाजपा का तंज, योगी बोले- कांग्रेस को अपना नेतृत्व बदलना चाहिए

SIR में गड़बड़ी के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे अखिलेश, राहुल समेत 11 विपक्षी नेताओं ने दाखिल की याचिका

हानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। याचिका में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव समेत विपक्ष के 11 नेता याचिकाकर्ता हैं। इसमें चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पक्षकार बनाया गया है। इससे पहले अखिलेश ने राहुल गांधी के साथ बाराखंबा से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। इस दौरान राहुल ने हाथ बढ़ाकर अखिलेश को ट्रक पर चढ़ाया। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव पहले से ट्रक पर मौजूद थे। उन्होंने अखिलेश के पैर छुए। जंतर-मंतर को धरना स्थलों की सूची से हटाए जाने पर अखिलेश ने कहा कि लोकतंत्र में धरने और प्रदर्शन का अधिकार नहीं रोका जा सकता। जहां धरना देंगे, वहीं जंतर-मंतर बन जाएगा। भाजपा विधायक श्रीकांत शर्मा ने राहुल और अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों एक-दूसरे के कंधे पर चढ़ना चाहते हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर बिहार में विपक्षी गठबंधन के प्रदर्शन को लेकर भी तंज कसा।, भाजपा सांसद रवि किशन ने अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने चुनाव लड़ने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अखिलेश को अयोध्या से चुनाव लड़ना चाहिए और मुख्यमंत्री के सामने अपनी ताकत आजमानी चाहिए। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए अराजकता फैलाने से बाज नहीं आई तो जनता उसका बचा-खुचा अस्तित्व भी समाप्त कर देगी। उन्होंने कांग्रेस को नेतृत्व बदलने की सलाह दी। समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए योगी ने आरोप लगाया कि हुदहुद तूफान के बाद केंद्र से किसानों की सहायता के लिए मिले 3,200 करोड़ रुपये में से 800 करोड़ रुपये ही बांटे गए और बाकी रकम का दुरुपयोग हुआ। वहीं, उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प को लेकर पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नए प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के दौरान हाथ मिलाने के कार्यक्रम में हाथापाई की नौबत आना कांग्रेस के आंतरिक कलह को दर्शाता है।



बिहार कैबिनेट के 23 प्रस्तावों पर मुहर, पटना में टेक पार्क और वैशाली में बनेगा 5 स्टार रिजॉर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई बिहार कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में कुल 23 एजेंडों पर मुहर लगी। बैठक में पटना में टेक पार्क, वैशाली में पांच सितारा रिजॉर्ट और दरभंगा में एयरपोर्ट के पास लॉजिस्टिक पार्क व कार्गो हब बनाने के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि डबल इंजन की सरकार में बिहार का विकास हो रहा है और राज्य 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी के सरकार के प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे होने पर बिहार की ओर से उनका अभिनंदन किया गया। उन्होंने बताया कि बिहार के विकास में प्रधानमंत्री के योगदान के लिए राज्य मंत्रिपरिषद ने आभार व्यक्त करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार पिछले 12 वर्षों में हुए विकास के लिए कृतज्ञता व्यक्त करता है। सरकार का लक्ष्य राज्य में विकास की गति तेज करना और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करना है। बाढ़ पीड़ित परिवारों को 112.14 करोड़ रुपये की सहायता कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए दूसरे चरण में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से 112.14 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की। इस चरण में 1,60,201 परिवारों के बैंक खातों में सहायता राशि भेजी गई। इससे पहले 15 सितंबर को पहले चरण में 8,77,190 परिवारों को प्रति परिवार 7,000 रुपये की दर से कुल 614.03 करोड़ रुपये दिए गए थे। दूसरे चरण की राशि के साथ अब तक बाढ़ प्रभावित परिवारों को कुल 726.17 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने सभी जिला अधिकारियों से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी बाढ़ पीड़ित परिवार सहायता से वंचित न रहे। उन्होंने निर्देश दिया कि यदि किसी पात्र परिवार को सहायता नहीं मिली है, तो उसकी जानकारी तत्काल उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए तैयार है और बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान पर भी काम किया जा रहा है।



10 चोरियों का खुलासा, मास्टरमाइंड समेत 3 गिरफ्तार; क्रेटा कार, बुलेट, सोने-चांदी के जेवर और नकदी सहित 20 लाख का सामान बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में पुलिस ने ऐसे चोर गिरोह का खुलासा किया है, जो ग्रामीण इलाकों में कृषि अधिकारी बनकर सर्वे करने के बहाने सूने मकानों की रेकी करता था। गिरोह में स्कूल के पूर्व प्रिंसिपल सहित तीन आरोपी शामिल थे। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर बिलासपुर और कोरबा जिले में हुई 10 चोरियों का खुलासा किया है। आरोपियों के पास से सोने-चांदी के आभूषण, 1.30 लाख रुपये नकद, चोरी की रकम से खरीदी गई क्रेटा कार और बुलेट सहित करीब 20 लाख रुपये का सामान बरामद किया गया है। मामला कोटा थाना क्षेत्र का है। एडिशनल एसपी ग्रामीण मधुलिका सिंह ने बताया कि आरोपियों ने ग्रामीणों को शक से बचने के लिए सामान्य लोगों की तरह गांवों में घूमने का तरीका अपनाया था। वे सूने मकानों की पहचान कर मौका मिलते ही ताला तोड़कर भीतर घुसते और कुछ ही मिनटों में जेवर व नकदी लेकर फरार हो जाते थे। दिनदहाड़े हुई चोरी की घटनाओं की जांच के दौरान कोटा पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें बिलासपुर जिले के नौ और कोरबा जिले के पाली थाना क्षेत्र का एक मामला शामिल है। सीसीयू प्रभारी गोपाल सतपथी के अनुसार, गिरोह का मास्टरमाइंड विनोद कुमार वासुदेव (33) है। वह स्नातक है और सामान्य कारोबारी की छवि बनाए रखने के लिए जूते की दुकान चलाता था। दूसरा आरोपी भूपेंद्र सिंह राठौर उर्फ गुरुजी (43) परास्नातक है और पहले स्कूल में प्रिंसिपल रह चुका है। नौकरी से निकाले जाने के बाद वह चोरी की वारदातों में शामिल हो गया। तीसरा आरोपी राज प्रजापति उर्फ लल्लू (19) है। तीनों कोरबा जिले के मानिकपुर क्षेत्र स्थित डिपरापारा के निवासी हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बाइक से ग्रामीण क्षेत्रों में घूमते थे। खेती-किसानी के काम से ग्रामीणों के घरों से बाहर रहने के समय को वे वारदात के लिए उपयुक्त मानते थे। आउटर में बने मकानों को निशाना बनाकर ताला तोड़ते और पेटी-अलमारी में रखे जेवर व नकदी चोरी कर लेते थे। आरोपी सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए हेलमेट पहनते और चेहरा ढककर रखते थे। पुलिस ने कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जांच में पता चला कि विनोद ने चोरी की रकम से क्रेटा कार खरीदी और उसकी किस्तें भी इसी रकम से चुकाईं।



सुप्रीम कोर्ट ने कहा- नए फॉर्म-6 को मंजूरी देने का कोई फैसला नहीं, चुनाव आयोग के दावे पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूर

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान इस्तेमाल किए जा रहे नए फॉर्म-6 को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्थिति स्पष्ट की। अदालत ने कहा कि उसने नए फॉर्म-6 पर कोई न्यायिक फैसला नहीं दिया है। इससे चुनाव आयोग की ओर से फॉर्म-6 को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के दावे पर सवाल खड़े हो गए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ बिहार एसआईआर से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि चुनाव आयोग ने नए फॉर्म-6 को सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिलने की बात कही है। इस पर जस्टिस बागची ने स्पष्ट किया कि बिहार एसआईआर मामले की सुनवाई के समय नया फॉर्म-6 अदालत के सामने था ही नहीं, इसलिए इस पर कोई न्यायिक निर्णय नहीं हुआ मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने भी कहा कि समाचारों में इस्तेमाल किए जाने वाले शब्दों का चयन सावधानी से किया जाना चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि नए फॉर्म-6 पर फैसला नहीं होने का अर्थ यह भी नहीं है कि उसे मंजूरी दी गई है या खारिज किया गया है। इससे पहले 5 अक्टूबर को भी सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य याचिका की सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया था कि उसने एसआईआर में इस्तेमाल हो रहे फॉर्म-6 में किसी बदलाव को मंजूरी नहीं दी है। दरअसल, चुनाव आयोग ने 26 सितंबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति में मई 2026 के बिहार एसआईआर संबंधी फैसले का हवाला देते हुए कहा था कि फॉर्म-6 के घोषणा-पत्र को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। सोमवार की सुनवाई में अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि नए फॉर्म-6 पर उसने कोई न्यायिक निर्णय नहीं दिया था।



पुंछ में एलओसी के पास जोरदार धमाका, हताहतों की खबर; सुरक्षा बलों ने बढ़ाई निगरानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सोमवार को जोरदार धमाका हुआ। यह विस्फोट कृष्णा घाटी सेक्टर के सतवाल-नकी इलाके में जीरो लाइन के नजदीक हुआ। अधिकारियों को आशंका है कि धमाके में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस का इस्तेमाल किया गया। घटना में कुछ लोगों के हताहत होने की खबर है, हालांकि मृतकों और घायलों की संख्या की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारियों के मुताबिक, धमाका उस समय हुआ, जब नियंत्रण रेखा के पाकिस्तानी हिस्से में कुछ लोग एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर जा रहे थे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि ये लोग घुसपैठ की कोशिश कर रहे संदिग्ध आतंकवादी थे या इलाके में गश्त कर रहे पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के जवान। सुरक्षा एजेंसियां विस्फोट के कारणों और घटनाक्रम की जांच कर रही हैं। धमाके के बाद भारतीय सुरक्षा बलों ने पूरे सेक्टर में अलर्ट जारी कर दिया है। नियंत्रण रेखा पर निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि स्थिति का आकलन किया जा सके और किसी भी संभावित सुरक्षा चूक को रोका जा सके। इसी बीच, भारतीय सेना ने सोमवार को पुंछ के मेंढर सेक्टर के बसोनी इलाके में सीमा पर लगी बाड़ के पास दो पुरानी बारूदी सुरंगों का पता लगाया। अधिकारियों के अनुसार, रास्ता बनाने के काम के दौरान सुबह 8:25 बजे और दोपहर 12:10 बजे ये सुरंगें मिलीं। सेना के विशेषज्ञों ने नियंत्रित विस्फोट के जरिए दोनों बारूदी सुरंगों को नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह के दौरान इसी इलाके में करीब एक दर्जन बारूदी सुरंगों का पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय किया गया है। इससे सीमा से सटे क्षेत्रों में सुरक्षा और सतर्कता की जरूरत बढ़ गई है। नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ रोकने के लिए कई स्थानों पर बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं। हालांकि, भारी बारिश के कारण ये अपनी जगह से खिसककर जमीन की सतह पर आ सकती हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों और सुरक्षा बलों के लिए खतरा पैदा हो जाता है। इसी जोखिम को देखते हुए सीमा से सटे इलाकों में तलाशी और निगरानी अभियान चलाए जा रहे हैं।



अब आंदोलन या विरोध के लिए सड़कें ब्लॉक नहीं होंगी, केंद्र सरकार ने दूसरी जगहें तय करने के लिए कमेटी बनाई!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली और पूरे देश में विरोध प्रदर्शनों, रैलियों और लंबे समय से चल रहे धरनों से आम लोगों को होने वाली परेशानी और ट्रैफिक की परेशानी के खिलाफ केंद्र सरकार अब एक्शन मोड में आ गई है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने नागरिकों और संगठनों के विरोध प्रदर्शनों और धरनों के लिए खास दूसरी जगहें (तय जगहें) तय करने के लिए एक हाई-लेवल स्पेशल कमेटी बनाई है। लोगों के अधिकारों और ट्रैफिक मैनेजमेंट के बीच बैलेंस बनाने के इस बड़े पॉलिसी कदम पर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में काफी बहस छिड़ गई है। पिछले कुछ सालों में, अलग-अलग मांगों को लेकर हाईवे या मुख्य सड़कों पर होने वाले आंदोलनों और धरनों की वजह से लाखों गाड़ी चलाने वाले और आम लोग ट्रैफिक जाम की नारकीय स्थिति में फंस जाते हैं। आर्थिक गतिविधियों को होने वाले नुकसान और एम्बुलेंस जैसी इमरजेंसी गाड़ियों की आवाजाही में गंभीर रुकावटों को देखते हुए, गृह मंत्रालय ने इस गंभीर मुद्दे पर लगाम लगाने का मन बना लिया है। अब सड़कें जाम करने और कहीं भी धरना देने की इच्छा पर लगाम लगेगी। होम मिनिस्ट्री की बनाई यह खास कमेटी देश के अहम शहरों और राजधानी में विरोध प्रदर्शनों के लिए खास जगहें (अल्टरनेटिव जगहें) तय करने का ब्लूप्रिंट तैयार करेगी। इन जगहों पर विरोध प्रदर्शनों के लिए लाउडस्पीकर लिमिट, पार्किंग और सिक्योरिटी इंतज़ाम जैसी सभी बेसिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि डेमोक्रेसी में आवाज़ उठाई जा सके और आम लोगों की ज़िंदगी में कोई दिक्कत न हो। वहीं दूसरी तरफ आम नागरिक और बिजनेस कम्युनिटी इस फैसले का स्वागत कर रही है।



गरबा या सोशल मीडिया पर लड़कियों के फोटो और वीडियो वायरल करने वाले 8 बिगड़े शिकारी सलाखों के पीछे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद साइबर क्राइम ने उन असामाजिक तत्वों पर आंखें मूंद ली हैं जो सोशल मीडिया पर सस्ती लोकप्रियता पाने या निजी दुश्मनी निकालने के लिए महिलाओं की डिजिटल प्राइवेसी से छेड़छाड़ करते हैं। साइबर क्राइम के 'मिशन साइबर रक्षिका' के तहत, सोशल मीडिया पर महिलाओं को परेशान करने और परेशान करने वाले आदतन आरोपियों को बहुत सख्ती से कार्रवाई करते हुए पकड़ा गया है। सिर्फ एक महीने में, साइबर क्राइम ने 9 गंभीर FIR दर्ज की हैं, जिसमें 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जबकि 3 नाबालिग भी इस काले काम में शामिल पाए गए हैं। सोशल मीडिया पर रातों-रात मशहूर होने की सनक ने कुछ युवाओं का दिमाग खराब कर दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन नाबालिग भी शामिल हैं, जो सोशल मीडिया पर अपने लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए गैर-कानूनी तरीके से गरबा या दूसरे डांस वीडियो अपनी प्रोफाइल पर पोस्ट करते थे। लड़कियों की सहमति के बिना पर्सनल अकाउंट से वीडियो शेयर करने के इस गंभीर मामले में पीड़ितों की शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। साइबर क्राइम की जांच में ऐसे चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं जिन्हें जानकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे बदले की आग में कामः एक गंभीर मामले में आमने-सामने की टक्कर का जुर्म दर्ज किया गया। जिसमें आरोपी को बेल मिलने के बाद एक महिला आरोपी ने बदले की भावना से लड़की के साथ उसके बॉयफ्रेंड की फेक प्रोफाइल बनाई।



मध्य प्रदेश में एक ही परिवार के 6 लोगों की हत्या करने वाला 30,000 का इनामी हत्यारा रामसिंह तोमर गुरुग्राम में पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूर

अहमदाबादा। खून के बदले खून... मध्य प्रदेश के मुरैना जिले को हिला देने वाले एक ही परिवार के 6 लोगों की सामूहिक हत्या में सालों से फरार मोस्ट वांटेड आरोपी रामसिंह तोमर, जिस पर 30,000 रुपये का इनाम था, आखिरकार क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ गया है। पुरानी दुश्मनी और खूनी रंजिश का बदला लेने के लिए एक शादी समारोह को खूनी बनाने वाला यह हत्यारा हरियाणा के गुरुग्राम में छिपा हुआ था, जिसे अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने चालाकी से भेष बदलकर पकड़ लिया। इस खूनी घटना की शुरुआत साल 2013 में हुई थी। इससे पहले 2013 में, अभी गिरफ्तार आरोपी रामसिंह तोमर के चाचा वीरभान सिंह तोमर और उसके बड़े चाचा शोभरन सिंह तोमर की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। यह डबल मर्डर रणजीत सिंह तोमर और उसके परिवार वालों ने किया था। बस ऐसे ही, रामसिंह तोमर के परिवार वालों के दिलों में बदले की आग जल रही थी और वे इस खून के कतरे को खून से धोने के मौके का इंतज़ार कर रहे थे। सालों के इंतज़ार के बाद आखिरकार वह काला दिन आ ही गया। रणजीत सिंह तोमर के परिवार की बेटी की शादी मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के लेपा गांव में थी और परिवार के सभी लोग गांव आए हुए थे। दुश्मनों के लिए इससे बड़ा कोई सुनहरा मौका नहीं था। पिछली दुश्मनी का बदला लेने के लिए, रामसिंह तोमर और उसके परिवार वालों ने अचानक ज़बरदस्त हमला कर दिया। एक ग्रुप के शिकारियों ने दूसरे ग्रुप पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें 3 पुरुषों और 3 महिलाओं समेत कुल 6 सदस्य मारे गए, क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं।

गुजरात की विकास गाथा में एक और सुनहरी उपलब्धिः भूपेंद्र पटेल सरकार का बड़ा धमाका, 25 इंडस्ट्रियल यूनिट्स के लिए मदद मंजूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। देश का ग्रोथ इंजन माने जाने वाले गुजरात राज्य की लगातार विकास यात्रा में आज एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई है। राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेलजी के काबिल और दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात के इंडस्ट्रियल सेक्टर को बूस्टर डोज़ मिला है। गृह और उद्योग राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी की दी गई ऑफिशियल जानकारी के मुताबिक, राज्य में इंडस्ट्रियल सेक्टर में इन्वेस्टमेंट को और बढ़ावा देने के लिए 25 और बड़ी इंडस्ट्रियल यूनिट्स के लिए सरकारी मदद को मंजूरी दी गई है। इस फैसले से गुजरात के इंडस्ट्रियल सेक्टर में उत्साह की एक बड़ी लहर दौड़ गई है। गांधीनगर में हुई हाई लेवल कमेटी की एक अहम मीटिंग में इन ऐतिहासिक फैसलों पर आखिरी मुहर लगाई गई। इस हाई-लेवल फैसले की वजह से राज्य में करीब 3,903.30 करोड़ रुपये का बड़ा इन्वेस्टमेंट आएगा। इतना ही नहीं, इन नई इंडस्ट्रीज़ के आने से राज्य के पढ़े-लिखे और स्किल्ड युवाओं के लिए सीधे तौर पर 8,178 से ज़्यादा नए रोज़गार के मौके बनेंगे। यह कामयाबी राज्य के युवाओं के लिए करियर के नए दरवाज़े खोलेगी। सरकार की पॉलिसी-ड्रिवन गवर्नेंस और ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस की वजह सेनए एंटरप्रेन्योर्स और बड़े इंडस्ट्रियल घरानों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार का यह पक्का वादा गुजरात को पूरे देश के लीडिंग इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग हब और ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब के तौर पर और मज़बूत और मशहूर बनाएगा। राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी की मज़बूत लीडरशिप में लिया गया यह फैसला 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' के विज़न को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा।



अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का भ्रष्टाचार उजागर!

18,500 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट के बावजूद, शहर सिर्फ '40'कमीशन राज' में नाच रहा है!

कॉमनवेल्थ गेम्स होस्ट करने का दावा करने वाली AMC, 20 फुट गहरे सीवर पर ढक्कन भी नहीं लगा सकी!



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। ग्लोबल लेवल पर बड़े-बड़े इवेंट्स ऑर्गनाइज़ करने का दावा करने वाली और कॉमनवेल्थ गेम्स लाने का दावा करने वाली अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का असली चेहरा अब जनता के सामने आ गया है। करोड़ों रुपये के एडवरटाइजिंग होर्डिंग्स, ब्यूटीफिकेशन और PR स्टंट्स के पीछे जनता की मेहनत की कमाई पानी की तरह बर्बाद करने वाली यह लापरवाह एडमिनिस्ट्रेशन, आम लोगों की जान बचाने के लिए सड़क पर खुले पड़े 20 फुट गहरे सीवर पर एक मामूली लोहे का ढक्कन भी नहीं लगा सकती! अहमदाबाद शहर में एडमिनिस्ट्रेशन की माफ न करने लायक लापरवाही और कड़वी सच्चाई ने एक बार फिर मासूमों की जान के लिए खतरा पैदा कर दिया है, जिससे पूरे शहर में जनता का गुस्सा ज्वालामुखी की तरह फूट पड़ा है। 18,500 करोड़ का सालाना बजटः पैसा कहां जाता है? जनता पूछ रही है सवाल लोगों के बीच सवाल उठ रहे हैं कि क्या AMC, जिसका सालाना बजट 18,500 करोड़ का भारी-भरकम है, के पास शहर के डेवलपमेंट, सड़कों को बेहतर बनाने या बेसिक सेफ्टी के लिए पैसे नहीं हैं? अगर बजट है, तो मानसून में या आम दिनों में भी सड़कों पर मौत का कारण बनने वाले खुले मैनहोल क्यों नहीं भरे जा रहे हैं? आज अहमदाबाद शहर में यह खुली चर्चा है कि AMC में फैले '40' कमीशन राज' और करप्शन के पाप की वजह से जनता के डेवलपमेंट का पैसा अधिकारियों और नेताओं की तिजोरियों में जा रहा है। कॉर्पोरेटर बनते ही आम वर्कर या नेताओं की गाड़ियां रातों-रात बदल जाती हैं, और बड़े-बड़े आलीशान बंगले बन जाते हैं–क्या उन्हें सच में आम लोगों की जान-माल की परवाह है या मासूम जानवरों की? यह सवाल आज हर गुजराती की जुबान पर है।

अहमदाबाद का विकास ढलान परः प्रशासन की लापरवाही के खिलाफ़ ज़बरदस्त गुस्सा

विकास के बड़े-बड़े बोर्ड लगाने वाली अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने शहर को 'स्मार्ट सिटी' बनाने की बड़ी-बड़ी बातें की हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि शहर के सीवर और सड़कें खुली घाटियों जैसी हो गई हैं। इससे पहले भी प्रशासन की ऐसी ही लापरवाही के कारण कई बेगुनाह नागरिकों की जान जा चुकी है, फिर भी अधिकारी टस से मस नहीं होते। कागज़ पर बनी योजनाओं और ज़मीनी हकीकत में ज़मीन-आसमान का फ़र्क है। मेयर हितेश बारोट को तुरंत ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए और पीड़ित परिवार को इंसाफ़ दिलाना चाहिए! कॉमनवेल्थ गेम्स होस्ट करने का दावा करने वाली, खस्ट, 20 फुट गहरे सीवर पर ढक्कन भी नहीं लगा सकी! इस भ्रष्ट सिस्टम की लापरवाही और बड़ी लापरवाही के कारण हाल ही में हुए एक दुखद हादसे में एक मासूम बच्ची शिकार हो गई है। इस मुश्किल और दुख भरे समय में पीड़ित परिवार की हालत बहुत दयनीय और दयनीय हो गई है।इस बेहद संवेदनशील मुद्दे से नाराज़ जनता और स्थानीय निवासी एक आवाज़ में खस्ट मेयर श्री हितेश बारोट और अधिकारियों से अपनी नैतिक ज़िम्मेदारी मानने की मांग कर रहे हैं। सिर्फ़ सत्ता का सुख भोगने के बजाय, इस गंभीर हादसे में पीड़ित मासूम बच्ची के परिवार को तुरंत उचित आर्थिक मदद और सख्त न्याय मिलना चाहिए।

18,500 करोड़ का बजट, फिर भी खुले सीवर से खतरा!

अहमदाबाद में खुले सीवर के कारण मासूम बच्ची के साथ हुए हादसे ने नगर निगम की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने मेयर हितेश बारोट और संबंधित अधिकारियों से जिम्मेदारी तय करने, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने और खुले मैनहोल बंद कराने की मांग की है

अहमदाबाद में किसानों के हक पर डाकाः नारोल की एक टेक्सटाइल मिल से सब्सिडी वाले यूरिया फर्टिलाइजर का बड़ा स्कैम पकड़ा गया, 119 बोरियां जब्त!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एक सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि अहमदाबाद जैसे बड़े शहर में किसानों के लिए सब्सिडी रेट पर मिलने वाले नीम कोटेड यूरिया फर्टिलाइजर की ब्लैक मार्केट और इंडस्ट्रियल इस्तेमाल का स्कैम बड़े पैमाने पर चल रहा है। पुलिस ने नारोल इलाके में काजल टेक्सटाइल्स मिल प्राइवेट लिमिटेड पर छापा मारकर गैर-कानूनी तरीके से रखी गई सब्सिडी वाली यूरिया फर्टिलाइजर की 119 बोरियां जब्त की हैं। किसानों के नाम पर सरकारी स्कीमों का फायदा उठाकर सस्ते यूरिया का इस्तेमाल अपने टेक्सटाइल प्रोसेसिंग में करके मोटा मुनाफा कमाने के इस काले खेल से बड़ा हंगामा मचा हुआ है। नारोल पुलिस ने खास जानकारी के आधार पर काजल टेक्सटाइल्स मिल पर अचानक छापा मारा था। जांच के दौरान मिल के गोदाम में GNFC, IFFCO, GSFC और KRIBHCO कंपनियों के सब्सिडी वाले नीम कोटेड यूरिया की कुल 119 भरी हुई बोरियां और 16 खाली बोरियां मिलीं। जब्त की गई खाद की कीमत 31,000 रुपये से ज़्यादा आंकी गई है। खेती के लिए रखी गई इस खाद का इस्तेमाल गैर-कानूनी तरीके से टेक्सटाइल प्रोसेसिंग की लागत कम करने के लिए किया जा रहा था। पुलिस की छापेमारी के दौरान, मिल मैनेजर जुबैर महबूबभाई पालीवाला (निवासी जमालपुर) मौके पर मिले। उनके पास खाद की मात्रा के बारे में कोई कानूनी लाइसेंस या परमिट नहीं था। पूछताछ में पता चला कि यह यूरिया मिल मालिक अयूबभाई इकबालभाई सुरीती (निवासी जुहापुरा) ने खरीदी थी। पुलिस ने मिल मालिक और मैनेजर दोनों के खिलाफ इंडियन पीनल कोड , फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर-1985 और एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है और कानूनी कार्रवाई कर रही है। सैंपल गांधीनगर लैब भेजे गए, आगे की जांच जारी है पुलिस ने ज़ब्त किए गए फर्टिलाइज़र से चार सैंपल लेकर उन्हें एनालिसिस के लिए गांधीनगर में फर्टिलाइज़र टेस्टिंग लैब भेज दिया है। पुलिस ने इस बात की ज़ोरदार जांच शुरू कर दी है कि यह गैर-कानूनी मात्रा में फर्टिलाइज़र किसने और कहां से सप्लाई किया। किसानों के हक का सब्सिडी वाला



फर्टिलाइज़र इंडस्ट्रियलिस्ट के गोदामों तक कैसे पहुंचा, इस बारे में कई बड़े नामों पर कानूनी कार्रवाई होने की संभावना है।

'जन आक्रोश पदयात्रा' शुरू होने से पहले ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अंधाधुंध हिरासत में लिया गया, शहर पुलिस छावनी में बदल गया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद। चरोतर की राजधानी जैसे आणंद जिले में राजनीतिक माहौल बहुत गरम हो गया है। जनता की सुरक्षा और स्थानीय मुद्दों को लेकर कांग्रेस द्वारा आयोजित 'जन आक्रोश पदयात्रा' से पहले ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया था। पदयात्रा शुरू होने से पहले ही पुलिस ने सत्ता के बल पर बड़े पैमाने पर विपक्षी नेताओं और गुस्सैल कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। विपक्ष की आवाज़ को कुचलने के इस तानाशाही कदम से राजनीतिक गलियारों में भारी हंगामा मच गया है। कांग्रेस पार्टी ने बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और लोगों के लंबित मुद्दों को आवाज़ देने के लिए आणंद में 'जन आक्रोश पदयात्रा' का ऐलान किया था। सरकार विरोधी गुस्सा सड़कों पर उतरने और जनता के इकट्ठा होने से पहले ही प्रशासन और पुलिस अलर्ट हो गई थी। पुलिस जैसे ही मार्च की जगह पर पहुंची, उसने कड़े सिक्योरिटी इंतज़ाम कर लिए थे और प्रोटेस्ट शुरू होने से पहले ही नेताओं को जेल भेजने की कोशिश शुरू कर दी थी। जैसे ही पुलिस ने मार्च की मंजूरी न होने की बात कहकर बड़े नेताओं और वर्कर्स को हिरासत में लेना शुरू किया, माहौल टेंशन वाला हो गया। पुलिस और कांग्रेस वर्कर्स के बीच गरमागरम बहस और झड़प के सीन बन गए। वर्कर्स ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए, आरोप लगाया कि डेमोक्रेसी में शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट का हक छीना जा रहा है। हालांकि, पुलिस सभी नेताओं को ज़बरदस्ती गाड़ियों में डालकर थाने ले गई। गिरफ़्तारी के इस ड्रामे के बाद आणंद शहर की मेन सड़कों और चेकपॉइंट्स पर पुलिस का काफिला तैनात कर दिया गया है। किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए सेंसिटिव इलाकों में पुलिस छावनी जैसा माहौल बना दिया गया है। विपक्ष ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है और धमकी दी है कि ऐसे दमन से लोगों की आवाज़ कभी नहीं दबाई जा सकती और आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज़ किया जाएगा।



AMC ने अहमदाबाद के घाटलोडिया में एक बड़ा जॉइंट 'सेवा सेतु' प्रोग्राम किया, जिससे लोगों की ज़रूरी समस्याओं का समाधान हुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश के लोकप्रिय और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन, जनसेवा, सुशासन और समर्पण के 25 शानदार सालों की सफल यात्रा के जश्न के हिस्से के तौर पर, पूरे राज्य में बड़े कार्यक्रम हो रहे हैं। इस मौके पर, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तरफ से घाटलोडिया विधानसभा इलाके में 'सेवा, संकल्प और समर्पण अभियान' के तहत एक बहुत बड़ा जनकल्याण जॉइंट 'सेवा सेतु' प्रोग्राम जोश के साथ आयोजित किया गया। यह जॉइंट सेवा सेतु प्रोग्राम नॉर्थ-वेस्ट ज़ोन के तहत आने वाले गोटा, चांदलोडिया, घाटलोडिया, थलतेज और बोडकदेव वार्ड के लोगों के लिए आयोजित किया गया था। इस प्रोग्राम का मुख्य मकसद आम लोगों को सरकारी स्कीम, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से जुड़ी सर्विस, इनकम प्रूफ, मदर कार्ड, आधार कार्ड समेत सभी कल्याणकारी सुविधाएं एक ही छत के नीचे और जल्दी से देना था। इस कल्याण महायज्ञ का बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने लाभ उठाया। स पवित्र और सेवा के अवसर पर अहमदाबाद के मेयर श्री हितेश बारोट, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन श्री कमलेश पटेल, डिप्टी मेयर श्रीमती अंजू शाह, रूलिंग पार्टी के नेता श्री जशु ठाकोर और दंडक के श्री अतुल मिश्रा खास तौर पर मौजूद थे। इसके अलावा, घाटलोडिया के लोकप्रिय खस्र श्री हर्षद पटेल, अलग-अलग वार्डों के कॉर्पोरेटर और संगठन के पदाधिकारी मौजूद थे और लोगों की समस्याओं को मौके पर ही हल करने के लिए प्रशासन को गाइडेंस दिया।



जनता के टैक्स के करोड़ों रुपयेः गांधीनगर में 2.5 करोड़ रुपये के आलीशान फ्लैट मिलने के बाद भी खस्मुफ्त की मलाई को तरस रहे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में जनता की पसीने की कमाई और टैक्स के करोड़ों रुपये बर्बाद करके खस्ह्य के लिए स्वर्ग जैसे आलीशान और शानदार फ्लैट तैयार किए गए हैं। राजधानी से करीब 2.5 करोड़ रुपये के मॉडर्न आलीशान फ्लैट अलॉट होने के बाद भी जनता के तथाकथित सेवकों की मुफ्त सरकारी सुविधाओं का मजा लेने की भूख कम नहीं हो रही है। खस्ह्य की इस मतलबी सोच ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जब मुफ्त की मलाई खाने की बात आती है तो सभी नेता पार्टियों के मतभेद भूलकर एक हो जाते हैं। नए फ्लैट तैयार होने के बाद भी नेता पुराने क्वार्टर पर कब्जा किए हुए हैं। सरकार ने लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस क्वार्टर बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए हैं और सभी को आलीशान फ्लैट भी अलॉट कर दिए गए हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि विधानसभा के डिप्टी स्पीकर और चार मंत्रियों समेत कुल 40 से ज़्यादा खस्र ने अभी तक अपने पुराने खस्क्वार्टर खाली नहीं किए हैं और उन पर गैर-कानूनी या गलत तरीके से कब्ज़ा किए बैठे हैं। एक तरफ करोड़ों का नया पता मिल गया है, दूसरी तरफ पुराने सरकारी क्वार्टर खाली करने को तैयार नहीं हैं।



सरकार या विपक्ष? फ्री सुविधाओं में सब 'भाई'!

इस घोटाले या लालच के पीछे कोई पार्टी नहीं है। BJP, कांग्रेस या आम आदमी पार्टी चुनाव के दौरान चाहे कितने भी वादे कर लें और पार्लियामेंट या असेंबली में जुबानी जंग छेड़ दें, लेकिन जब सरकारी सुविधाओं, फ्री किराए और भाईचारे की बात आती है, तो सरकार और विपक्ष के सभी खस्र एक जैसे ही साबित होते हैं। जनता के टैक्स के पैसे की बर्बादी का यह नंगा नाच देखकर आम नागरिक भड़क गए हैं।

जनता के टैक्स के पैसे का खुला मज़ाक

गांधीनगर के जादू चौक से शुरू हुई नेताओं की मस्ती अब फाइव स्टार सुविधाओं और करोड़ों रुपये तक पहुंच गई है। महंगाई और टैक्स का बोझ लोगों पर डालकर अपनी निजी सुविधा बचाने वाले इन नेताओं की पोल अब खुल चुकी है। अगर इन नेताओं ने समय रहते पुराने ठिकाने खाली नहीं किए तो आने वाले दिनों में आम लोगों का गुस्सा सड़कों पर उतरकर बड़ा रूप ले सकता है।

गोपाल इटालिया का BJP पर तीखा हमलाः 'जलियांवाला बाग और जंतर मंतर दोनों ही तानाशाहों के ज़ुल्म की निशानी हैं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आम आदमी पार्टी के राज्य नेता और तेज़-तर्रार वक्ता गोपाल इटालिया ने सत्ताधारी पार्टी भारतीय जनता पार्टी खिलाफ़ आक्रामक मोर्चा खोलकर सियासत गरमा दी है। गोपाल इटालिया ने दिल्ली के जंतर मंतर पर हाल ही में हुई घटनाओं और विरोध प्रदर्शनों पर हुई पुलिस कार्रवाई को मुद्दा बनाते हुए BJP सरकार की तुलना अंग्रेजों के तानाशाही राज से की है। उनके इस तीखे और जानलेवा बयान ने सियासत के मैदान में ज़बरदस्त हंगामा खड़ा कर दिया है। इटालिया ने खुली चुनौती दी है कि जलियांवाला बाग और दिल्ली का जंतर मंतर दोनों ही तानाशाहों द्वारा विपक्ष की आवाज़ दबाने के लिए किए गए ज़ुल्म की जीती-जागती निशानी हैं। जिस तरह ब्रिटिश सरकार ने जलियांवाला बाग में बेगुनाह देशवासियों पर बेरहमी से ज़ुल्म किए थे, उसी तरह आज की सरकार जंतर-मंतर पर लाठियों और पुलिस बल का इस्तेमाल करके देश के नागरिकों, किसानों और युवाओं की आवाज़ दबा रही है, जो लोकतांत्रिक तरीके से अपने हक़ के लिए आवाज़ उठा रहे हैं। इतिहास इन दोनों ज़ुल्मों को कभी नहीं भूलेगा।



नडियाद में अपराधियों की क्रूरता के खिलाफ सोनी समाज का गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। खेड़ा जिले के हेडक्वार्टर नडियाद से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जिसने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नडियाद के मशहूर चोकसी बाजार में 'न्यू आर्ट ज्वेलर्स' के मालिक बिंदेश सोनी और उनके कर्मचारी पर हर्ष बारोट, विश्वास बारोट, हार्दिक उर्फ ??बाबो बारोट और एक अन्य व्यक्ति द्वारा जानलेवा हमला करने की घटना ने पूरे सोनी समाज और व्यापार जगत में आग लगा दी है। असामाजिक तत्वों के इस आतंक के खिलाफ व्यापारियों ने एकजुट होकर नडियाद चोकसी बाजार को पूरी तरह बंद रखा और एक बड़ी रैली निकालकर खेड़ा जिला पुलिस चीफ को पिटीशन भेजकर सख्त कार्रवाई की मांग की। मिली जानकारी के मुताबिक, नडियाद के हब माने जाने वाले चोकसी बाजार इलाके में एक ज्वेलरी शॉप और आम गाड़ी पार्किंग या झगड़े को लेकर मामला इतना गरमा गया कि गुस्साए लोगों ने व्यापारी और कर्मचारी को निशाना बनाकर लहूलुहान कर दिया। दिनदहाड़े बीच बाजार में व्यापारियों पर खुलेआम हमला करने की इस घटना से व्यापारियों में बहुत डर और गुस्से का माहौल है। मानो अपराधियों को पुलिस का कोई डर नहीं है, एक के बाद एक ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। स खूनी हमले के विरोध में और आरोपियों की गैर-कानूनी गतिविधियों पर जल्द से जल्द रोक लगाने के लिए चोकसी बाजार के व्यापारियों ने अपनी दुकानें और जगहें बंद कर दीं और अपना विरोध दर्ज कराया। सोनी समाज के नेता और बड़ी संख्या में व्यापारी इकट्ठा होकर सड़कों पर उतर आए और नारे लगाकर अपना गुस्सा जाहिर किया। इन गुस्साए व्यापारियों का जुलूस और रैली सीधे खेड़ा जिला पुलिस चीफ के ऑफिस पहुंची, जहां अर्जी दी गई। इसमें शामिल बाकी सभी आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करके कानून का सबक नहीं सिखाया गया तो आंदोलन और भी उग्र किया जाएगा।



अहमदाबाद के ओधव में चौंकाने वाली घटना: छेड़छाड़ का विरोध करने वाले युवक की सरेआम बेरहमी से हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नाडियाड। आशापुरी और दुनिया द्वारा मां अंबा की पूजा का त्योहार नवरात्रि का त्योहार, चरोतर की राजधानी नाडियाड में शानदार और जोश के साथ शुरू हो गया है। नाडियाड के मशहूर 'नवरंग नवरात्रि महोत्सव 2026' की पवित्र आरती और पहले नवरात्रि के शानदार उद्घाटन के मौके पर जाने-माने नेता संजय सिंह महिडा खास तौर पर मौजूद रहे और मां अंबा के चरणों में शीश झुकाकर नवरात्रि उत्सव की शानदार शुरुआत की। पहले नवरात्रि के इस पावन मौके पर पूरा नाडियाड शहर भक्ति के रंग में रंग गया। नवरात्रि उत्सव के इस शानदार उद्घाटन समारोह में गुजरात और केंद्रीय राजनीति की जानी-मानी हस्तियों की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम की शान में चार चांद लगा दिए। इस शुभ अवसर पर खेड़ा लोकलडीला के MP श्री देवुसिंह चौहान, नडियाद रूरऔर वरिष्ठ नेता श्री पंकजभाई देसाई, नडियाद के मेयर श्री मनीषभाई पटेल, डिप्टी मेयर श्री कल्पेशभाई रावल, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन श्री परागभाई और 'माँ शक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट' के सभी ट्रस्टी मौजूद थे। इन सभी गणमान्य लोगों ने दीप जलाकर माताजी की आरती की और उत्सव की शुरुआत की। माँ अम्बा के अटूट आशीर्वाद से शुरू हुए इस उत्सव में पारंपरिक संस्कृति और आधुनिक उत्साह का अद्भुत मेल देखने को मिला। पहली नवंबर से ही गरबा ग्राउंड खिलाड़ियों की भीड़ और संगीत की धुनों से भर गया था। संजयसिंह महिडा और मौजूद अन्य मेहमानों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और नडियाद के लोगों को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। माँ शक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस भव्य उत्सव में खिलाड़ियों और युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है।



इंडियन ह्यूमन राइट्स कोऑपरेशन ट्रस्ट और थाना सिहोरा पुलिस की सराहनीय पहल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिहोरा। अक्टूबर 2026 को इंडियन ह्यूमन राइट्स कोऑपरेशन ट्रस्ट जिला कटनी और सिहोरा तहसील की टीम ने थाना सिहोरा पुलिस के साथ मिलकर मैहर माता के दर्शन के लिए पैदल जा रहे श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक सराहनीय पहल की. अभियान के दौरान पैदल जा रहे श्रद्धालुओं के बैग और झंडों पर रेडियम लगाया गया, ताकि रात में गाड़ियों की लाइट जलने पर श्रद्धालु दूर से दिखाई दें और सड़क हादसों का खतरा कम हो सके. इस मौके पर थाना प्रभारी श्रीमती प्रतीक्षा मार्को और पुलिस टीम ने श्रद्धालुओं को सड़क किनारे सुरक्षित चलने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने और रात में खास सावधानी बरतने की सलाह दी. रेडियम लगाने की इस पहल से श्रद्धालुओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया. श्रद्धालुओं ने पुलिस विभाग और ट्रस्ट की टीम का धन्यवाद किया. इंडियन ह्यूमन राइट्स कोऑपरेशन ट्रस्ट के नेशनल प्रेसिडेंट श्री सुनील सिंह यादव ने इस पहल की तारीफ़ की और कहा कि इंसानी जिंदगी की सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है। धार्मिक यात्राओं के दौरान पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए ऐसे जागरूकता अभियान ज़रूरी हैं। उन्होंने पुलिस डिपार्टमेंट और ट्रस्ट की टीम को जनहित में उनके प्रयासों के लिए बधाई दी नेशनल पदाधिकारियों ने अपने जॉइंट मैसेज में कहा कि इंडियन ह्यूमन राइट्स कोऑपरेशन ट्रस्ट मानवाधिकार सुरक्षा, जनसेवा और जनजागरूकता के लिए कमिटेड है। पुलिस और सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर चलाए जाने वाले ऐसे अभियान समाज में सुरक्षा की भावना को मज़बूत करते हैं। नेशनल पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे ट्रैफ़िक नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा करें। सिहोरा तहसील टीम के तहसील संरक्षक नवल सिंह राजपूत, तहसील अध्यक्ष मोहम्मद सईद, तहसील मीडिया इंचार्ज नवल किशोर यादव और विजय तिवारी, तहसील सचिव कृष्णा सेन, तहसील इंचार्ज मनेंद्र झारिया और नितिन सोनी शामिल हुए।



खिलाड़ियों की जान खतरे में: फायर डिपार्टमेंट की नज़र पॉपुलर सिंगर जिगरदान गढ़वी के 'सांची गरबा' पर, जल्द जारी होगा नोटिस!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जहां खिलाड़ी नवरात्रि के पावन मौके पर डांस करने में बिज़ी हैं, वहीं अहमदाबाद के न्यू साइंस सिटी रोड पर ऑर्गनाइज़ किया गया पॉपुलर आर्टिस्ट जिगरदान गढ़वी का 'सांची गरबा' विवादों में फंस गया है। गंभीर खबरें सामने आई हैं कि गरबा ऑर्गनाइज़ेशन में सिक्योरिटी इंतज़ाम और फायर सेफ्टी नियमों की धज्जियां उड़ाई गई हैं। अब, लाखों युवाओं के जमावड़े वाले इस हाई-फाई ऑर्गनाइज़ेशन में बड़े सेफ्टी वायलेशन को देखते हुए अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन फायर डिपार्टमेंट ने कड़ा रुख अपनाया है और ऑर्गनाइज़र को लीगल नोटिस जारी करने की तैयारी शुरू कर दी है।

सिक्योरिटी इंतज़ाम के नाम पर मंदबुद्धि: हजारों खिलाड़ियों की जान खतरे में?

अहमदाबाद के पॉश इलाके न्यू साइंस सिटी रोड पर एक शानदार 'सांची गरबा' ऑर्गनाइज़ किया गया है, जहां हजारों एथलीट सिंगर जिगरदान गढ़वी की धुनों पर डांस करते हैं। लेकिन इस चमक-दमक के पीछे सिक्योरिटी सिस्टम में गंभीर लापरवाही है। फायर डिपार्टमेंट की शुरुआती जांच में पता चला है कि इस बड़े डोम और ऑर्गनाइज़ेशन में फायर सेफ्टी इक्विपमेंट, इमरजेंसी एग्जिट (बचाव के रास्ते) और NOC (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) से जुड़े नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया गया है। अगर कोई बड़ा हादसा या शॉर्ट सर्किट जैसी घटना हो जाए, तो हजारों की कैपेसिटी वाले इस गरबा ग्राउंड से निकलना मुश्किल हो सकता है। इस गंभीर गड़बड़ी की वजह से पहले भी कई हादसे हो चुके हैं, फिर भी ऑर्गनाइज़र ने सावधानी नहीं बरती। फायर डिपार्टमेंट की कार्रवाई: नोटिस जारी कर कानून सख्त किया जाएगा सांची गरबा के ऑर्गनाइज़र द्वारा सेफ्टी स्टैंडर्ड्स का उल्लंघन करने की इस हरकत के खिलाफ फायर डिपार्टमेंट ने अब सख्त रुख अपनाया है। फायर ब्रिगेड अधिकारियों के मुताबिक, नियमों के खिलाफ चल रहे इस ऑर्गनाइज़ेशन को लेकर तुरंत नोटिस जारी किया जाएगा और अगर समय रहते सिक्योरिटी के पुख्ता इंतजाम नहीं सुधारे गए, तो सख्त कानूनी कार्रवाई की भी धमकी दी गई है। एक तरफ सिस्टम सुरक्षा का ढिंढोरा पीट रहा है, वहीं दूसरी तरफ नागरिकों में बहुत गुस्सा है क्योंकि करोड़ों रुपये कमाने वाले ऐसे बड़े ऑर्गनाइज़र सीधे लोगों की जान से खेल रहे हैं।





दानिलिमडा में अवैध भ्रष्टाचार: AAP के पूर्व उम्मीदवार हारुन नागोरी की भागीदारी? फिरोज काना के अवैध निर्माण के खिलाफ AMC मूकदर्शक क्यों है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पूर्वी इलाके यानी दानिलिमडा में लैंड माफिया और अवैध निर्माण करने वालों के हौसले इतने बढ़ गए हैं कि नगर निगम के कानून और नियम सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। दानिलिमडा इलाके में प्रभुदास एस्टेट के बगल में पटेल मैदान के सामने फिरोज खान पठान उर्फ फिरोज काना नाम के एक बदनाम बिल्डर द्वारा करोड़ों का अवैध निर्माण किया जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या आम आदमी पार्टी के पूर्व उम्मीदवार रहे हारुन नागोरी इस अवैध घोटाले में शामिल हैं? इस पर काफी बहस हो रही है। 100 से ज्यादा आवेदनों के बावजूद, साउथ जोन एस्टेट डिपार्टमेंट कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है? इस अवैध निर्माण के खिलाफ स्थानीय नागरिकों और जागरूक नागरिकों द्वारा रजिस्ट्र के साउथ जोन में 100 से ज्यादा लिखित आवेदन और शिकायतें दर्ज की गई हैं। इतना ही नहीं, इस स्कैम की हाई-लेवल विजिलेंस जांच की भी ज़ोरदार मांग उठ रही है। फिर भी, साउथ ज़ोन एस्टेट डिपार्टमेंट के अधिकारी कोई ठोस एक्शन नहीं ले रहे हैं, जैसे वे कुंभकर्ण की नींद सो रहे हों। क्या ये अधिकारी किसी बड़े पॉलिटिकल प्रेशर में या फिर उगाही के चक्कर में आंखें मूंद रहे हैं? क्या ईस्ट का कोई पार्षद बिल्डिंग को बचा रहा है? यह चर्चा भी ज़ोर पकड़ रही है कि ईस्ट का कोई ताकतवर पार्षद इस गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को बचाने के पीछे है। यह गैर-कानूनी बिल्डिंग भ्रष्ट नेताओं और पॉलिटिकल आशीर्वाद से जल्दबाज़ी में बनाई जा रही है।



27 हज़ार के लेन-देन में 'टाइगर पॉइंट' से बिज़नेसमैन को किडनैप किया, तलवारों और बैट से पीटा, 14 लाख मांगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। मेगा सिटी अहमदाबाद के कोट इलाके में जमालपुर और गायकवाड़ हवेली इलाकों में असामाजिक तत्वों और बदमाशों का आतंक हद पार कर गया है। एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जिसमें सिर्फ़ 27 हज़ार रुपये के टेलरिंग और पैसे के लेन-देन के मामूली झगड़े में टेक्सटाइल प्रोसेसिंग बिज़नेसमैन साजिदभाई सोजतवाला को जानलेवा हथियारों के बल पर किडनैप कर लिया गया, 'टाइगर पॉइंट' नाम के एक ऑफिस में ले जाकर 14 लाख रुपये की गैर-कानूनी वसूली के लिए पीट-पीटकर मार डाला गया। इस काली करतूत के बाद भी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे कानून-व्यवस्था और पुलिस के काम करने के तरीके पर तीखे सवाल उठ रहे हैं। इस काले खेल की डिटेल्स ये हैं कि आरोपी रोहन उर्फ ??रोमन जुल्फिकार शेख ने बिजनेसमैन साजिदभाई को जमालपुर के पास से बहाने से किडनैप किया था। वहां से, उन्हें पहले से तय साज़िश के मुताबिक, 'टाइगर पॉइंट' नाम के एक ऑफिस में ले जाया गया, जो अलमास शेख, मनीष मुंजानी और अजीम पंजाबी से जुड़े अपराधियों का ठिकाना था। वहां पहुंचते ही बिजनेसमैन पर तलवारों, बेसबॉल बैट और जानलेवा हथियारों से हमला कर 27 हजार के बदले 14 लाख रुपये मांगे गए। सवाल ये है कि शहर में 'टाइगर पॉइंट' जैसे प्राइवेट ऑफिस में जानलेवा हथियार किसकी इजाज़त से और किस ताकत से रखे गए हैं? बिजनेसमैन साजिदभाई ने साफ किया कि उन पर असली कर्ज सिर्फ 27,000 रुपये का था, फिर भी उनसे 14 लाख रुपये ऐंठने का खुला खेल खेला गया।



देश की पॉलिटिक्स में भूचाल: राहुल गांधी के आक्रामक रुख के बीच, चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव असेंबली में पास!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली। देश की पॉलिटिक्स में इस समय की सबसे बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आई है। जहां विपक्षी नेता राहुल गांधी ने चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी और वोट चोरी के मुद्दे पर केंद्र सरकार और इलेक्शन कमीशन के खिलाफ लोकसभा में मोर्चा खोल रखा है और अपना आक्रामक विरोध जारी रखा है, वहीं देश के एक अहम राज्य की असेंबली ने इतिहास रचने वाले चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए ऑफिशियल प्रस्ताव पास कर दिया है। इस कदम से भारतीय पॉलिटिक्स में भारी हंगामा मच गया है। केरल असेंबली ने इतिहास में पहली बार इतना बड़ा कदम उठाया है और असेंबली हाउस में चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए एक खास प्रस्ताव पास किया है। यह प्रस्ताव राज्य के नेता ने पेश किया था, जिसका सत्ताधारी DF और विपक्षी LDF दोनों ने समर्थन किया। हालांकि, BJP के विधायकों ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया, लेकिन सदन में बहुमत से प्रस्ताव पास हो गया। विधानसभा में पास हुए इस प्रस्ताव में चीफ इलेक्शन कमिश्नर पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि इलेक्टोरल रोल के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रोसेस के दौरान लाखों योग्य वोटरों के नाम गैर-कानूनी तरीके से कैंसल कर दिए गए और लोकतंत्र के बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन किया गया। इलेक्शन कमीशन की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार और इलेक्शन कमीशन से इन कमियों को ठीक करने और ष्ट्रश्रष्ट ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की पुरजोर मांग की गई है। एक तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश भर में इलेक्शन कमीशन के खिलाफ आक्रामक आंदोलन और प्रदर्शन कर रहे हैं, और ष्ट्रश्रष्ट के इस्तीफे की मांग सार्वजनिक रूप से उठा चुके हैं, वहीं केरल विधानसभा द्वारा उठाए गए इस राजनीतिक कदम ने आग में घी डालने का काम किया है। यह पहली बार है जब किसी राज्य की विधानसभा ने देश की चुनावी मशीनरी के सबसे बड़े हेड के खिलाफ ऐसा ऑफिशियल प्रस्ताव लाया है, जिससे आने वाले दिनों में देश भर में हंगामा मच सकता है।



कृष्णानगर पुलिस ने लगातार दूसरे दिन भारी मात्रा में शराब जब्त की, 4.55 लाख विदेशी शराब की बोतलों के साथ एक गिरफ्तार

अहमदाबाद में अवैध शराब के धंधेबाजों पर खाकी का शिकंजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ अहमदाबाद पुलिस अब पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई है। शहर के कृष्णानगर इलाके में पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सघन ऑपरेशन के तहत लगातार दूसरे दिन भारी मात्रा में शराब जब्त की गई है। एक सूचना पर कार्रवाई करते हुए कृष्णानगर पुलिस ने एक घर पर छापा मारकर लाखों रुपये की विदेशी शराब की बोतलें जब्त कीं और अवैध शराब के धंधेबाज को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।

धरणीधर बंगलो के एक घर में फलता-फूलता शराब का अड्डा पकड़ा गया

कृष्णानगर पुलिस स्टेशन की एक टीम इलाके में गश्त और सब-इन्वेस्टिगेशन कर रही थी, इसी दौरान एक खास सूचना मिली कि इलाके के धरणीधर बंगलो के एक घर में अवैध रूप से भारी मात्रा में विदेशी शराब छिपाकर रखी गई है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उस घर में अचानक छापा मारा। पुलिस की इस रेड से शराब तस्करों में भगदड़ मच गई।

4.55 लाख रुपये की शराब ज़ब्त, कल्याणसिंह राठौड़ गिरफ्तार

पुलिस ने घर की गहन तलाशी ली और अलग-अलग ब्रांड की कुल 762 बोतल विदेशी शराब मिली। ज़ब्त की गई विदेशी शराब की कुल मार्केट कीमत करीब 4.55 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने मौके से कल्याणसिंह राठौड़ नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया है, जो इस काले शराब के धंधे में शामिल है। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि यह माल सप्लाई करने वाला राजस्थान का गणपतसिंह राव इस पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड है। कृष्णानगर पुलिस ने घर के अंदर गैर-कानूनी तरीके से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब स्टोर करने के इस रैकेट का भंडाफोड़ किया है और गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर आगे की गहन जांच शुरू कर दी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इतनी शराब किसके कहने पर गुजरात में और कैसे तस्करी की गई, और राजस्थान के फरार शराब तस्कर गणपतसिंह राव तक कैसे पहुंचा जा सके।

शाहरुख भड़ोल गली से ड्रग्स के साथ पकड़ा गया, चरस और गांजा जब्त, मुख्य साथी इम्तियाज दीवान फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद सिटी पुलिस ने मेगा सिटी अहमदाबाद को ड्रग्स के दलदल में धकेलने की कोशिश कर रहे ड्रग तस्करों पर नकेल कसी है। पुलिस ने खास जानकारी के आधार पर छापेमारी कर शहर के सरखेज इलाके में ड्रग्स के काले कारोबार का भंडाफोड़ किया है। सरखेज सानंद सर्कल के पास सावन होटल के पास अमन गेस्ट हाउस वाली गली से एक युवक को भारी मात्रा में नशीली दवाओं के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया है। सरखेज पुलिस स्टेशन की एक टीम ने सरखेज-सानंद रोड पर सावन होटल के पास एक गली में अचानक छापेमारी की। जहां संदिग्ध हालत में घूम रहे शाहरुख भड़ोल नाम के युवक को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने जब उसकी गहन तलाशी ली तो उसके पास से 397 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 1.50 लाख रुपये थी। उसके पास से 19,000 रुपये और 2,900 रुपये कीमत की 11 ग्राम चरस मिली। पुलिस ने मौके से इतनी मात्रा में नशीला पदार्थ जब्त कर लिया है और आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस पूछताछ में ड्रग्स के इस काले नेटवर्क में एक और चौंकाने वाला नाम सामने आया है। इतनी मात्रा में ड्रग्स में शामिल इम्तियाज दीवान नाम का आरोपी फिलहाल पुलिस कस्टडी से फरार हो गया है। सरखेज पुलिस ने शाहरुख भड़ोल और फरार इम्तियाज दीवान के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत गंभीर मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।



परिषद पदाधिकारी मण्डल की बैठक महत्वपूर्ण निर्णयों के साथ सम्पन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बडागांव। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद पदाधिकारी मण्डल की महत्वपूर्ण बैठक अतिशय क्षेत्र बडागांव में संगठन के अध्यक्ष अनिल पारसदास जैन की अध्यक्षता में 10 अक्टूबर को णमोकार मंत्र के सामूहिक मंगलाचरण से प्रारंभ हुई। बैठक में कोषाध्यक्ष अशोक जैन ने गत बैठक की कार्यवाही पढकर सुनाई जिसको उपस्थित पदाधिकारियों ने ध्वनि मत से पारित किया। सर्व प्रथम वर्ष 2025-26 का आडिटेड वार्षिक लेखा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।इसके साथ ही दशलक्षण पर्व का आय- व्यय प्रस्तुत किया जिसे सभी ने ध्वनिमत से पारित किया। अनिल जी ने कालका जी स्थित जिनालय में हो रहे निर्माण कार्य की जानकारी पदाधिकारी मण्डल को दी। अध्यक्ष महोदय ने पदाधिकारियों को इंदौर, उज्जैन, दिल्ली एवं अजमेर, उदयपुर में नवीन गठित होने वाली शाखाओं की जानकारी भी दी। आपने तेलंगाना की महिला परिषद द्वारा अहिंसा स्तम्भ के निर्माण तथा मध्यप्रदेश में 500 युवा साथियों द्वारा युवा परिषद के गठन और उनके शपथ ग्रहण पर हर्ष व्यक्त किया तथा इसके लिए युवा परिषद के अध्यक्ष के इस प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना की। परिषद की मासिक पत्रिका वीर के नियमित जयपुर से प्रकाशन हेतु संपादन व प्रकाशन का दायित्व डा. अखिल बंसल, जयपुर को सोंपा जिसे डा. बंसल ने स्वीकार किया। आर एन आई की कार्यवाही के लिए डा. बंसल से त्वरित कार्यवाही करने हेतु आग्रह किया गया।



'वोट चोर, गद्दी छोड़ो' नारे के साथ 'लोकतंत्र बचाओ मार्च', SIR प्रोसेस के खिलाफ खेड़ा जिले में सियासत गरमाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। चरोतर की राजधानी नडियाद में कांग्रेस पार्टी ने लोकतंत्र और चुनाव प्रोसेस पर सवाल उठाते हुए सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। खेड़ा जिला कांग्रेस कमेटी और नडियाद शहर कांग्रेस कमेटी ने मिलकर वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रोसेस और चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में चुनाव आयोग द्वारा लिए गए विवादित फैसलों का कड़ा विरोध दर्ज कराने के लिए एक बड़ा और आक्रामक 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' निकाला। नडियाद में पारस सर्कल के पास इप्कोवाला हॉल में बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी, सीनियर नेता और जोशीले कार्यकर्ता इकट्ठा हुए। हाथों में बैनर और नारे लेकर इन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर की मुख्य सड़कों पर रैली निकाली और सरकार और चुनाव आयोग की नीतियों के खिलाफ अपना कड़ा गुस्सा जाहिर किया। इस रैली के दौरान, नडियाद शहर 'वोट चोर गद्दी छोड़ो' और लोकतंत्र विरोधी फैसलों को वापस लेने के नारों से गूंज उठा। इस विरोध और रैली में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने सत्ताधारी पार्टी पर हमला बोला। इस मौके पर खेड़ा जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्रसिंह राणा, नडियाद शहर कांग्रेस अध्यक्ष हार्दिक भट्ट और भरतसिंह परमार, चंद्रशेखरसिंह डाभी, गोकुल शाह और सुभाषभाई जैसे बड़े नेता मौजूद थे। कांग्रेस ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाते हुए एक पिटीशन भेजने और आने वाले दिनों में आंदोलन तेज करने की धमकी दी है।



माइनिंग विवाद में BJP के पूर्व MLA की बेरहमी से हत्या: 80 लोगों की भीड़ ने लाठी-डंडों और पत्थरों से पीट-पीटकर मार डाला!

महानगर मेट्रो ब्यूरो



भरतपुर (राजस्थान). राजस्थान के भरतपुर जिले के वेर/बयाना इलाके से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है जो सबको हिला कर रख देगी। माइनिंग और स्टोन क्रशर प्लांट के विवाद ने इतना हिंसक रूप ले लिया है कि 70 से 80 लोगों की खूनी भीड़ ने BJP के पूर्व अतर सिंह भड़ाना पर हमला कर दिया और उनकी बेरहमी से हत्या कर दी। लाठी-डंडों और पत्थरों से अचानक हुए इस हमले से पूरे राजस्थान में हड़कंप मच गया है। भरतपुर जिले के भोंडा गांव के पास पहाड़ी इलाके में पूर्व अतर सिंह भड़ाना का स्टोन क्रशर प्लांट है। इस क्रशर प्लांट और माइनिंग लीज को लेकर स्थानीय गांववालों और भड़ाना के बीच पिछले 2 से 3 साल से विवाद चल रहा था। गांववालों का आरोप है कि क्रशर प्लांट की वजह से चरागाह की जमीन पर कब्ज़ा हो रहा था और ब्लास्टिंग और सड़क के इस्तेमाल से गांव के मवेशियों और लोगों को भारी परेशानी हो रही थी। इसके विरोध में पिछले कुछ दिनों से स्थानीय लोग धरने पर भी बैठे थे। रविवार शाम को अतर सिंह भड़ाना अपने साथियों के साथ क्रशर प्लांट पर पहुंचे। उसी समय 70 से 80 लोगों की गुस्साई भीड़ लाठी, डंडों और पत्थरों के साथ वहां पहुंच गई। भीड़ ने पूर्व MLA और उनके सिक्योरिटी गार्ड गगन शर्मा को चारों तरफ से घेर लिया और बेरहमी से जानलेवा हमला शुरू कर दिया। हमलावरों ने भड़ाना के दोनों पैर तोड़ दिए और उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। पूर्व की पत्नी ने फायरिंग का भी आरोप लगाया, हालांकि मेडिकल रिपोर्ट और डॉक्टरों के मुताबिक, ज्यादा पिटाई और ज्यादा खून बहने से उनकी मौत हुई। गंभीर रूप से घायल अतर सिंह भड़ाना और उनके साथी गगन शर्मा को लहूलुहान हालत में वीरना के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां से भड़ाना की गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में रेफर कर दिया गया। लेकिन बदकिस्मती से, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कानून व्यवस्था और पुलिस कैंप पर सवाल घटना के बाद भोंडा गांव और आस-पास के इलाकों में काफी तनाव है। विपक्ष ने इस घटना को लेकर सरकार और पुलिस प्रशासन की कानून व्यवस्था पर कड़े सवाल उठाए हैं।

बागरा में आसोज नवरात्र का आगाज, घटस्थापना के साथ गरबा महोत्सव शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूर



बागरा। क्षेत्र में आसोज नवरात्र पर्व की शुरुआत के साथ ही धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आगाज हो गया। मां अम्बाजी गरबा मंडल बागरा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रमों के पहले दिन विधि-विधान से घटस्थापना की गई। महेश नाथ महाराज के सानिध्य में हुए धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माता के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। घटस्थापना के दौरान विभिन्न लाभार्थियों ने माताजी की स्थापना की और सामूहिक आरती में हिस्सा लिया। इस दौरान पूरा प्रांगण माता के जयकारों से गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया। रात में आयोजित गरबा कार्यक्रम में देवी-देवताओं की वेशभूषा में कलाकारों की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। पारंपरिक और पौराणिक स्वरूपों में सजे कलाकारों ने गरबा नृत्य के माध्यम से धार्मिक संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। उनकी आकर्षक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक गरबा की रंगत और भक्ति का उत्साह देखने को मिला। आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। नवरात्र के पहले दिन से ही क्षेत्र में धार्मिक उल्लास का माहौल बना हुआ है। मां अम्बाजी गरबा मंडल के तत्वावधान में आयोजित यह महोत्सव क्षेत्र की धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का अवसर बन रहा है।

आसोज नवरात्र का आगाज, घटस्थापना के साथ गरबा महोत्सव शुरू



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। आसोज नवरात्र पर्व की शुरुआत के साथ ही मां अम्बाजी गरबा मंडल के तत्वावधान में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। नवरात्र के पहले दिन महेश नाथ महाराज के सानिध्य में विधि-विधान से घटस्थापना की गई। धार्मिक अनुष्ठान के साथ शुरू हुए आयोजन में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। घटस्थापना के बाद माताजी की पूजा-अर्चना की गई और सामूहिक आरती का आयोजन हुआ। आरती के दौरान माता के जयकारों से पूरा प्रांगण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। घटस्थापना के अवसर पर विभिन्न लाभार्थियों ने माताजी की स्थापना कर धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया। पूजा-अर्चना और आरती के दौरान श्रद्धालुओं की भागीदारी से आयोजन स्थल पर भक्तिमय वातावरण बना रहा। नवरात्र के पहले दिन हुए धार्मिक अनुष्ठानों ने पर्व की शुरुआत को विशेष बना दिया। माता के जयकारों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरे परिसर में आस्था और उल्लास का माहौल नजर आया। नवरात्र के पहले दिन रात में आयोजित गरबा कार्यक्रम में देवी-देवताओं की वेशभूषा में सजे कलाकारों की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। पारंपरिक और पौराणिक स्वरूपों में तैयार होकर कलाकारों ने गरबा नृत्य प्रस्तुत किया। उनकी वेशभूषा और नृत्य के माध्यम से धार्मिक संस्कृति की झलक देखने को मिली। कलाकारों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम में पारंपरिक गरबा के साथ धार्मिक भावनाओं का सुंदर संगम दिखाई दिया। गरबा कार्यक्रम ने आयोजन को सांस्कृतिक रंग प्रदान किया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से नवरात्र पर्व की परंपरा और धार्मिक महत्त्व को दर्शाया। पहले दिन हुए कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और प्रस्तुतियों का आनंद लिया। धार्मिक अनुष्ठानों से शुरू हुआ आयोजन रात के गरबा कार्यक्रम के साथ भक्ति और सांस्कृतिक उल्लास से सराबोर रहा। मां अम्बाजी गरबा मंडल के तत्वावधान में आयोजित धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। घटस्थापना, सामूहिक आरती और गरबा नृत्य के माध्यम से नवरात्र पर्व की शुरुआत की गई। आयोजन में धार्मिक परंपराओं के साथ लोक संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। पहले दिन के कार्यक्रमों से क्षेत्र में नवरात्र को लेकर उत्साह का माहौल बना रहा।

अजमेर में फ्लैट पर चल रहा था क्रिकेट सट्टे का कारोबार, लैपटॉप, टैबलेट, 7 मोबाइल और वाई-फाई सहित उपकरण जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाने के मामले में कृष्णागंज थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी सीकर रोड स्थित अंसल अपार्टमेंट के एक फ्लैट में बैठकर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे में खाईवाली कर रहे थे। पुलिस ने मौके पर दबिश देकर सट्टे के हिसाब-किताब में इस्तेमाल किए जा रहे लैपटॉप, सैमसंग टैबलेट, सात मोबाइल फोन और जियो एयर वाई-फाई सहित अन्य उपकरण जब्त किए हैं। इसके अलावा मौके से 1,020 रुपए नकद भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरीश आसवानी (42) निवासी गौरी नगर, जतिन शाह (53) निवासी नवकार कॉलोनी, फॉयसागर रोड और घनश्याम रंगवानी (47) निवासी अजय नगर के रूप में हुई है। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुप्त सूचना पर फ्लैट में दी दबिश

जिला स्पेशल टीम को 11 अक्टूबर को गुप्त सूचना मिली थी कि सीकर रोड स्थित अंसल अपार्टमेंट के सी-ब्लॉक के फ्लैट नंबर 502 में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए जिला स्पेशल टीम और कृष्णागंज थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की योजना बनाई। इसके बाद पुलिस टीम ने बताए गए फ्लैट पर दबिश दी। मौके पर तीन व्यक्ति भारत-वेस्टइंडीज क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टे का हिसाब-किताब करते मिले। पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए तीनों को पकड़ लिया और सट्टे में इस्तेमाल किए जा रहे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी किस माध्यम से ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे और इस गतिविधि से अन्य लोग भी जुड़े हुए हैं या नहीं।

लैपटॉप, टैबलेट और सात मोबाइल फोन जब्त

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से एक लैपटॉप मय चार्जर, एक सैमसंग टैबलेट, सात मोबाइल फोन, पांच मोबाइल चार्जर और एक जियो एयर वाई-फाई मय चार्जर जब्त किया है। इसके साथ



ही 1,020 रुपए नकद भी बरामद किए गए। जब्त उपकरणों की जांच के जरिए ऑनलाइन सट्टे से संबंधित हिसाब-किताब और अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में जब्त उपकरणों और ऑनलाइन सट्टे के नेटवर्क से जुड़े तथ्यों को खंगाला जा रहा है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि सट्टे का संचालन किस तरह किया जा रहा था और इसके पीछे कोई अन्य व्यक्ति या समूह भी सक्रिय है या नहीं। मामले में जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पहले चरण में पांच पंचायत समितियों में होगा मतदान, बैसाखी के सहारे पूर्व सरपंच तो घूंघट की ओट में नामांकन भरने पहुंचीं महिला प्रत्याशी

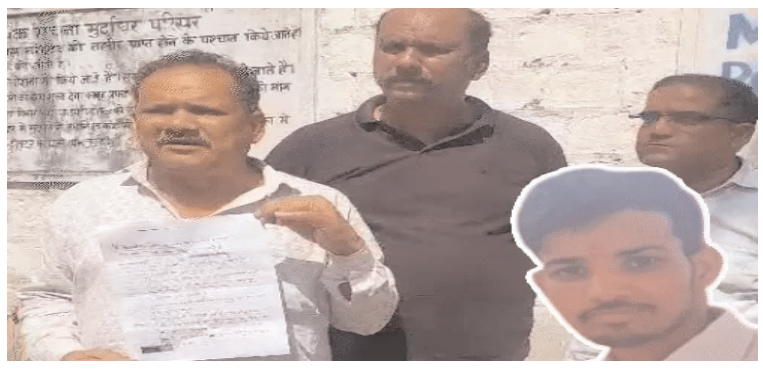
महानगर मेट्रो ब्यूरो



पाली। पंचायत चुनाव के पहले चरण को लेकर नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही जिले में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सोमवार को कई प्रत्याशी जिला परिषद सदस्य और पंचायत समिति सदस्य सहित विभिन्न पदों के लिए नामांकन दाखिल करने पहुंचे। पाली कलेक्ट्रेट परिसर में नामांकन आवेदन लिए जा रहे हैं। प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। पहले चरण में जिले की सोजत, रानी, सुमेरपुर, बगड़ नगर और मारवाड़ जंक्शन पंचायत समितियों में चुनाव होंगे। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ गई है और कलेक्ट्रेट परिसर में चुनावी गतिविधियां नजर आने लगी हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान अलग-अलग तस्वीरें भी सामने आईं। पाली जिले के रुगड़ी रायपुरिया निवासी 67 वर्षीय पूर्व सरपंच अनराज जिला परिषद सदस्य पद के लिए नामांकन दाखिल करने पहुंचे। उम्र अधिक होने के कारण वे बैसाखी के सहारे कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे और चुनाव लड़ने के लिए अपना आवेदन जमा करवाया। वहीं, सोजत क्षेत्र की निरमा चौहान घूंघट की ओट में नामांकन दाखिल करने पहुंचीं। नामांकन के दौरान दोनों प्रत्याशियों की मौजूदगी चर्चा का विषय रही। पहले चरण के मतदान के लिए जिले में कुल 642 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इस चरण में जिला परिषद के 18 वार्डों, पंचायत समितियों के 95 वार्डों, 157 ग्राम पंचायतों और उनके अंतर्गत आने वाले 1,513 वार्डों के लिए चुनाव होंगे। पांच पंचायत समितियों में होने वाले इन चुनावों को लेकर प्रशासन की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। नामांकन जमा होने के बाद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आवेदनों की जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। जिले में दूसरे चरण के चुनाव के लिए भी मतदान केंद्र निर्धारित कर दिए गए हैं। दूसरे चरण में देसूरी, बाली, पाली और रोहट पंचायत समितियों में चुनाव होंगे। इस चरण में जिला परिषद के 15 वार्डों, पंचायत समिति सदस्य के 84 वार्डों, 146 ग्राम पंचायतों और 1,418 वार्ड पंचों के लिए मतदान कराया जाएगा। इसके लिए कुल 528 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। ाली जिले में पंचायत चुनाव दो चरणों में संपन्न होंगे। दोनों चरणों को मिलाकर जिला परिषद के 33 सदस्यों, पंचायत समिति सदस्य के 179 पदों, 303 सरपंचों और 2,931 वार्ड पंचों के लिए चुनाव होंगे। जिले में मतदान के लिए कुल 1,170 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। पहले और दूसरे चरण के चुनाव के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का चयन किया जाएगा। निर्धारित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 13 अक्टूबर तक नामांकन आवेदन जमा किए जा सकेंगे। इसके बाद 14 अक्टूबर से नामांकन पत्रों की जांच शुरू होगी। प्रत्याशी 15 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। इसी दिन दोपहर बाद चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। पहले चरण में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए 22 अक्टूबर को मतदान होगा, जबकि पंच और सरपंच पदों के लिए 24 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी तस्वीर स्पष्ट होगी और प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्रों में प्रचार की तैयारियों में जुटेंगे।

शादी के दूसरे दिन पत्नी के घर छोड़ने का दावा, 10 लाख पए मांगने का भी आरोप; भाई ने जामडोली थाने में दर्ज कराया मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जयपुर। जामडोली थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक युवक ने अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक के कमरे से मिले सुसाइड नोट में उसने अपनी मौत के लिए ससुराल पक्ष के लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। नोट में परिवार को परेशान करने, रुपए मांगने और धमकियां देने के आरोप लगाते हुए पुलिस से न्याय दिलाने की अपील की गई है। सूचना मिलने पर परिजन युवक को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई ने सोमवार को जामडोली थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान देवेंद्र शर्मा (30) के रूप में हुई है। घटना रविवार शाम करीब 5 बजे आगरा रोड स्थित आनंद नगर विस्तार की है। परिजनों के मुताबिक, शाम को वे देवेंद्र को बुलाने उसके कमरे पर पहुंचे थे। कमरा अंदर से बंद था। दरवाजे में लगे कांच से अंदर देखा तो देवेंद्र फंदे पर लटका हुआ दिखाई दिया। इसके बाद परिजनों ने उसे नीचे उतारा और डॉक्टर को बुलाया। बाद में उसे सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कमरे से मिले सुसाइड नोट में देवेंद्र ने अपनी मौत के लिए ससुराल पक्ष को जिम्मेदार बताया। उसने लिखा कि उसके परिवार को परेशान किया जा रहा है और उनसे रुपए मांगे जा रहे हैं। उसने पुलिस से अपील की कि उसके परिवार को न्याय मिले। नोट में ससुराल पक्ष के कुछ लोगों पर गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप भी लगाए गए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। देवेंद्र के मामा रत्नलाल शर्मा ने बताया कि उसकी शादी 29 अप्रैल 2026 को रितिका उर्फ रिंकू से हुई थी। उनके मुताबिक, शादी के दूसरे दिन ही पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी। इसके बाद ससुराल पक्ष की ओर से देवेंद्र को कथित रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा और उसके साथ गाली-गलौज की गई। मामा का दावा है कि शादी के करीब 15 दिन बाद पत्नी वापस ससुराल आई और अपने मायके वालों को बुलाकर जेवर, कपड़े सहित अन्य सामान लेकर चली गई। दहेज के मामले के बाद 10 लाख रुपए मांगने का आरोप रत्नलाल शर्मा के अनुसार, मई में देवेंद्र की पत्नी की ओर से उसके खिलाफ दहेज का मामला दर्ज कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि दहेज का सामान वापस लेने के बाद भी लड़की पक्ष की ओर से शादी में खर्च हुए 10 लाख रुपए देने की मांग की जा रही थी। परिजनों ने बताया

राजस्थान में तीन अस्पतालों पर आयकर विभाग की रेड, 20 करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जयपुर। राजस्थान में आयकर विभाग ने सोमवार सुबह पार्क ग्रुप से जुड़े तीन अस्पतालों पर एक साथ छापेमारी की। जयपुर, झुंझुनूं और कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बहरोड़ स्थित अस्पतालों में पहुंची टीमों ने वित्तीय लेन-देन, आय और विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं से संबंधित दस्तावेजों की जांच शुरू की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अस्पतालों में बड़े पैमाने पर नकद लेन-देन के जरिए कर चोरी और वित्तीय अनियमितताओं की आशंका जताई जा रही है। जांच के दायरे में 20 करोड़ रुपए से अधिक की संभावित टैक्स चोरी का मामला भी सामने आने की संभावना है। हालांकि, वास्तविक स्थिति विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग की टीमें सोमवार सुबह करीब 5 से 6:30 बजे के बीच तीनों अस्पतालों में पहुंचीं। जयपुर के मानसरोवर स्थित अमर मेडिकल एंड रिसर्च सेंटर, झुंझुनूं में चूरू रोड स्थित आरआर मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और बहरोड़ के पार्क हॉस्पिटल में कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान अस्पतालों के प्रवेश और निकास द्वार बंद कर दिए गए। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया, ताकि जांच के दौरान बाहरी लोगों की आवाजाही नियंत्रित रहे। कार्रवाई के दौरान अस्पतालों में मौजूद मरीजों, उनके परिजनों और कर्मचारियों की आवाजाही पर भी रोक लगाए जाने की जानकारी सामने आई है। आयकर विभाग की टीमें अस्पताल प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों और वित्तीय रिकॉर्ड की पड़ताल कर रही हैं। जांच का उद्देश्य अस्पतालों की घोषित आय, वास्तविक लेन-देन और कर संबंधी विवरणों के बीच किसी तरह की विसंगति का पता लगाना बताया जा रहा है। कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बहरोड़ स्थित पार्क अस्पताल में सोमवार सुबह करीब 5 बजे आयकर विभाग की टीम पहुंची। पांच गाड़ियों में आए अधिकारियों ने अस्पताल के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) और लेखा विभाग के अधिकारियों से पूछताछ की। टीम ने अस्पताल की आय, वित्तीय लेन-देन और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं से संबंधित रिकॉर्ड की जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस), राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस), मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (एमएए) और आयुष्मान योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की गई। इन योजनाओं के तहत अस्पताल को प्राप्त भुगतान, संबंधित रिकॉर्ड और वित्तीय विवरणों की जांच कार्रवाई का अहम हिस्सा मानी जा रही है। आयकर विभाग की इस कार्रवाई से अस्पताल प्रबंधन से जुड़े वित्तीय लेन-देन की विस्तृत जांच होने की संभावना है। फिलहाल, छापेमारी के दौरान मिले दस्तावेजों और पूछताछ से जुड़े निष्कर्षों की आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।

ओसियां में बस रूट विवाद ने लिया खूनी रूप, कार को टक्कर मार तारबंदी में धकेला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

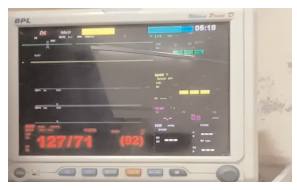
ओसियां। बस रूट को लेकर हुए विवाद में जानलेवा हमले और कार में आग लगाने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई क्रेटा कार भी जब्त कर ली है। आरोप है कि हमलावरों ने पहले कार से पीड़ितों का पीछा किया और फिर उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मारकर सड़क किनारे तारबंदी में धकेल दिया। इसके बाद कार के शीशे तोड़े, तलवार और कुल्हाड़ी से हमला किया तथा पेट्रोल डालकर गाड़ी में आग लगा दी। हमले में घायल युवक को आरोपी मृत समझकर सड़क किनारे झाड़ियों में फेंककर फरार हो गए। आसपास के लोगों और राहगीरों की मदद से उसकी जान बच सकी। पुलिस के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए जोधपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पंकज यादव के निर्देशन में कार्रवाई की गई। जांच के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई क्रेटा कार को भी जब्त कर लिया है। मामले में बस रूट को लेकर हुए विवाद की पृष्ठभूमि और हमले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, बेहचारणान निवासी सुजानदान ने बताया कि 1 अक्टूबर 2026 की रात करीब आठ बजे वह अपने भाई प्रकाशदान के साथ कार में एकलखोरी से गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सिल्वर रंग की क्रेटा कार उनका लगातार पीछा कर रही थी।



सिरोही में दो युवतियों ने कीटनाशक का सेवन किया, हालत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दो युवतियों के कीटनाशक का सेवन करने के मामले सामने आए हैं। जहरीले पदार्थ के सेवन के बाद दोनों की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद परिजन उन्हें तत्काल सिरोही के सरकारी अस्पताल स्थित ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने दोनों का उपचार शुरू किया। करीब डेढ़ से दो घंटे तक चले उपचार के बाद दोनों की हालत में सुधार हुआ। इसके बाद चिकित्सकों ने उन्हें आईसीयू वार्ड में शिफ्ट कर दिया, जहां उनकी निगरानी में उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, पहली घटना स्वरूपगंज थाना क्षेत्र की है। यहां एक युवती ने अज्ञात कारणों से जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ समय बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो परिजन उसे लेकर सिरोही सरकारी अस्पताल पहुंचे। ट्रॉमा सेंटर में चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया। करीब दो घंटे तक इलाज चलने के बाद युवती को होश आया और उसकी हालत में सुधार देखा गया। इसके बाद उसे आईसीयू वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। दूसरी घटना सिरोही सदर थाना क्षेत्र की है। सारनेश्वरजी के पास रहने वाली एक युवती ने कीटनाशक की गोलियां खा लीं। इसके बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। स्थिति को देखते हुए परिजन उसे तुरंत सिरोही सरकारी अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने उसका उपचार शुरू किया। करीब डेढ़ घंटे तक चले उपचार के बाद युवती की हालत में सुधार हुआ। इसके बाद उसे भी आईसीयू वार्ड में भर्ती कर चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।



नवरात्र का आगाज, मां जगदम्बा की प्रतिमाओं की स्थापना के साथ गरबा उत्सव शुरू

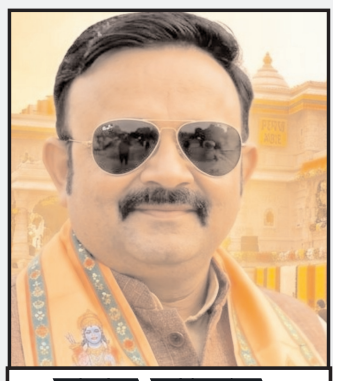
महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवरात्र पर्व की शुरुआत के साथ ही शहर में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बन गया है। विभिन्न गरबा मंडलों की ओर से पंडालों में मां जगदम्बा की प्रतिमाएं स्थापित कर विधि-विधान से घटस्थापना की गई। देर शाम आयोजित आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। माता के जयकारों और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच गरबा उत्सव का आगाज हुआ। स्थापना के दौरान शंख, नगाड़ों और ढोल की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और नवरात्र पर्व की शुरुआत की। रामझरोखा मैदान में पंडित जयेश ओझा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर घटस्थापना कराई। इस अवसर पर आरासना अंबाजी शक्ति पीठ से अखंड ज्योत लेकर मंडल के कार्यकर्ता रामझरोखा मैदान पहुंचे। अखंड ज्योत की स्थापना के साथ ही पंडाल में धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत हुई। श्रद्धालुओं ने सामूहिक आरती में भाग लिया। नवरात्र के पहले दिन से ही आयोजन स्थल पर भक्तों की आवाजाही और उत्साह देखने को मिला। रामझरोखा मैदान स्थित पंडाल में अष्ट भुजाधारी मां जगदम्बा की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। बंगाल के मूर्तिकार ने तालाब की मिट्टी से इस प्रतिमा का निर्माण किया है। प्रतिमा में माता को सिंह पर सवार होकर महिषासुर का वध करते हुए दर्शाया गया है। देवी के इस स्वरूप को देखने के लिए श्रद्धालुओं में उत्सुकता बनी हुई है। प्रतिमा की धार्मिक और कलात्मक प्रस्तुति पंडाल का प्रमुख आकर्षण है। नवरात्र के दौरान शहर के विभिन्न पंडालों में पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कई पंडालों में नौ दिनों तक दुर्गा सप्तशती का पाठ होगा।

सम्पादकीय

विदेशी मेहमानों की खातिरदारी पर करोड़ों खर्च, स्थानीय जनता बुनियादी सुविधाओं को तरसी

राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों के बीच अहमदाबाद में प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल, टैक्स वसूली से लेकर सड़क



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। गुजरात की आर्थिक राजधानी अहमदाबाद को अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए तैयार रने और विश्वस्तरीय शहर के रूप में प्रस्तुत करने की कवायद के बीच नगर प्रशासन की प्राथमिकताओं को लेकर सवाल उठने लगे हैं। एक ओर राष्ट्रमंडल खेलों और विदेशी मेहमानों की मेजबानी के नाम पर शहर के सौंदर्यीकरण, विज्ञापन और व्यवस्थाओं पर बड़े खर्च की चर्चा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय नागरिक सड़क, सीवर, सफाई और अतिक्रमण जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने की कोशिशों में शहर के आम नागरिकों की जरूरतें पीछे छूट रही हैं?

अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के सामने सबसे बड़ी चुनौती शहर की चमक-दमक बढ़ाने के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने की है। शहर को आधुनिक स्वरूप देने, प्रमुख मार्गों को आकर्षक बनाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं विकसित करने के प्रयास तभी सार्थक होंगे, जब आम लोगों को भी सुरक्षित सड़कें, व्यवस्थित यातायात, स्वच्छ वातावरण और बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं मिलेंगी। केवल बड़े आयोजनों के लिए शहर की चुनिंदा सड़कों और प्रमुख स्थानों को सजाने से पूरे शहर की तस्वीर नहीं बदल सकती।

18,500 करोड़ के बजट के बीच बुनियादी सुविधाओं पर सवाल नगर प्रशासन के बजट और विकास योजनाओं को लेकर नागरिकों के बीच यह सवाल चर्चा में है कि शहर के विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों का लाभ आम लोगों तक किस हद तक पहुंच रहा है। यदि शहर में बड़े स्तर पर विकास कार्यों और सौंदर्यीकरण की योजनाएं संचालित की जा रही हैं, तो स्थानीय इलाकों की सड़कें, सीवर व्यवस्था और सफाई की समस्याओं का समाधान भी प्राथमिकता से होना चाहिए। नागरिकों की अपेक्षा है कि सार्वजनिक धन का उपयोग ऐसे कार्यों में हो, जिनका सीधा लाभ रोजमर्रा की जिंदगी में दिखाई दे।

शहर की सुंदरता केवल चमकदार इमारतों, आकर्षक विज्ञापन बोर्डों और प्रमुख मार्गों की सजावट से तय नहीं होती। किसी भी विकसित शहर की असली पहचान उसकी बेहतर नागरिक सुविधाओं, साफ-सुथरी सड़कों, व्यवस्थित जल निकासी और आम लोगों को मिलने वाली सेवाओं से होती है। ऐसे में विकास योजनाओं के साथ उनके क्रियान्वयन और खर्च की पारदर्शिता पर भी ध्यान देना जरूरी है।

नए नियमों और चालान की कार्रवाई पर भी उठ रहे सवाल

शहर में यातायात नियमों के पालन, अतिक्रमण हटाने और सार्वजनिक स्थानों को व्यवस्थित रखने के लिए कार्रवाई जरूरी है। हालांकि, नागरिकों की शिकायत है कि चालान और जुर्माने की कार्रवाई में आम लोगों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है, जबकि कुछ स्थानों पर स्थायी अतिक्रमण और अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की गति को लेकर सवाल बने रहते हैं।हालांकि, नागरिकों की शिकायत है कि चालान और जुर्माने की कार्रवाई में आम लोगों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है, जबकि कुछ स्थानों पर स्थायी अतिक्रमण और अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की गति को लेकर सवाल बने रहते हैं।

एस्टेट विभाग और यातायात पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता तथा एकसमान नियमों का पालन सुनिश्चित करना जरूरी है। यदि सड़क पर अतिक्रमण हटाया जाता है, तो कार्रवाई सभी क्षेत्रों में समान रूप से दिखाई देनी चाहिए। नियमों का उद्देश्य नागरिकों को परेशान करना नहीं, बल्कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना और शहर को सुरक्षित बनाना होना चाहिए। इसी तरह किसी नए सॉफ्टवेयर या व्यवस्था के माध्यम से जुर्माना वसूलने की प्रक्रिया में भी स्पष्ट जानकारी, उचित प्रक्रिया और शिकायतों के समाधान की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए।

स्वच्छता के दावों के बीच सड़क और सीवर की समस्या

स्वच्छता और शहरी विकास से जुड़े अभियानों के बावजूद शहर के विभिन्न इलाकों में सड़क, कचरा निस्तारण और सीवर व्यवस्था को लेकर शिकायतें सामने आती रहती हैं। स्थानीय नागरिकों की अपेक्षा है कि प्रशासन केवल प्रमुख मार्गों और आयोजन स्थलों तक सीमित न रहे, बल्कि आवासीय बस्तियों और अंदरूनी इलाकों में भी नियमित निगरानी करे।

सड़कों की मरम्मत, जल निकासी की व्यवस्था, कचरे का समय पर निस्तारण और खुले सीवर जैसी समस्याओं का समाधान किसी भी शहर की बुनियादी जिम्मेदारियों में शामिल है। इन कार्यों में लापरवाही होने पर आम लोगों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ती है। इसलिए जरूरी है कि संबंधित विभाग समस्याओं की पहचान कर समयबद्ध कार्रवाई करें और पूरे हुए कार्यों की गुणवत्ता की भी जांच हो। अहमदाबाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की कोशिशों के साथ प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता को भी समान महत्व देना होगा।

श्रीमद् भगवद् गीता श्रृंखलाः अध्याय -13

'देह मेरा क्षेत्र है, पर मैं मात्र देह नहीं हूँ! 'मैं कौन हूँ?' इस प्रश्न का उत्तर ही आत्मज्ञान की शुरुआत है।



अध्याय 11 में अर्जुन का अहंकार पिघला, अध्याय 12 में उसका हृदय भक्ति से जुड़ा। जब हृदय निर्मल होता है, तभी बुद्धि परम सत्य को ग्रहण करने में सक्षम होती है। अब अध्याय 13 में एक अत्यंत गहन और आध्यात्मिक विश्लेषण की ओर आगे बढ़ते हैं। मनुष्य अपनी पूरी जिंदगी दुनिया को पहचानने में गुजार देता है - कौन कितना सफल है, किसके पास कितनी संपत्ति है, परंतु एक प्रश्न पूछना भूल जाता हैः 'जिस शरीर से मैं दुनिया को पहचानता हूँ, उस शरीर को जानने वाला मैं खुद कौन हूँ? '

इसी प्रश्न का गहन विचार यानी गीता का तेरहवां अध्याय - क्षेत्र-क्षेत्रज्ञ विभाग योग। इस अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण जीवन के सबसे बड़े भ्रम को तोड़ते हैं - 'मैं यह शरीर हूँ' इस मान्यता का भ्रम। क्षेत्र और क्षेत्रज्ञः जीवन का मैदान और उसका ज्ञाता श्रीकृष्ण समझाते हैं कि यह जो हमारा शरीर है, वही 'क्षेत्र' (खेत या खेल का मैदान) है। और जो इस शरीर को जानता है, जो अंदर बैठकर यह सब देख रहा है, वह चेतना या आत्मा 'क्षेत्रज्ञ' है।

जैसे किसान और खेत दोनों अलग हैं, वाहन और उसे चलाने वाला ड्राइवर अलग हैं, बिल्कुल वैसे ही यह शरीर और उसमें रहने वाली आत्मा दोनों पूर्णतः भिन्न हैं। हमारे विचार, इच्छाएं, बुद्धि, अहंकार, पांच ज्ञानेंद्रियां और सुख-दुःख के अनुभव इस जीवनरूपी 'क्षेत्र' का हिस्सा हैं।

हम गलती वहाँ करते हैं कि हम खेत को ही किसान मान लेते हैं! कार में बैठा ड्राइवर अगर कार पर पड़ने वाले स्क्रैच को अपने ही शरीर पर लगा घाव मानकर रोने लगे, तो यह कैसी मूर्खता कहलाएगी? हमारी दशा भी वैसी ही है। शरीर में आने वाले रोग या अहंकार पर होने वाले प्रहारों को हम 'स्वयं' पर हुआ प्रहार मान लेते हैं। शरीर तो मात्र एक वस्त्र है और आत्मा उसे पहनने वाली है। 'मन में उठने वाला हर विचार या भावना अंतिम सत्य नहीं है; समझदारी इसी में है कि उसे पहचानकर साक्षीभाव से उचित निर्णय लिया जाए। ' सच्चा ज्ञान क्या है? सामान्यत हम डिग्री या जानकारी को ही सच्चा ज्ञान मानते हैं। लेकिन श्रीकृष्ण यहाँ ज्ञान की एक अद्भुत परिभाषा देते हैं। वे 20 ऐसे गुणों का वर्णन करते हैं, जो मनुष्य में प्रकट होने पर ही उसे 'ज्ञानी' कहा जा सकता है। जैसे कि - अमानित्वमः अपनी सिद्धियों या प्रतिष्ठा का गर्व न होना। अदम्भित्वमः दंभ या दिखावे का अभाव; भीतर और बाहर से एक समान रहना।

क्षमा और आत्मविनिग्रहः अपराध को माफ करने की शक्ति और अपनी कमजोरियों पर नियंत्रण। एक शिक्षक बच्चों को ईमानदारी का पाठ पढ़ाए, परंतु स्वयं बेईमानी से व्यवहार करे, तो उसके शब्दों का प्रभाव कम हो जाता है। सच्चा मूल्य हमारे व्यवहार में दिखना चाहिए।

ज्ञान की सच्ची ऊँचाई आप कितना जानते हैं उसमें नहीं, बल्कि जानी हुई बात को कितने प्रतिशत जीते हैं उसमें दिखाई देती है। समाज हमें अनेक पहचान देता है - शिक्षक, अधिकारी, खिलाड़ी या व्यापारी। परंतु ये सभी पहचान जीवन की भूमिकाएँ हैं। एक स्पोर्ट्स ग्राउंड पर जब मैच खेला जाता है, तब खिलाड़ी पूरे जोश से खेलते हैं। उन्हें चोट लगती है, हार-जीत का तनाव होता है। लेकिन बाउंड्री के बाहर बैठा 'अंपायर' पूरे खेल को साक्षीभाव से देखता है। वह खेल में होने के बावजूद खेल से अलिप्त है। जीवन में भी हमारी आत्मा (क्षेत्रज्ञ) उस अंपायर की तरह है और यह संसार खेल का मैदान (क्षेत्र) है। एक खिलाड़ी मेडल जीते तब लोग प्रशंसा करते हैं, पर अगर दूसरी बार न जीते तो क्या उसकी मेहनत का मूल्य शून्य हो जाएगा? नहीं। मेडल एक सिद्धि है, व्यक्ति का संपूर्ण मूल्य नहीं। जब हम साक्षीभाव विकसित करते हैं, तब हार या विफलता हमें अंदर से तोड़ नहीं सकती।

सफलता का आनंद लें, लेकिन अपनी पहचान को मात्र सफलता और विफलता के मापदंडों में कैद न करें। आसक्ति छोड़ना और समदृष्टि रखना गीता कर्तव्य से भागना नहीं सिखाती, बल्कि कर्तव्य निभाते हुए परिणाम के प्रति आसक्ति छोड़ने को कहती है। माता-पिता संतान को अच्छी शिक्षा देते हैं, परंतु अगर वे संतान के हर निर्णय पर नियंत्रण रखना चाहें, तो प्रेम में दबाव मिल जाता है। उसी तरह, शिक्षक का कर्तव्य निष्ठा से पढ़ाना है, हर विद्यार्थी की क्षमता अलग होती है। समझदार शिक्षक या अभिभावक हर किसी की क्षमता को पहचानकर उचित मार्गदर्शन देता है।

श्रीकृष्ण समझाते हैं कि जो जानने योग्य है (ज्ञेय), वह परमात्मा है, जो हर जीव में स्थित है। जो व्यक्ति हर जीव में परमात्मा की उपस्थिति को समदृष्टि से देखता है, वह सच्चे ज्ञान की ओर आगे बढ़ता है।

सच्चा ज्ञान हमें दूसरों से ऊँचा होने का अहंकार नहीं, बल्कि हर जीव का सम्मान करने की दृष्टि देता है।

जीवन की अधिकांश पीड़ाओं का मूल हमारा शरीर और भौतिक वस्तुओं के साथ 'अटैचमेंट' है। जब हम आईने के सामने खड़े होकर यह कह सकें कि 'आईने में दिखने वाला चेहरा मेरा एक हिस्सा मात्र है, मेरा संपूर्ण अस्तित्व नहीं ', तब समझना कि गीता का यह पाठ जीवन में उतरने लगा है। जीवन की सच्ची प्रगति केवल ऊँचा पद पाने में नहीं है; अपने अहंकार को पहचानने और साक्षीभाव से जीवन जीने में है। देह को पहचानना शुरुआत है, मन को समझना जागृति है और अपने अस्तित्व के सत्य की खोज करना आत्मज्ञान की ओर की यात्रा है।

क्रमशः आगामी अध्याय 14 - गुणत्रय विभाग योग में हम जानेंगे 'हमारा स्वभाव कौन तय करता है? सत्त्व, रजस और तमस गुण क्या हैं? और इन तीनों गुणों की माया से मुक्त होकर परम आनंद कैसे प्राप्त किया जा सकता है? '

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित) स्पोर्ट्स टीचर।

दिल्ली में प्रदर्शन पर पुलिस की सख्ती, हजारों लोगों को हिरासत में लेने का दावा

दिल्ली। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रस्तावित प्रदर्शन के चलते शनिवार को राजधानी में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गईं। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से जंतर-मंतर पर धरना देने का ऐलान किया गया था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन को रोकने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए। पार्टी की शीर्ष नेतृत्व टीम के अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को हिरासत में लिए जाने की जानकारी सामने आई। कार्रवाई के बाद पार्टी ने आंदोलन जारी रखने की घोषणा करते हुए रविवार सुबह 10 बजे फिर से जंतर-मंतर पर जुटने का ऐलान किया। प्रदर्शन के दौरान राजधानी के विभिन्न इलाकों में सात हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने का दावा किया गया। इस घटनाक्रम ने राजनीतिक विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कार्रवाई, नागरिकों की आवाजाही और प्रदर्शनकारियों के अधिकारों को लेकर बहस तेज कर दी। प्रदर्शन के दौरान दो स्थानों पर पथराव होने और पुलिस के सात जवानों के घायल होने की भी जानकारी दी गई। हालांकि, हिरासत में लिए गए लोगों की कुल संख्या, संबंधित नेताओं की स्थिति और विभिन्न घटनाओं के पूरे विवरण की स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके शनिवार सुबह मुंबई से विमान के जरिए दिल्ली पहुंचे। उपलब्ध विवरण के अनुसार, पुलिस ने उन्हें विमान में ही हिरासत में ले लिया। पार्टी के अन्य प्रमुख नेताओं को भी हिरासत में लिए जाने की जानकारी सामने आई। पार्टी का कहना है कि एसआईआर के विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर उसका आंदोलन जारी रहेगा। अभिजीत दीपके ने कहा कि सरकार के इस्तीफे तक प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने रविवार सुबह 10 बजे जंतर-मंतर पर दोबारा प्रदर्शन करने का ऐलान किया। पार्टी नेतृत्व की इस घोषणा के बाद राजधानी में अगले दिन की सुरक्षा व्यवस्था और प्रस्तावित धरने को लेकर स्थिति महत्वपूर्ण हो गई है। प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर पीछे हटने के संकेत नहीं दे रहे हैं। वहीं, सोनम वांगचुक ने भी अनशन पर विचार करने की चेतावनी दी। उनके इस बयान को आंदोलन से जुड़े घटनाक्रम के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, अनशन शुरू करने या आगे की रणनीति को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

प्रदर्शन का प्रमुख मुद्दा एसआईआर प्रक्रिया का विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग बताया गया। पार्टी ने इसी मुद्दे को लेकर जंतर-मंतर पर धरना देने की घोषणा की थी। प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई और कई स्थानों पर आवाजाही को नियंत्रित करने के इंतजाम किए गए। चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर राजनीतिक दलों और नागरिक संगठनों की ओर से सवाल उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। हालांकि, ऐसे मामलों में लगाए गए आरोपों, उठाई गई आपत्तियों और संबंधित संस्थाओं के आधिकारिक पक्ष को अलग-अलग समझना जरूरी है। एसआईआर को लेकर प्रदर्शनकारियों की आपत्तियों और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर संबंधित पक्षों की विस्तृत प्रतिक्रिया सामने आने पर विवाद के विभिन्न पहलुओं की तस्वीर और स्पष्ट हो सकती है।

प्रदर्शन को रोकने के लिए दिल्ली में बड़े स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था किए जाने की जानकारी सामने आई। दिए गए विवरण के मुताबिक, करीब 38 हजार सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। राजधानी के विभिन्न इलाकों में कई स्तर की बैरिकेडिंग लगाई गई। कुछ स्थानों पर तीन से सात स्तर तक अवरोधक लगाए जाने का दावा किया गया, ताकि प्रदर्शनकारियों की आवाजाही को नियंत्रित किया जा सके। सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजामों के बीच दो स्थानों पर पथराव होने और सात पुलिसकर्मियों के घायल होने की सूचना भी दी गई। ऐसी परिस्थितियों में पुलिस के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ सार्वजनिक परिवहन और आम नागरिकों की आवाजाही को सामान्य रखने की चुनौती रहती है। वहीं, प्रदर्शनकारियों की ओर से हिरासत में लिए जाने की कार्रवाई पर सवाल उठाए गए हैं। राजधानी में इतनी बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती और यातायात पर लगाए गए प्रतिबंधों के दावों ने इस घटनाक्रम को और महत्वपूर्ण बना दिया। हालांकि, सुरक्षा बलों की वास्तविक संख्या, तैनाती के क्षेत्र और कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों के आधिकारिक आंकड़ों की पुष्टि संबंधित विभागों के विवरण से की जानी चाहिए।

प्रदर्शन से जुड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच सार्वजनिक परिवहन प्रभावित होने की जानकारी सामने आई। उपलब्ध विवरण के अनुसार, 57 मेट्रो स्टेशनों से जुड़ी सेवाओं पर प्रतिबंध लगाए जाने की बात कही गई। इसके अलावा दिल्ली आने वाली 250 से अधिक यात्री ट्रेनों को रद्द किए जाने का दावा भी किया गया। रेलवे से संबंधित जानकारी में बताया गया कि 10 अक्टूबर को सुबह चार बजे से दोपहर दो बजे के बीच नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर पहुंचने वाली कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को सुरक्षा कारणों से रद्द किया गया था। बाद में ट्रेनों के निर्धारित समय के अनुसार संचालन शुरू होने की सूचना दी गई। रेल और मेट्रो सेवाएं राजधानी की दैनिक आवाजाही का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ऐसे में सुरक्षा कारणों से सेवाओं में बदलाव होने पर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। खासकर दूसरे शहरों से दिल्ली आने वाले यात्रियों के लिए ट्रेन रद्द होने या



समय में बदलाव की जानकारी समय पर मिलना जरूरी है। यात्रियों को संबंधित रेलवे और मेट्रो प्राधिकरणों की आधिकारिक सूचनाओं के आधार पर ही यात्रा की योजना बनाने की आवश्यकता होती है।

प्रदर्शन के बाद ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) ने हिरासत में लिए गए लोगों की तत्काल रिहाई की मांग की। संगठन ने आरोप लगाया कि जामिया के सचिव कॉमरेड सौरभ और कई अन्य प्रदर्शनकारियों के साथ मैदानगढ़ी स्थित संजय कॉलोनी पुलिस स्टेशन में हिरासत के दौरान मारपीट की गई। आइसा की ओर से लगाए गए आरोपों ने हिरासत में लिए गए लोगों की सुरक्षा और उनके साथ किए जाने वाले व्यवहार को लेकर सवाल खड़े किए हैं। संगठन का कहना है कि हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा किया जाना चाहिए। इस मामले में संबंधित पुलिस अधिकारियों का आधिकारिक पक्ष और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि सामने आना महत्वपूर्ण होगा। एडवोकेट सुपंथ सिन्हा और फिदेल, निखिल और हार्दिक सहित चार लोगों के साथ मारपीट की गई।

मौन भी कभी-कभी शब्दों से बहुत कुछ कह जाता है...

हर बात को शब्दों में व्यक्त करना आवश्यक नहीं होता। कभी आँखों में छलकते आँसू, चेहरे पर छाई उदासी और होंठों पर पसरा मौन ऐसी बातें कह जाता है, जिन्हें हजारों शब्द भी व्यक्त नहीं कर सकते। जब इंसान बोलता है, तो उसके शब्द सुनाई देते हैं, लेकिन जब वह मौन रहता है, तब उसके हृदय की पीड़ा समझने के लिए संवेदनशील हृदय की आवश्यकता होती है। आज के समय में इंसान के पास बातचीत करने के अनेक माध्यम हैं। मोबाइल, सोशल मीडिया और संदेशों के जरिए हम दुनिया भर के लोगों से जुड़े रहते हैं, फिर भी करीबी रिश्तों में कहीं न कहीं संवाद की गर्माहट कम होती जा रही है। हम सामने वाले के शब्द तो सुनते हैं, लेकिन उसकी भावनाओं को समझने का प्रयास अक्सर नहीं करते। कभी-कभी कोई व्यक्ति अचानक शांत हो जाता है। जो व्यक्ति पहले हँसता-बोलता था, वह अब एकांत पसंद करने लगता है। हम तुरंत उसे बदला हुआ इंसान कह देते हैं, लेकिन शायद उसके मौन के पीछे कोई दुःख, निराशा, अपेक्षा या अधूरी रह गई भावना छिपी होती है। मौन हमेशा कमजोरी की निशानी नहीं होता। कभी यह रिश्ते को बचाने का प्रयास होता है, कभी अपने आत्मसम्मान की रक्षा और कभी बार-बार समझाने के बाद थक चुके हृदय की स्थिति। हर बार जवाब देना आवश्यक नहीं होता और हर बात का विरोध करना भी जरूरी नहीं है। कुछ परिस्थितियों में मौन ही इंसान की समझदारी और परिपक्वता को दर्शाता है।

लेकिन एक बात समझना जरूरी है कि मौन को हमेशा सहमति नहीं मानना चाहिए। कोई व्यक्ति कुछ नहीं बोल रहा है, इसका अर्थ यह नहीं कि उसे दुःख नहीं हो रहा। कई बार इंसान अपनी पीड़ा इसलिए व्यक्त नहीं करता, क्योंकि उसे डर होता है कि उसकी भावनाओं को समझने के बजाय उसका मजाक उड़ाया जाएगा या उसे ही गलत ठहरा दिया जाएगा।

रिश्तों की वास्तविक सुंदरता तब बनी रहती है, जब हम केवल बोलना ही नहीं, बल्कि सुनना और समझना भी सीखते हैं। किसी के मौन को समझने के लिए हमेशा सवालों की आवश्यकता नहीं होती; कभी प्रेम से पूछा गया एक सवाल, भावनाओं से भरा स्पर्श या निःस्वार्थ साथ भी बहुत कुछ कह जाता है।

जीवन में हर व्यक्ति को एक ऐसी जगह की जरूरत होती है, जहाँ वह बिना किसी डर के अपनी भावनाएँ व्यक्त कर सके। जहाँ उसे बार-बार अपनी बेगुनाही साबित न करनी पड़े और जहाँ उसके मौन को भी समझने का प्रयास किया जाए।

अंत में बस इतना ही कि शब्द रिश्तों की शुरुआत कर सकते हैं, लेकिन भावनाएँ उन्हें जीवंत बनाए रखती हैं। किसी के मौन को अनदेखा करने से पहले एक बार उसके हृदय तक पहुँचने का प्रयास जरूर कीजिए, क्योंकि कभी-कभी इंसान को सलाह से अधिक समझ की और शब्दों से अधिक अपनत्व की आवश्यकता होती है।*

(मंगलवार)13 अक्टूबर 2026

मेष
आज परिवार में सुखद माहौल रहेगा और किसी पुरानी चिंता से राहत मिल सकती है। कामकाज में सफलता के लिए अपनी योजनाओं पर ध्यान दें

वृषभ
योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें और किसी भी निर्णय से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें।

मिथुन
भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें। धैर्य और समझदारी से काम करेंगे तो पारिवारिक मामलों में बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

कर्क
आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। परिवार का सहयोग मिलेगा और पुराने काम को पूरा करने में सफलता मिल सकती है।

सिंह
दिन नई संभावनाएं लेकर आ सकता है। बातचीत के जरिए किसी उलझन का समाधान निकलेगा और कार्यक्षेत्र में लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

कन्या
कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो रुके हुए कामों में सफलता मिलने के योग हैं।

तुला
रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और पुराने मतभेद दूर करने का अवसर मिल सकता है। कामकाज में सकारात्मक प्रगति से मन प्रसन्न रहेगा

वृश्चिक
विरोधियों पर विजय मिलेगी। मेहनत का फल प्राप्त होगा वाहन सावधानी से चलाएं। लेन-देन में सतर्कता बरतें।

धनु
आज अधूरे काम पूरे करने की दिशा में प्रगति हो सकती है। धन के लेन-देन में सावधानी रखें और किसी भी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें

मकर
दिन सकारात्मक रहेगा, काम में सफलता के साथ आर्थिक लाभ होगा और परिवार के किसी सदस्य से मिली अच्छी खबर मन प्रसन्न कर देगी

कुंभ
नए अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं, महत्वपूर्ण काम में सफलता मिलेगी और किसी पुराने संपर्क से आपको विशेष लाभ मिल सकता है

मीन
आज रिश्तों में मधुरता बढ़ाने का अवसर मिलेगा। कारोबार में नई संभावनाएं बन सकती हैं, जबकि महत्वपूर्ण फैसलों में संतुलित सोच लाभ देगी

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान का असरः हर 1,000 जन्म पर 15 अतिरिक्त लड़कियों के जन्म का अनुमान

नई दिल्ली देश में बेटियों के जन्म को लेकर सकारात्मक बदलाव के संकेत मिले हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के शुरुआती जिलों में हुए बदलावों पर आधारित एक शोध में सामने आया है कि अभियान के बाद हर 1,000 जन्म पर करीब 15 अतिरिक्त लड़कियों के जन्म का अनुमान है। इसका प्रभाव विशेष रूप से उन परिवारों में अधिक दिखाई दिया, जिनकी पहली संतान बेटी थी। हालांकि, जन्म के समय लिंग अनुपात में सुधार के बावजूद देश में लैंगिक असमानता पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। वहीं, शिक्षा के क्षेत्र में भी लड़कियों की भागीदारी बढ़ाने की चुनौती बनी हुई है। रिपोर्ट 'पॉलिसी इंटरवेंशंस एंड द सेक्स रेशियो एट बर्थः एविडेंस फ्रॉम इंडिया' के अनुसार, दूसरी और उसके बाद की संतानों में लड़की के जन्म की संभावना में 2.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। जिन परिवारों की पहली संतान बेटी थी, उनमें दूसरी संतान भी बेटी होने की संभावना 3.7 से 5.3 प्रतिशत अंक तक बढ़ी। इसका अर्थ है कि ऐसे परिवारों में प्रति 1,000 जन्म पर 37 से 53 अतिरिक्त लड़कियों के जन्म का अनुमान सामने आया। इसके विपरीत, जिन परिवारों की पहली संतान बेटा थी, उनमें इस तरह का बदलाव नहीं मिला। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2015-16 में देश में प्रति 1,000 लड़कों पर 919 लड़कियों का जन्म दर्ज किया जाता था। अब यह अनुपात बढ़कर 930 हो गया है। यह बदलाव जन्म के समय लिंग अनुपात में सुधार का संकेत देता है। हालांकि, आंकड़ों से यह भी स्पष्ट होता है कि लड़कों की तुलना में लड़कियों के जन्म का अनुपात अभी भी असंतुलित है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान का उद्देश्य बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहित करना, उनके संरक्षण को बढ़ावा देना और शिक्षा के अवसरों को मजबूत करना है। अभियान के शुरुआती जिलों में सामने आए बदलाव इस दिशा में सकारात्मक संकेत देते हैं। विशेष रूप से पहली संतान बेटी होने वाले परिवारों में दूसरी संतान के लिंग अनुपात में आए बदलाव को शोध का महत्वपूर्ण निष्कर्ष माना जा रहा है। हालांकि, किसी अभियान के प्रभाव का आकलन करते समय यह देखना भी जरूरी है कि बदलाव किन क्षेत्रों में हुआ, उसका दायरा कितना व्यापक रहा और अन्य सामाजिक तथा आर्थिक कारकों की क्या भूमिका रही। इसलिए शोध के निष्कर्षों को पूरे देश में समान रूप से लागू मानने के बजाय संबंधित जिलों और परिवारों के संदर्भ में समझना आवश्यक है।

देश के 757 जिलों के आंकड़ों के अनुसार, केवल 26 जिलों में प्रति 1,000 लड़कों पर 1,000 से अधिक लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। वहीं, 243 जिलों में यह अनुपात 950 से 1,000 के बीच रहा। इन जिलों में रुद्रप्रयाग, कपूरथला, बारामूला, पुलवामा, उत्तरी गोवा, जैसलमेर और उडुपी के नाम शामिल हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि कुछ जिलों में जन्म के समय लिंग अनुपात अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है, लेकिन देश के अधिकांश जिलों में अभी और सुधार की जरूरत है। गोवा, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और केरल को जन्म के समय लिंग अनुपात के मामले में बेहतर स्थिति वाले राज्यों में शामिल किया गया है।

संभल में दुल्हन करती रही इंतजार, दूल्हा नहीं लाया बारात, शादी वाले घर में मातम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में दहेज में स्कॉर्पियो कार की मांग पूरी नहीं होने पर दूल्हे के बारात लेकर नहीं पहुंचने का मामला सामने आया है। ढाई साल के प्रेम प्रसंग के बाद दोनों परिवारों की सहमति से तय हुई शादी के लिए लड़की पक्ष ने भव्य तैयारियां की थीं। घर में मेहमानों की दावत का इंतजाम था, दुल्हन के हाथों में मेहंदी सजी थी और परिवार बारात के स्वागत की राह देख रहा था। लेकिन शादी के दिन बारात नहीं पहुंची। लड़की पक्ष



का आरोप है कि दूल्हे और उसके परिवार ने दहेज में स्कॉर्पियो या स्कॉर्पियो एन कार की मांग पूरी नहीं होने पर शादी से इनकार कर दिया। घटना 11 अक्टूबर 2026 की रायसत्ती थाना क्षेत्र के परियावली गांव की बताई जा रही है। परियावली गांव निवासी रियासत की 20 वर्षीय बेटी रिसालत और ज्ञानपुर सिसौना गांव निवासी राहत अली के बीच पिछले ढाई साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों के रिश्ते की जानकारी परिवारों को हुई तो करीब डेढ़ साल पहले आपसी सहमति से उनकी शादी तय कर दी गई। इसके बाद 11 अक्टूबर को विवाह की तारीख निर्धारित हुई। शादी तय होने के बाद से ही लड़की के घर में तैयारियां शुरू हो गई थीं। परिवार को उम्मीद थी कि लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते को अब शादी का रूप मिलेगा और घर में खुशियां आएंगी। शादी के दिन रिसालत के घर पर मेहमानों के स्वागत और भोजन की पूरी व्यवस्था की गई थी। लड़की पक्ष के मुताबिक, करीब 1500 से 2000 मेहमानों के लिए दावत तैयार कराई गई थी। दहेज का सामान भी जुटाया गया था और विवाह से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। परिवार ने बताया कि शादी के इंतजामों पर करीब 25 लाख रुपये खर्च हो चुके थे। घर में रिश्तेदारों और मेहमानों की मौजूदगी के बीच सभी को बारात आने का इंतजार था। दोपहर तक बारात नहीं पहुंची तो लड़की पक्ष की चिंता बढ़ने लगी। परिवार ने जब लड़के पक्ष से संपर्क करने की कोशिश की और जानकारी जुटाई, तो आरोप सामने आया कि स्कॉर्पियो या स्कॉर्पियो एन कार की मांग पूरी नहीं होने के कारण दूल्हा बारात लेकर नहीं आया। लड़की के भाई का कहना है कि परिवार ने शादी के लिए अपनी ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली थीं, इसके बावजूद आखिरी समय पर लड़के पक्ष ने अपना फैसला बदल दिया।

भाजपा-सपा की तैयारियों के बीच मायावती का बड़ा दांव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी जहां प्रत्याशियों के चयन और चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुटी हैं, वहीं बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में तेजी दिखाई है। पार्टी ने अब तक 100 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए हैं। हालांकि, बसपा ने अभी इन नामों की आधिकारिक सूची जारी नहीं की है। पार्टी इन संभावित उम्मीदवारों को विधानसभा प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी दे रही है, जिन्हें आगे चलकर चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है। बसपा के लिए आगामी विधानसभा चुनाव कई मायनों में अहम माना जा रहा है। पार्टी के सामने उत्तर प्रदेश में अपना खोया राजनीतिक आधार दोबारा मजबूत करने की चुनौती है। दूसरी ओर, संगठन को सक्रिय बनाए रखने और भविष्य में नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने वाले लोगों को तैयार करने जैसे सवाल भी उसके सामने हैं। इन परिस्थितियों के बीच मायावती ने प्रत्याशियों के चयन और संगठनात्मक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया है। पार्टी का प्रयास है कि जिन सीटों पर उम्मीदवारों के नाम तय हो चुके हैं, वहां उन्हें चुनाव से पहले क्षेत्र में काम करने और कार्यकर्ताओं के साथ संपर्क बढ़ाने का पर्याप्त समय मिले। बसपा ने सितंबर तक 100 प्रत्याशियों के नाम तय करने का लक्ष्य रखा था, जिसे पूरा करने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, इन नामों को अभी सार्वजनिक रूप से अधिकृत उम्मीदवारों की सूची के रूप में जारी नहीं किया गया है। पार्टी जिलों में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित कर रही है। इन सम्मेलनों के दौरान वरिष्ठ पदाधिकारी विधानसभा प्रभारियों के नाम सामने ला रहे हैं। पार्टी की योजना अगले डेढ़ महीने में करीब 250 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नाम तय करने की है। इसके लिए 15 नवंबर तक का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।



गोरखपुर से बरेली तक बीजेपी की साख दांव पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले विधान परिषद के शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। भारतीय जनता पार्टी ने पूर्वांचल और रुहेलखंड में अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने के लिए चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। इसी रणनीति के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। गोरखपुर से बरेली तक मुख्यमंत्री के दौरों को शिक्षक मतदाताओं के बीच पार्टी का समर्थन जुटाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 17 जिलों के शिक्षक मतदाताओं और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। गोरखपुर के महंत दिग्विजयनाथ पार्क में शिक्षक मतदाता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के जरिए मुख्यमंत्री भाजपा प्रत्याशी ध्रुव त्रिपाठी के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश करेंगे। इसके बाद मंगलवार को वह बरेली पहुंचेंगे, जहां बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक विधान परिषद सीट से पार्टी प्रत्याशी हरि सिंह ढिल्लों के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 54 हजार से अधिक मतदाता पंजीकृत बताए गए हैं। इस क्षेत्र में आजमगढ़ में सबसे अधिक 8,592 और गोरखपुर में 7,289 शिक्षक मतदाता हैं। 17 जिलों में फैले इस निर्वाचन क्षेत्र में शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों का समर्थन हासिल करना सभी प्रत्याशियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा सम्मेलन के माध्यम से शिक्षक वर्ग तक पहुंच बढ़ाने और स्थानीय मुद्दों पर संवाद करने की रणनीति पर काम कर रही है। गोरखपुर क्षेत्र की शिक्षक एमएलसी सीट पर भाजपा के सामने समाजवादी पार्टी की चुनौती भी है। भाजपा से टिकट के दावेदार रहे डॉ. संजयन त्रिपाठी को पार्टी का उम्मीदवार नहीं बनाए जाने के बाद वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। सपा ने उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया है। संजयन त्रिपाठी लंबे समय से चुनाव की तैयारी कर रहे थे। ऐसे में उनके पाला बदलने से मुकाबले के समीकरण को लेकर चर्चा तेज हो गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी संजयन त्रिपाठी के समर्थन में पूर्वांचल के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार कर रहे हैं।



'चौपट कर देंगे तुम्हारा कारोबार' हर महीने चाहिए 2 लाख रुपए', सीबीआई ने सीजीएसटी अफसर को किया गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) विभाग के एक अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे कथित तौर पर 2 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सीजीएसटी की निवारक शाखा (मुख्यालय) में तैनात अधीक्षक राजेश कुमार के रूप में हुई है। आरोप है कि वह एक स्क्रैप कारोबारी से बिना किसी बाधा के कारोबार चलाने देने के बदले हर महीने 2 लाख रुपए की रिश्वत मांग रहा था। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने आरोपी के भोपाल और कानपुर स्थित ठिकानों पर तलाशी ली, जहां से कुल 72.50 लाख रुपए नकद बरामद होने की जानकारी सामने आई है। सीबीआई के मुताबिक, आरोपी



अधिकारी के खिलाफ शनिवार को मामला दर्ज किया गया था। यह कार्रवाई मंडीदीप के स्क्रैप कारोबारी मुबीन खान की शिकायत के आधार पर की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अधिकारी ने कारोबारी के माल की आवाजाही में बाधा नहीं डालने और स्क्रैप ले जाने वाले वाहनों को नहीं रोकने के बदले नियमित रूप से रिश्वत की मांग की थी। शिकायत के बाद सीबीआई ने जाल बिछाया और कथित तौर पर 2 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए अधिकारी को पकड़ लिया। एजेंसी अब इस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। शिकायतकर्ता मुबीन खान के अनुसार, सीजीएसटी अधिकारी राजेश कुमार ने ई-बिल नहीं होने का हवाला देते हुए इंदौर से भोपाल आ रहे उनके वाहन को रोक दिया था। आरोप है कि इसके बाद मंडीदीप स्थित उनके गोदाम पर छापेमारी की गई और रात के समय 11 लाख रुपए वसूले गए। कारोबारी ने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारी ने उनका कारोबार चौपट करने की धमकी दी थी। शिकायत के मुताबिक, इस कार्रवाई के बाद कारोबारी पर दबाव बनाया गया कि यदि वह अपना व्यवसाय बिना किसी रुकावट के जारी रखना चाहते हैं तो उन्हें हर महीने 2 लाख रुपए देने होंगे। कथित तौर पर अधिकारी ने रिश्वत की रकम हर महीने की 10 तारीख को देने की बात कही थी। लगातार दबाव से परेशान होकर कारोबारी ने सीबीआई से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि अधिकारी ने कारोबारी को भोपाल स्थित एक कॉपी हाउस में बुलाया था। वहां कारोबार में किसी तरह की बाधा नहीं आने देने के बदले हर महीने 2 लाख रुपए देने की मांग की गई। कारोबारी ने इस मांग को लेकर सीबीआई को जानकारी दी, जिसके बाद एजेंसी ने कार्रवाई की योजना बनाई। सीबीआई ने शिकायत के आधार पर जाल बिछाया और कथित रिश्वत की रकम लेते समय अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के बाद सीजीएसटी विभाग के अधिकारी की भूमिका और कारोबारी की शिकायत में लगाए गए अन्य आरोपों की जांच की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने आरोपी के भोपाल और कानपुर स्थित आवासों पर तलाशी अभियान चलाया।

अंडरपास में बारिश से जलभराव, पांच फीट गहरे पानी में से शीशा तोड़कर बाहर निकले कार सवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। बारिश के बाद जलभराव ने एक बार फिर वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ा दीं। सोमवार को सेक्टर-95 स्थित अंडरपास में करीब 4 से 5 फीट तक पानी भर गया। इसी दौरान वहां से गुजर रही रेनॉल्ट ट्राइबर कार पानी में फंस गई। कार में सवार लोग अंदर ही फंस गए, जिसके बाद उन्होंने शीशा तोड़कर बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। गनीमत रही कि इस घटना में सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। कार फंसने की सूचना मिलने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस के मुताबिक, सोमवार को थाना फेस-1 को डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि सेक्टर-95 के पास स्थित अंडरपास में बारिश का पानी भरने से एक कार फंस गई है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर सर्विस यूनिट मौके पर पहुंची। हालांकि, टीमों के पहुंचने तक कार में सवार सभी



लोग सुरक्षित बाहर निकल चुके थे। इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने कार को बाहर निकालने की व्यवस्था की। पानी की गहराई अधिक होने के कारण कार को सीधे निकालना मुश्किल हो रहा था। ऐसे में कार को रस्सी से बांधकर खींचा गया और अंडरपास से बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि कार सवार गुरुग्राम से बुलंदशहर जा रहे थे। इसी दौरान अंडरपास में पानी भरने के कारण उनकी कार फंस गई। सेक्टर-95 का अंडरपास बारिश के दौरान जलभराव की समस्या को लेकर पहले भी चर्चा में रहा है। यहां पानी जमा होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। पूर्व में भी जलभराव के कारण वाहनों के फंसने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में बारिश के दौरान अंडरपास से गुजरना जोखिम भरा साबित हो सकता है। इस घटना ने एक बार फिर शहर में जलनिकासी की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अंडरपास में पानी भरने से न केवल यातायात प्रभावित होता है, बल्कि वाहन चालकों की सुरक्षा पर भी खतरा पैदा हो जाता है। इस बार कार सवारों के समय रहते बाहर निकलने से बड़ा हादसा टल गया। बारिश के दौरान ऐसे स्थानों पर जलभराव रोकने और वाहन चालकों को समय रहते सतर्क करने की व्यवस्था जरूरी है।

दिल्ली जा रहे एमपी कांग्रेस के दो जिलाध्यक्षों को होटल से टांगकर ले गई पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरैना। दिल्ली में प्रस्तावित सुप्रीम कोर्ट मार्च में शामिल होने जा रहे मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेताओं को रोके जाने का मामला सामने आया है। कांग्रेस का आरोप है कि रविवार रात मुरैना में ठहरे भिंड शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र भदौरिया और मुरैना ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष मधुराज सिंह तोमर को पुलिस हिरासत में लेकर चली गई। दोनों नेता दिल्ली रवाना होने की तैयारी कर रहे थे। इस कार्रवाई को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर वीडियो साझा करते हुए इसे 'तानाशाही की पराकाष्ठा' बताया है। कांग्रेस के अनुसार, दिल्ली में इंडिया गठबंधन से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट मार्च प्रस्तावित है। इसमें शामिल होने के लिए विभिन्न राज्यों से कांग्रेस और गठबंधन के कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचने की अपील की गई थी। इसी सिलसिले में मध्य प्रदेश से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे थे। आरोप है कि दिल्ली रवाना होने से पहले ही मुरैना में ठहरे दोनों जिलाध्यक्षों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। एमपी कांग्रेस ने एक्स पर साझा किए गए संदेश में कहा कि रविवार रात दिल्ली रवाना होने से पहले ही मुरैना ग्रामीण जिला अध्यक्ष मधुराज सिंह तोमर और भिंड शहर जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र भदौरिया को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पार्टी ने आरोप लगाया कि सोमवार को होने वाले सुप्रीम कोर्ट मार्च में कांग्रेसजनों की भागीदारी रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई। कांग्रेस ने इसे सत्ता और प्रशासन की ओर से विपक्ष की आवाज रोकने का प्रयास बताया है। कांग्रेस का दावा है कि दिल्ली जाने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को मध्य प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में रोका जा रहा है। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में भी कई स्थानों पर कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। इससे पहले मुरैना स्थित कांग्रेस कार्यालय से भी कुछ लोगों को हिरासत में लिए जाने का दावा किया गया था। पार्टी नेताओं ने इस कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन भी किए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी की अपील के बाद मध्य प्रदेश से कार्यकर्ता दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे हैं। पार्टी का आरोप है कि उन्हें रास्ते में रोकने के लिए पुलिस और प्रशासन सक्रिय है। हालांकि, इन कार्रवाइयों को लेकर प्रशासन का पक्ष सामने आने पर ही हिरासत में लिए गए लोगों की स्थिति और कार्रवाई के आधिकारिक कारण स्पष्ट हो सकेंगे।कांग्रेस की ओर से यह भी दावा किया गया है कि मध्य प्रदेश से दिल्ली जाने वाली ट्रेनों पर नजर रखी जा रही है। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र दिल्ली के अपेक्षाकृत नजदीक होने के कारण यहां से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के रवाना होने की संभावना जताई जा रही थी। ऐसे में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया।



शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान की 'खेल पॉलिटिक्स' में एंट्री, बने एमपी वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष

गांव-गांव तक वॉलीबॉल पहुंचाने और नई प्रतिभाओं को अवसर देने का लक्ष्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान ने खेल जगत की राजनीति में नई जिम्मेदारी संभाली है। उन्हें मध्य प्रदेश वॉलीबॉल संघ का अध्यक्ष चुना गया है। रविवार को हुए चुनाव में निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद सोमवार को उन्होंने कार्यभार संभाल लिया। कार्तिकेय ने कहा कि उनका लक्ष्य वॉलीबॉल को प्रदेश के गांव-गांव तक पहुंचाना, नई प्रतिभाओं को अवसर देना और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मध्य प्रदेश वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष पद के लिए रविवार को चुनाव हुआ था। इसमें कार्तिकेय सिंह चौहान के अलावा किसी अन्य उम्मीदवार ने दावेदारी नहीं की। ऐसे में उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिया गया। उनका कार्यकाल 2026 से 2030 तक रहेगा। चुनाव में प्रदेश के 33 जिला वॉलीबॉल संघों ने हिस्सा लिया। विधायक आशीष शर्मा को संघ का उपाध्यक्ष चुना गया है। अध्यक्ष बनने के बाद कार्तिकेय सिंह चौहान ने सोशल



मीडिया मंच एक्स पर संदेश जारी कर संघ के पदाधिकारियों, जिला संघों के प्रतिनिधियों और सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने वॉलीबॉल को प्रदेश के हर गांव और युवा तक पहुंचाने, नई खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने की बात कही। कार्तिकेय ने मध्य प्रदेश वॉलीबॉल खेल नीति 2026 का प्रारूप तैयार करने और प्रदेश के प्रत्येक जिले में इस खेल को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए रोडमैप बनाने की योजना भी साझा की। उनके मुताबिक, खेल को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है कार्तिकेय सिंह चौहान लंबे समय से बुधनी क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। विधानसभा चुनावों के दौरान भी क्षेत्र में उनकी सक्रियता चर्चा में रही थी। वह क्रिकेट टूर्नामेंट सहित विभिन्न आयोजनों में भाग लेते रहे हैं। हालांकि, पिता शिवराज सिंह चौहान के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद बुधनी विधानसभा सीट खाली होने पर उन्हें उपचुनाव में भाजपा की ओर से उम्मीदवार नहीं बनाया गया था। अब वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद उनकी गतिविधियों का एक नया क्षेत्र सामने आया है। मध्य प्रदेश में राजनीति से जुड़े परिवारों के सदस्यों की खेल संगठनों में भागीदारी पहले भी देखने को मिली है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महाआर्यमन सिंधिया मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हैं। ऐसे में कार्तिकेय सिंह चौहान की वॉलीबॉल संघ में नियुक्ति को प्रदेश की खेल राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब उनके सामने संघ के संचालन के साथ वॉलीबॉल को जिला और ग्रामीण स्तर तक बढ़ावा देने की चुनौती होगी।

32 बच्चों की मौत के बाद से छुट्टी पर डॉक्टर, अभी तक गिरफ्तारी नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के आदिवासी बहुल बिरसा ब्लॉक में फर्जी एमबीबीएस दस्तावेजों के आधार पर करीब 17 साल तक सरकारी नौकरी करने वाले डॉक्टर सुनील कुमार सिंह की अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। राज्य स्तर पर हुई जांच में उनकी मेडिकल योग्यता से जुड़े दस्तावेजों में अनियमितताएं सामने आने के बाद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। हैरानी की बात यह है कि इसी दौरान उन्होंने सरकारी स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय तक सेवाएं दीं और वर्ष 2023 में ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) के पद पर पदोन्नति भी हासिल कर ली। फिलहाल वे जून से छुट्टी पर बताए जा रहे हैं। यह मामला क्षेत्र में बच्चों की मौतों और स्वास्थ्य संकट के बीच चर्चा में आया है। अधिकारियों के अनुसार, स्वास्थ्य संकट के दौरान आधिकारिक रूप से दर्ज 32 बच्चों की मौतों में से कम से कम 7 मौतें उस अवधि में हुईं, जब आरोपी डॉक्टर जून में छुट्टी पर जाने से पहले पदस्थ थे। इनमें 2 मौतें दमोह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के क्षेत्र से सामने आईं। बिरसा से हटाए जाने के बाद डॉक्टर की तैनाती इसी क्षेत्र में की गई थी। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि अभी तक ऐसा कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य सामने नहीं आया है, जिससे डॉक्टर को बच्चों की इन मौतों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जा सके। डॉक्टर की योग्यता से जुड़े दस्तावेजों पर सवाल उठने के साथ ही क्षेत्र में खसरा टीकाकरण के आंकड़ों की भी समीक्षा की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी डॉक्टर के कार्यकाल में क्षेत्र में 75 प्रतिशत टीकाकरण कवरेज की जानकारी दी गई थी। अब प्रशासन प्रभावित क्षेत्रों में नए सिरे से टीकाकरण अभियान चला रहा है। खसरे के मामलों और बच्चों की मौतों के बाद पहले दर्ज किए गए टीकाकरण के आंकड़ों की विश्वसनीयता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बालाघाट के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दहिया ने बताया कि आरोपी डॉक्टर के कार्यकाल में 75 प्रतिशत टीकाकरण होने की जानकारी दी गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) से पीड़ित बच्चों में कई बार टीके का असर अपेक्षाकृत कम हो सकता है। इसलिए खसरे के मामले सामने आने के आधार पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि क्षेत्र में पहले टीकाकरण हुआ ही नहीं था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित गांवों में बच्चों की सेहत पर नजर रख रही हैं। एक ओर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने के आरोपों की जांच जारी है, वहीं दूसरी ओर बच्चों की मौतों और टीकाकरण के आंकड़ों को लेकर उठे सवालों ने स्वास्थ्य व्यवस्था की निगरानी और जवाबदेही पर भी ध्यान केंद्रित किया है। हालांकि, बच्चों की मौतों और डॉक्टर के खिलाफ दर्ज मामले के बीच सीधे संबंध की पुष्टि अभी नहीं हुई है।



बच्चों की थाली में छिपकली! खाना खाने के बाद 13 छात्र बीमार, जेपी अस्पताल में कराया भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रातीबड़ स्थित श्रमोदय विद्यालय में बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर मामला सामने आया है। विद्यालय के हॉस्टल में भोजन करने के बाद 13 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। आरोप है कि बच्चों को परोसी गई आलू की सब्जी में छिपकली गिरी हुई थी। खाना खाने के बाद बच्चों को उल्टी-दस्त की शिकायत होने लगी, जिसके बाद उन्हें तत्काल जयप्रकाश (जेपी) अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की टीम ने बच्चों का उपचार शुरू किया। फिलहाल सभी बच्चों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। घटना के बाद स्कूल प्रबंधन और कैंटीन में भोजन तैयार करने तथा परोसने की व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। मामला सामने आने के बाद विद्यालय प्रशासन ने कैंटीन संचालक को नोटिस जारी किया है। वहीं, पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। बच्चों को किस तरह का भोजन परोसा गया और भोजन में संदिग्ध चीज मिलने की शिकायत में कितनी सच्चाई है, इसकी जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। जानकारी के अनुसार, श्रमोदय विद्यालय के हॉस्टल में रहने वाले बच्चे नियमित रूप से सामूहिक भोजन करते हैं। घटना के दिन बच्चों को आलू की सब्जी



परोसी गई थी। आरोप है कि इसी सब्जी में छिपकली गिरी हुई थी और इसके बावजूद बच्चों को खाना परोस दिया गया। भोजन करने के बाद कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर स्कूल प्रबंधन को जानकारी दी गई और बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया। बीमार होने वाले बच्चों में कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थी शामिल हैं। कुल 13 बच्चों को उपचार के लिए जेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनकी जांच की और आवश्यक उपचार शुरू किया। घटना के बाद बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर परिजनों में चिंता बढ़ गई। हालांकि, डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल सभी बच्चों की हालत सामान्य है। इस मामले में परिजनों ने स्कूल प्रबंधन की ओर से सूचना देने में देरी का आरोप भी लगाया है। उनका कहना है कि बच्चों की तबीयत बिगड़ने की जानकारी उन्हें स्कूल या हॉस्टल प्रबंधन से सीधे मिलने के बजाय स्कूल के ग्रुप के माध्यम से मिली। सूचना मिलने के बाद परिजन तत्काल जेपी अस्पताल पहुंचे और बच्चों का हाल जाना। परिजनों के मुताबिक, उन्हें बताया गया कि बच्चों को परोसी गई आलू की सब्जी में छिपकली मिली थी। इस जानकारी के बाद उन्होंने भोजन की गुणवत्ता और बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उनका कहना है कि हॉस्टल में रहने वाले बच्चों के भोजन की तैयारी और निगरानी में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बच्चों को नियमित रूप से भोजन दिया जाता है, इसलिए रसोई की साफ-सफाई और भोजन की जांच की जिम्मेदारी भी बेहद महत्वपूर्ण है। श्रमोदय विद्यालय की प्रिंसिपल रत्ना दुबे ने बताया कि कैंटीन संचालक की गलती के कारण बच्चों को संदिग्ध सब्जी परोसे जाने का मामला सामने आया है। उन्होंने बताया कि घटना में 13 बच्चे बीमार हुए थे, जिन्हें इलाज के लिए जेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रिंसिपल के अनुसार, सभी बच्चों की स्थिति फिलहाल सामान्य है। उन्होंने अस्पताल पहुंचकर बच्चों का हाल भी जाना। प्रिंसिपल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कैंटीन संचालक को नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि घटना के संबंध में जवाब मांगा गया है और मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बोट क्लब से रामलीला मैदान तक कैसे बदलता रहा विरोध-प्रदर्शनों का पता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में सत्ता के गलियारों के साथ-साथ जनआंदोलनों का भी लंबा इतिहास रहा है। सरकार के फैसलों के विरोध से लेकर किसानों, युवाओं और सामाजिक संगठनों की मांगों तक, दिल्ली के अलग-अलग स्थान जनता की आवाज बुलंद करने के गवाह बने हैं। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था, वीआईपी यातायात और अदालतों के निर्देशों के चलते समय-समय पर प्रदर्शन स्थलों में बदलाव होता रहा है। अब करीब 33 साल से विरोध-प्रदर्शनों के प्रमुख केंद्र रहे जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में अधिसूचित सूची से हटाने का फैसला चर्चा में है। गृह मंत्रालय के निर्णय के बाद अब रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली स्थित सीबीडी ग्राउंड को प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थानों के रूप में सामने रखा गया है।



आजादी के बाद से 1980 के दशक तक इंडिया गेट के पास स्थित बोट क्लब दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों का प्रमुख केंद्र हुआ करता था। इंडिया गेट और विजय चौक के बीच फैला यह क्षेत्र संसद और केंद्रीय सत्ता के प्रमुख केंद्रों के नजदीक होने के कारण आंदोलनकारियों के लिए खास महत्व रखता था। यहां होने वाले बड़े प्रदर्शन सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाने का प्रभावशाली माध्यम माने जाते थे। अक्टूबर 1988 में भारतीय किसान यूनियन के नेता चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान बोट क्लब पर जुटे थे। किसानों ने गन्ने का उचित मूल्य बढ़ाने और बिजली-पानी के बिलों में राहत देने जैसी मांगों को लेकर करीब एक सप्ताह तक धरना दिया। इस आंदोलन के दौरान मध्य दिल्ली का बड़ा हिस्सा प्रभावित हुआ था। इसके बाद सुरक्षा और यातायात संबंधी चिंताओं के चलते बोट क्लब पर रैलियों और प्रदर्शनों को लेकर सख्ती बढ़ाई गई और वहां प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी गई।

दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल की एक्सीडेंट में मौत, जंतर-मंतर पर ड्यूटी पर था तैनात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुरुग्राम। दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल अमित की हरियाणा के गुरुग्राम जिले के मानेसर इलाके में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। अमित की ड्यूटी दिल्ली के जंतर-मंतर पर लगाई गई थी। रातभर ड्यूटी करने के बाद सुबह करीब 8 बजे वह बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान मानेसर में पटौदी रोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-8 के पास हादसा हो गया। दुर्घटना के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पुलिस विभाग में शोक का माहौल है। मृतक कांस्टेबल अमित हरियाणा के मानेसर क्षेत्र के बासलंबी गांव के रहने वाले थे। बताया गया कि उन्हें जंतर-मंतर पर रात की ड्यूटी सौंपी गई थी। सुबह ड्यूटी पूरी होने के बाद वह अपने घर जाने के लिए बाइक से रवाना हुए थे। घर पहुंचने से पहले ही रास्ते में हादसा हो गया। दुर्घटना के बाद स्थानीय स्तर पर उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया और आईएमटी मानेसर स्थित सिल्वर स्ट्रैक अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। हादसा मानेसर के पटौदी रोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-8 के आसपास हुआ। फिलहाल उपलब्ध जानकारी में दुर्घटना के सटीक कारणों और इसमें किसी अन्य वाहन की भूमिका को लेकर स्पष्ट विवरण सामने नहीं आया है। हादसे की परिस्थितियों को लेकर आधिकारिक जानकारी मिलने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। ड्यूटी पूरी कर घर लौट रहे पुलिसकर्मी की मौत ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और लंबी ड्यूटी के बाद कर्मचारियों की सुरक्षित आवाजाही जैसे सवालों की ओर ध्यान खींचा है। कांस्टेबल अमित की तैनाती ऐसे समय में जंतर-मंतर पर की गई थी, जब दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। पार्टी ने 10 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने का ऐलान किया था। प्रदर्शन की घोषणा के बाद दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक तैयारियां की थीं। हालांकि, पुलिस ने इस प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी। प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद समर्थकों के जुटने की आशंका जताई जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए जंतर-मंतर सहित राजधानी के विभिन्न इलाकों में पुलिसकर्मियों और केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी।



दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमेटी की शिकायत पर एफआईआर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में गुरुद्वारा परिसर में प्रदर्शनकारियों के प्रवेश और उसके बाद सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो को लेकर विवाद गहरा गया है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कमेटी के अध्यक्ष ने अपनी शिकायत में आम आदमी पार्टी के नेताओं और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का नाम लेते हुए आरोप लगाया है कि प्रदर्शनकारियों को जानबूझकर गुरुद्वारे के अंदर प्रवेश कराया गया और बाद में घटना को सोशल मीडिया पर गलत तरीके से पेश किया गया। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। कमेटी अध्यक्ष के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक कथित तौर पर सुनियोजित तरीके से गुरुद्वारा परिसर में दाखिल हुए। शिकायत में दावा किया गया है कि इस दौरान परिसर के भीतर अफरा-तफरी और अशांति की स्थिति पैदा हुई। अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि धार्मिक स्थल का इस्तेमाल राजनीतिक गतिविधियों के लिए करने की कोशिश की गई, जिससे गुरुद्वारे की मर्यादा और पवित्रता प्रभावित हुई। उन्होंने पुलिस से पूरे घटनाक्रम की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि गुरुद्वारा प्रबंधन और वहां सेवा दे रहे सेवादारों ने स्थिति को नियंत्रित करने, शांति बनाए रखने और परिसर की पवित्रता सुरक्षित रखने के उद्देश्य से हस्तक्षेप किया था। कमेटी अध्यक्ष का दावा है कि प्रबंधन की ओर से उठाए गए कदमों को बाद में सोशल मीडिया पर अलग संदर्भ में दिखाया गया। उनके अनुसार, घटना से जुड़े कुछ वीडियो और पोस्ट के जरिए ऐसा चित्र प्रस्तुत किया गया, जिससे गुरुद्वारा प्रबंधन पर ही सवाल उठने लगे। कमेटी अध्यक्ष ने अपनी शिकायत के साथ दिल्ली पुलिस को घटना से संबंधित एक वीडियो भी सौंपा है। उनका कहना है कि वीडियो और अन्य उपलब्ध सामग्री के आधार पर घटनाक्रम की पूरी कड़ी की जांच की जानी चाहिए। शिकायत में पुलिस से यह पता लगाने की मांग की गई है कि प्रदर्शनकारी किन परिस्थितियों में गुरुद्वारा परिसर में दाखिल हुए, वहां क्या गतिविधियां हुईं और घटना के बाद सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री किस संदर्भ में साझा की गई। शिकायत का एक प्रमुख हिस्सा सोशल मीडिया पर घटना की प्रस्तुति को लेकर है। कमेटी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के कुछ विधायकों और नेताओं ने वीडियो तथा सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से घटनाक्रम को गलत तरीके से पेश किया। उनका दावा है कि इन पोस्ट के जरिए गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी पर आरोप लगाए गए, जबकि उनके अनुसार परिसर में शांति बनाए रखने के लिए प्रबंधन और सेवादारों ने हस्तक्षेप किया था। अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी घटना को उसके पूरे संदर्भ से अलग करके पेश करने से लोगों के बीच भ्रम पैदा हो सकता है।



जमानत पर बाहर आए पोते ने संपत्ति विवाद में की सौतेली दादी की हत्या, वारदात के बाद खुद थाने पहुंचकर कबूला जुर्म

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में संपत्ति विवाद को लेकर पारिवारिक रिश्ते को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। सांगवी इलाके में ओंकार शिंगोरे ने अपनी सौतेली दादी मंगला शिंगोरे की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, दोनों के बीच तीन मंजिला इमारत में हिस्से को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। वारदात 9 अक्टूबर की सुबह करीब 9:30 बजे हुई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी खुद सांगवी पुलिस स्टेशन पहुंचा और पुलिस के सामने हत्या की बात स्वीकार कर ली। इस घटनाक्रम से पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मंगला शिंगोरे और उनके सौतेले पोते ओंकार के बीच संपत्ति को लेकर पिछले कई वर्षों से तनाव चल रहा था। विवाद तीन मंजिला इमारत में हिस्सेदारी से जुड़ा था। बताया जा रहा है कि संपत्ति में हिस्सा नहीं मिलने की बात को लेकर दोनों के बीच मतभेद बढ़ते गए। विवाद को सुलझाने के लिए पहले भी प्रयास किए गए, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं



निकल सका। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि घटना से पहले दोनों के बीच क्या हुआ था और वारदात किन परिस्थितियों में हुई। 9 अक्टूबर की सुबह करीब साढ़े नौ बजे ओंकार ने कथित तौर पर इमारत की तीसरी मंजिल पर रहने वाली मंगला शिंगोरे पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद आरोपी वहां से भागने के बजाय सीधे सांगवी पुलिस स्टेशन पहुंचा। उसने पुलिस को अपनी सौतेली दादी की हत्या करने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने तत्काल एक टीम घटनास्थल पर भेजी। मौके पर पहुंची टीम ने जांच की और घटना की पुष्टि होने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में सामने आया है कि ओंकार शिंगोरे पहले भी हत्या के एक अन्य मामले में गिरफ्तार हो चुका था और फिलहाल जमानत पर बाहर था। पुलिस अब उसके पुराने मामले और मौजूदा वारदात से जुड़े तथ्यों की भी पड़ताल कर रही है। हालांकि, पूर्व मामले का पूरा विवरण और दोनों घटनाओं के बीच किसी संबंध को लेकर अभी कोई निष्कर्ष सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सांगवी की इस घटना ने संपत्ति के बंटवारे को लेकर परिवारों में लंबे समय तक चलने वाले विवादों पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में संपत्ति में हिस्सेदारी को लेकर पुराना विवाद प्रमुख वजह के रूप में सामने आया है। हालांकि, हत्या के पीछे की पूरी परिस्थितियों और घटनाक्रम को स्पष्ट करने के लिए जांच जारी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि विवाद को लेकर परिवार के अन्य सदस्यों को कोई जानकारी थी या पहले किसी स्तर पर शिकायत की गई थी। पुणे जिले के लोणावला में भी इससे पहले संपत्ति विवाद से जुड़ी हत्या का मामला सामने आया था। वहां 82 वर्षीय दादा पर अपने 32 वर्षीय पोते की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगा था। अब सांगवी में पोते द्वारा अपनी सौतेली दादी की हत्या की घटना सामने आने के बाद संपत्ति विवाद से जुड़े पारिवारिक मामलों की चर्चा फिर तेज हो गई है। दोनों घटनाएं अलग-अलग हैं, लेकिन संपत्ति को लेकर रिश्तों में बढ़ते तनाव का पहलू सामने आया है। फिलहाल, सांगवी हत्याकांड की जांच वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जितेंद्र कोली कर रहे हैं। पुलिस घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाने, विवाद की पृष्ठभूमि समझने और वारदात के क्रम की पुष्टि करने में लगी है। आरोपी द्वारा थाने पहुंचकर जुर्म कबूल करने के बाद भी मामले की कानूनी प्रक्रिया के तहत जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश, पारा गिरने से बढ़ी ठंडक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अक्टूबर की शुरुआत में ही दिल्ली-एनसीआर के मौसम ने अचानक करवट ले ली। सोमवार की सुबह राजधानी दिल्ली सहित नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम के कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश हुई। सुबह तड़के गरज-चमक के साथ शुरू हुई बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। बारिश के बाद तापमान में गिरावट महसूस की गई और लोगों को गर्मी से राहत मिलने के साथ मौसम में हल्की ठंडक का अहसास होने लगा। वीकेंड के बाद सप्ताह के पहले दिन हुई बारिश से सुबह की शुरुआत भी सुहाने मौसम के साथ हुई। रविवार शाम से ही दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में तेज हवाएं चल रही थीं। सोमवार तड़के मौसम ने और तेजी से करवट ली और दिल्ली से लेकर आसपास के शहरों तक बादल जमकर बरसे। राजधानी के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में भी बारिश का असर देखने को मिला। कनॉट प्लेस और कालकाजी मंदिर के आसपास तेज बारिश हुई, जबकि नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम के अलग-अलग इलाकों में भी बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बारिश के बाद



वातावरण में ठंडक घुल गई और मौसम अपेक्षाकृत सुहाना हो गया। मौसम में आए इस बदलाव के बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में अगले 2 से 3 घंटे के दौरान तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताते हुए अलर्ट जारी किया। विभाग ने मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। रविवार शाम से चल रही हवाओं और सोमवार सुबह हुई बारिश के कारण मौसम में तेजी से बदलाव देखने को मिला। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस बदलाव के पीछे पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव माना जा रहा है, जिसका असर उत्तर भारत के मौसम पर पड़ रहा है। बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं कुछ इलाकों में जलभराव की समस्या भी सामने आई। दिल्ली में शारदीय नवरात्रि के दूसरे दिन झंडेवालान मंदिर के आसपास के निचले क्षेत्रों में पानी भरने की स्थिति बनी। इससे मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और आसपास से गुजरने वाले राहगीरों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के दौरान सड़कों पर पानी जमा होने से वाहनों की रफ्तार भी प्रभावित होने की आशंका रही। हालांकि, जलभराव की स्थिति और यातायात पर इसके व्यापक असर को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। नोएडा और गाजियाबाद में भी बारिश के बाद मौसम ठंडा महसूस हुआ। इन शहरों के कई हिस्सों में सुबह हुई बारिश ने गर्मी से राहत दी और वातावरण में नमी बढ़ा दी। गुरुग्राम में भी तेज हवाओं के साथ बारिश होने से मौसम का मिजाज बदल गया। दिल्ली-एनसीआर में एक साथ हुई बारिश ने साफ कर दिया कि अक्टूबर के दौरान भी मौसम में अचानक उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। ऐसे बदलावों के दौरान लोगों को खासकर सुबह और देर शाम के समय तापमान में होने वाले अंतर का ध्यान रखने की जरूरत रहती है। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है सुबह की बारिश के बाद राजधानी और आसपास के शहरों में मौसम खुशनुमा बना रहा।

नासिक कुंभ मेला स्थल के पास भूजल में कैंसर से जुड़ा जहरीला रसायन मिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में आगामी सिंहस्थ कुंभ मेले की तैयारियों के बीच भूजल प्रदूषण का गंभीर मामला सामने आया है। अंबड औद्योगिक क्षेत्र के पास दत्तानगर इलाके से लिए गए भूजल के नमूनों में हेक्सावैलेंट क्रोमियम नामक जहरीले रसायन की मात्रा निर्धारित सीमा से लगभग 1,000 गुना अधिक पाई गई है। प्रयोगशाला जांच में इस रसायन का स्तर 50.3 मिलीग्राम प्रति लीटर दर्ज किया गया, जबकि पीने के पानी में इसकी स्वीकार्य सीमा 0.05 मिलीग्राम प्रति लीटर बताई गई है। जांच के नतीजे सामने आने के बाद जिला प्रशासन और संबंधित विभागों ने औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इस खुलासे ने स्थानीय लोगों की सेहत, भूजल की सुरक्षा और कुंभ मेले के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। यह मामला उस समय सामने आया, जब अंबड औद्योगिक क्षेत्र के आसपास रहने वाले लोगों ने बोरवेल के पानी का रंग पीला होने की शिकायत की। इसके बाद पानी के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट में क्रोमियम की असामान्य रूप से अधिक मात्रा मिलने की जानकारी सामने आई। अधिकारियों के अनुसार, दत्तानगर क्षेत्र से लिए गए नमूने में हेक्सावैलेंट क्रोमियम का स्तर 50.3 मिलीग्राम प्रति लीटर पाया गया। इसके अलावा कुल क्रोमियम की मात्रा 50.5 मिलीग्राम प्रति लीटर दर्ज की गई। रिपोर्ट में सामने आए इन आंकड़ों ने इलाके में औद्योगिक प्रदूषण की आशंका को गंभीर बना दिया है। रविवार को नासिक दौरे के दौरान जिला कलेक्टर आयुष प्रसाद ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने जांच के नतीजे और प्रशासन की ओर से की जा रही कार्रवाई की जानकारी रखी। कलेक्टर के अनुसार, नमूने में क्रोमियम की मात्रा निर्धारित सीमा से लगभग 1,000 गुना अधिक मिली है। प्रशासन अब प्रदूषण के वास्तविक स्रोत का पता लगाने और उसे रोकने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है। जांच के आधार पर उन औद्योगिक इकाइयों की पहचान की जा रही है, जिनसे रासायनिक अपशिष्ट के भूजल में पहुंचने की आशंका है। भूजल में जहरीले रसायन की अधिक मात्रा मिलने के बाद जिला प्रशासन, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम की संयुक्त टीमें कार्रवाई में जुट गई हैं। अब तक कम से कम 15 औद्योगिक इकाइयों को बंद करने के नोटिस दिए जाने या उन्हें सील किए जाने की जानकारी सामने आई है।



शादी के तीसरे दिन पति और सास-ससुर के खाने में जहर मिलाने का आरोप, गहने-रुपये लेकर फरार हुई दुल्हन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जलगांव। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में शादी के नाम पर कथित धोखाधड़ी और परिवार को जहर देने का मामला सामने आया है। जिले के पारोला तालुका के वेल्हाने गांव में शादी के महज 2 दिन बाद ही नई-नवेली दुल्हन और उसकी एक महिला साथी पर पति तथा ससुराल के सदस्यों के खाने में चूहे मारने की दवा मिलाने और घर से नकदी व गहने लेकर फरार होने का आरोप लगा है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने तलाश शुरू की और दोनों महिलाओं को धुले जिले के निमगुल गांव के पास से पकड़ लिया। पुलिस अब इस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, वेल्हाने गांव निवासी 32 वर्षीय वाल्मीक पाटिल की शादी 7 अक्टूबर को झारखंड की रहने वाली सुमन सुभाष साहनी से हुई थी। बताया गया है कि परिवार ने दूसरे राज्य से लड़की तलाशने के बाद शादी तय की थी। इस विवाह के लिए कथित तौर पर 2.5 लाख रुपये दिए गए थे। सुमन के साथ आरती सूर्यांश पटेल नाम की एक अन्य महिला भी आई थी, जो उसकी रिश्तेदार बताई जा रही है। दोनों महिलाओं पर आरोप है कि उन्होंने शादी के कुछ ही दिन बाद परिवार को निशाना बनाने की योजना बनाई। शादी के अगले दिन नवविवाहित जोड़ा मंदिर भी गया था। परिवार को इस बात का अंदाजा नहीं था



कि आने वाले समय में उनके साथ ऐसी घटना हो सकती है। पुलिस की प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, 9 अक्टूबर की रात परिवार के खाने में कथित तौर पर चूहे मारने की दवा मिलाई गई। वाल्मीक, उसके पिता और मां ने खाना खाया। कुछ समय बाद तीनों की तबीयत बिगड़ने लगी। शुरुआत में परिवार के सदस्यों ने परेशानी को सामान्य समझा और रात में आराम करने चले गए, लेकिन उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। बताया गया कि परिवार के बड़े बेटे ने भी खाने का कुछ हिस्सा खाया था, जबकि उसकी पत्नी और बच्चों ने भोजन नहीं किया था। बड़े बेटे की तबीयत बिगड़ने पर उसके दोस्तों ने भी स्थिति को गंभीरता से लिया। जानकारी के अनुसार, वह शाम को बाहर टहलने निकला था, लेकिन चलते समय उसका संतुलन बिगड़ता देखकर दोस्तों ने उसे घर लौटने के लिए कहा। परिवार में एक के बाद एक लोगों की तबीयत खराब होने से स्थिति चिंताजनक हो गई। इसी बीच आरोप है कि सुमन और आरती ने घर से निकलने की तैयारी की। पुलिस के मुताबिक, दोनों महिलाएं सुबह करीब 4 बजे एक वाहन किराये पर लेकर गांव से रवाना हो गईं। उनके साथ घर से कुछ गहने और शादी के दौरान मिले रुपये भी ले जाने का आरोप है। परिवार को अगली सुबह घटना की गंभीरता का पता चला। इसके बाद प्रभावित सदस्यों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। शुरुआत में बुजुर्ग दंपती को धुले के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराने की जानकारी सामने आई, जबकि अन्य विवरणों में जलगांव के सिविल अस्पताल में भी उपचार का उल्लेख है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, प्रभावित परिवार के सदस्यों की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। घटना की जानकारी गांव में फैलने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ गई। ग्रामीणों और परिवार के अन्य सदस्यों ने आरोपियों की गिरफ्तारी तथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस स्टेशन के सामने सड़क जाम कर दिया। लोगों का कहना था कि शादी के नाम पर परिवार के साथ कथित धोखाधड़ी हुई है और घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है। विरोध के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज कर दी। पारोला पुलिस स्टेशन के निरीक्षक दीपक पाटिल के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया।

आयोग के चेयरमैन विवेक भीमन्वार अनिवार्य छुट्टी पर भेजे गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बाद राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने आयोग की कार्यप्रणाली और भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी शिकायतों की जांच के लिए 5 सदस्यीय समिति का गठन किया है। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तुकाराम मुंढे को इस समिति का सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं, आयोग के अध्यक्ष विवेक भीमन्वार को जांच पूरी होने तक अनिवार्य छुट्टी पर भेज दिया गया है। सरकार के इन फैसलों के बाद 11 दिन से चल रहे छात्र आंदोलन को समाप्त करने पर सहमति बनी। पुणे में महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी लंबे समय से आयोग की कार्यप्रणाली, प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। आंदोलनकारी छात्रों की प्रमुख मांगों में आयोग के अध्यक्ष विवेक भीमन्वार का इस्तीफा भी शामिल था। प्रदर्शन के दौरान छात्रों और सरकार की ओर से बातचीत करने पहुंचे प्रतिनिधियों के बीच कई मुद्दों पर गतिरोध बना रहा। इसके बाद रविवार देर शाम सरकार और छात्र प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई। सोमवार तड़के सामने आए फैसलों में भीमन्वार को जांच पूरी होने तक अनिवार्य छुट्टी पर भेजने की घोषणा की गई। राज्य के लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्र राजे भोसले ने आंदोलन स्थल पर सरकार के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने आंदोलन का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार और अन्य छात्र प्रतिनिधियों के साथ करीब 2 घंटे तक बातचीत की। इस दौरान कांग्रेस नेता विश्वजीत कदम भी मौजूद रहे। सरकार की ओर से कई मांगों पर सहमति जताने और फैसलों की लिखित जानकारी देने के बाद प्रदर्शनकारी आंदोलन वापस लेने के लिए तैयार हो गए। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष विवेक भीमन्वार ने सामाजिक माध्यम एक्स पर संदेश जारी कर जांच पूरी होने तक छुट्टी पर रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रश्नपत्र लीक मामले की न्यायिक जांच की घोषणा की है और उन्होंने अपने जीवन में नैतिकता को प्राथमिकता दी है। इसी आधार पर उन्होंने जांच पूरी होने तक पद पर बने नहीं रहने और छुट्टी पर जाने का फैसला किया है। भीमन्वार ने यह भी कहा कि आयोग की स्वायत्तता, विश्वसनीयता और छात्रों के हित उनकी प्राथमिकताओं में शामिल हैं। भीमन्वार को अनिवार्य छुट्टी पर भेजने का फैसला आंदोलनकारी छात्रों की प्रमुख मांगों में से एक पर सरकार की कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।



होटल की आड़ में कथित देह व्यापार का खुलासा, पुलिस की दबिश से मची हलचल; मध्य प्रदेश की युवतियों को कराया रेस्क्यू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में होटल की आड़ में कथित रूप से संचालित हो रहे देह व्यापार के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। हुडकेश्वर थाना क्षेत्र स्थित होटल रॉयल मेंशन में सामाजिक सुरक्षा विभाग की टीम ने छापा मारकर मध्य प्रदेश की कुछ युवतियों को रेस्क्यू कराया। कार्रवाई के दौरान होटल में कथित रूप से चल रही गतिविधियों की जानकारी सामने आई। पुलिस ने इस मामले में होटल की महिला संचालक समीना वसीम खान को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी महिला पर युवतियों को कम समय में ज्यादा पैसे कमाने का लालच देकर देह व्यापार में धकेलने का आरोप है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस कथित गतिविधि में अन्य लोग भी शामिल थे या नहीं। पुलिस को होटल रॉयल मेंशन में कथित सेक्स रैकेट संचालित होने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना



मिलने के बाद नागपुर पुलिस के सामाजिक सुरक्षा विभाग ने मामले की जानकारी जुटाई और इसके बाद होटल में छापा मारने की कार्रवाई की। टीम ने हुडकेश्वर थाना क्षेत्र स्थित होटल के कमरे में दबिश दी। पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान कथित देह व्यापार से जुड़ा मामला सामने आया और मध्य प्रदेश की युवतियों को रेस्क्यू कराया गया। छापे के दौरान होटल में अफरा-तफरी का माहौल बनने और युवतियों के भागने की कोशिश करने की बात भी सामने आई है। हालांकि, घटना से जुड़े सभी तथ्यों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार महिला पर मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों की युवतियों को अधिक कमाई का लालच देकर नागपुर लाने और उनसे देह व्यापार कराने का आरोप है। बताया जा रहा है कि युवतियों को कम समय में अच्छी कमाई होने का भरोसा दिलाया जाता था। इसके बाद उन्हें कथित तौर पर इस गतिविधि में शामिल किया जाता था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि युवतियों को किस तरह नागपुर लाया जाता था, उन्हें होटल में ठहराने की व्यवस्था कौन करता था और इस पूरे मामले में किन लोगों की भूमिका हो सकती है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, महिला संचालक पर युवतियों को नागपुर के अलग-अलग होटलों में ग्राहकों के पास भेजने का भी आरोप है। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या होटल रॉयल मेंशन ही इस कथित गतिविधि का मुख्य ठिकाना था या फिर शहर के दूसरे होटलों में भी इसी तरह की गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। यदि जांच में अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है।

बिजलीघरों में कोयला संकट टला, भंडार घटने की रफ्तार में भारी गिरावट

अक्टूबर में प्रतिदिन औसत कमी 2.4 लाख टन से घटकर 60,000 टन हुई

नई दिल्ली ।

देश के ताप बिजलीघरों में कोयले के भंडार घटने की रफ्तार में अक्टूबर महीने के पहले दस दिनों में भारी कमी आई है, जिससे ऊर्जा संकट की आशंकाएं कम हुई हैं। सरकार ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि कोयले की आपूर्ति बेहतर होने के कारण अब दैनिक खपत के अनुरूप उपलब्धता बनी हुई है। कोयला मंत्रालय ने बताया कि 29 सितंबर से कोयले का भंडार लगातार 1.8 करोड़ टन से ऊपर बना हुआ है, जो स्थिति में स्थिरता का संकेत है। कोयला मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 29 सितंबर को बिजलीघरों में कोयले का भंडार 1.8932 करोड़ टन था, जो 10 अक्टूबर को घटकर 1.8205 करोड़ टन रह गया। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि सितंबर में बिजलीघरों में कोयले का भंडार निचले स्तर पर आ गया था। सितंबर में पूरे महीने कोयले का भंडार करीब 72.8 लाख टन घटा था, इस दौरान औसतन प्रतिदिन करीब 2.4 लाख टन की कमी आई थी। वहीं, अक्टूबर के पहले 10 दिन में कुल मिलाकर केवल 5.6 लाख टन कोयला घटा, जिससे प्रतिदिन औसतन लगभग 60,000 टन की कमी दर्ज की गई। यह सितंबर की तुलना में चार गुना से अधिक धीमी रफ्तार है, जो आपूर्ति में उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने इस सकारात्मक बदलाव का श्रेय मालगाड़ियों में कोयला लादने की संख्या बढ़ने को दिया है। इस वर्ष एक से 10 अक्टूबर के दौरान बिजली क्षेत्र के लिए प्रतिदिन औसतन 469 रैक कोयला लादा गया, जबकि सितंबर में यह औसत 426 रैक था, इसमें करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप, अक्टूबर में बिजली क्षेत्र को प्रतिदिन औसतन 24.9 लाख टन कोयले की वास्तविक आपूर्ति हुई, जबकि सितंबर में यह 22.1 लाख टन प्रतिदिन थी।

छात्रों के लिए एयर इंडिया का तोहफा, फ्लाइट टिकट पर 10 फीसदी छूट

10 किलो अतिरिक्त सामान और एक बार मुफ्त तारीख बदलने की सुविधा भी उपलब्ध

नई दिल्ली ।

अगर आप कॉलेज में पढ़ते हैं और छुट्टियों में घर जाने या पढ़ाई या इंटर्नशिप के लिए फ्लाइट से सफर का प्लान बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए है। एयर इंडिया ने छात्रों के लिए एक विशेष स्टूडेंट प्रोग्राम शुरू किया है, जिसके तहत घरेलू उड़ानों के बेस फेयर पर 10 फीसदी की आकर्षक छूट मिल रही है। यह ऑफर सिर्फ टिकट पर ही नहीं, बल्कि कई अन्य फायदों के साथ आता है, जिससे आपकी हवाई यात्रा और भी सुविधाजनक और किफायती बन जाएगी। इस सीमित अवधि के ऑफर का लाभ उठाने के लिए छात्रों को 20 अक्टूबर तक टिकट बुक करना होगा। इस प्रोग्राम के तहत, छात्र सामान्य सामान के साथ 10 किलोग्राम अतिरिक्त बैगेज ले जा सकते हैं और अपनी यात्रा की तारीख को एक बार बिना किसी शुल्क के बदलवा सकते हैं। वेबसाइट या ऐप के माध्यम से बुकिंग करने वाले छात्रों को कन्वीनियंस फीस पर 50 फीसदी की छूट भी मिलेगी। इसके अतिरिक्त, घरेलू बुकिंग पर यूपीआई से भुगतान करने और यूपीआईआरओएमओ कोड का उपयोग करने पर 1000 रुपये तक की अतिरिक्त छूट का लाभ भी उठाया जा सकता है।

इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए छात्र की उम्र यात्रा की तारीख पर कम से कम 12 वर्ष होनी चाहिए और वह किसी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान में फुल-टाइम कोर्स का छात्र होना चाहिए। यात्रा के दौरान, छात्रों को अपना वैध आईडी कार्ड या एडमिशन लेटर साथ रखना अनिवार्य होगा। टिकट बुक करने के लिए, एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर जाएं, कंसेसन टाइप में स्टूडेंट विकल्प चुनें और अपनी बुकिंग पूरी करें।

त्योहारी सीजन में रसोई गैस के दामों में राहत, कीमतें स्थिर

नई दिल्ली ।

देशभर के लाखों घरों के लिए राहत भरी खबर है। आगामी दशहरा, दीवाली और छठ पूजा जैसे बड़े त्योहारों से पहले 12 अक्टूबर को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, जिससे महीने के घरेलू खर्च पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। प्रमुख शहरों में घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें आज भी पूर्ववत बनी हुई हैं।

राजधानी दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 942.00 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर 2,810.00 रुपये में उपलब्ध है। आर्थिक राजधानी मुंबई में घरेलू गैस सिलेंडर 912.50 रुपये का मिल रहा है, जबकि कोलकाता में यह 945.00 रुपये में उपलब्ध है। वहीं पटना जैसे कुछ शहरों में घरेलू सिलेंडर की कीमत 1,000.00 रुपये के पार (1,000.00 रुपये) बनी हुई है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 547, निफ्टी 157 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार टूटा है। वहीं अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी से भी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। इस चौतरफा दबाव के कारण घरेलू बाजार टूटा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 547.65 अंक की गिरावट के साथ ही 71,924.68 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों पर आधारित एनएसई (निफ्टी) भी 157.10 अंक नीचे आकर 22,363.35 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की बड़ी कंपनियों में जमकर मुनाफावसूली दर्ज की गयी। आज एफएमसीजी और आईटी शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली रही। आईटीसी , टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर , लार्सन एंड टुब्रो , भारतीय स्टेट बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स), महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और एचसीएल टेक के शेयर उछले। वहीं आज एशियाई बाजारों में भी गिराट रही।



दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कंपोजिट गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि हांगकांग के हैंगसेंग में मामूली बढ़त रही। भारतीय शेयर बाजार ने सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को मजबूत शुरुआत की है।सेंसेक्स 361.65 अंक बढ़कर 72,833.98 पर और निफ्टी 122.05 अंक की तेजी के साथ 22,642.50 पर कारोबार कर रहा था!

ईंधन की कीमतें स्थिर, शहरों में बरकरार अंतर

प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल और सीएनजी के दाम लगभग अपरिवर्तित रहे

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल के नए दाम सुबह 6 बजे अपडेट कर दिए हैं।

देशभर में ईंधन की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया है, लेकिन स्थानीय करों और शुल्कों के कारण विभिन्न शहरों में दाम अलग-अलग बने हुए हैं।

घर से निकलने से पहले अपने शहर के ईंधन भाव जांच लेना हमेशा उचित रहता है। राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है।

दिल्ली में पेट्रोल 102.12 पये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर है। वहीं, आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 111.31 रुपये और डीजल 97.97 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

चेन्नई और नोएडा जैसे शहरों में भी कीमतें लगभग अपरिवर्तित हैं, जहां पेट्रोल 107.77 रुपये (चेन्नई) और डीजल 99.55 रुपये (चेन्नई) है। सीएनजी की बात करें तो नई दिल्ली में यह 86.98 रुपये प्रति किलो उपलब्ध है, जबकि मुंबई में 88 रुपये और चेन्नई में 99.5 रुपये प्रति किलो दर्ज की गई है। हैदराबाद में सीएनजी 112 रुपये और अहमदाबाद में 94.02 रुपये प्रति किलो है।

रुपया 91 पैसे उछलकर 95.80 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया शुक्रवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ 96.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

12 अक्टूबर (भाषा) रुपया सप्ताह के पहले दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में 91 पैसे मजबूत होकर 95.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मुद्रा विनिमय बाजार में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाने के बाद घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला है। केंद्रीय बैंक ने शनिवार को कई उपायों की घोषणा की थी।

इनमें नामित बैंकों के जरिये तेल विपणन कंपनियों के लिए डॉलर की अलग व्यवस्था और विदेशी मुद्रा जोखिम से बचाव वाले कुछ सौदों की लागत बढ़ाना शामिल है। इन कदमों का उद्देश्य हाजिर बाजार में डॉलर की मांग घटाना और सट्टेबाजी वाली कारोबारी स्थितियों पर अंकुश लगाना है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि इन उपायों से कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मजबूत डॉलर के दबाव के बावजूद भारतीय मुद्रा को संभलने में मदद मिलने की उम्मीद है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मजबूत होकर 95.61 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में इसकी बढ़त कुछ कम हुई और यह 95.80 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव के मुकाबले इसमें 91 पैसे की तेजी है। रुपया शुक्रवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ 96.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे एक दिन पहले यह 13 पैसे गिरकर डॉलर के मुकाबले 96.88 के रिकॉर्ड निचले बंद स्तर पर पहुंच गया था।

सीमेंट की कीमतों में भारी उछाल संभव, घर बनाना होगा महंगा

अक्टूबर के मध्य से 10 से 15 रुपये प्रति बैग तक बढ़ सकती हैं सीमेंट की कीमतें

नई दिल्ली।

देश में घर बनाने वालों और निर्माण उद्योग को जल्द ही महंगाई का एक और झटका लग सकता है। एमके रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, लगातार बढ़ती इनपुट लागत और मजबूत मांग के दबाव में सीमेंट कंपनियां अक्टूबर के मध्य से प्रति बैग 10 से 15 रुपये की बढ़ोतरी कर सकती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 12 अक्टूबर से यह बढ़ोतरी प्रभावी होने की प्रबल संभावना है। कंपनियों के लिए ईंधन (पेटकोक, आयातित कोयला) और पैकेजिंग सामग्री (पॉलीप्रोपाइलीन ग्रेन्यूल) की लागत पिछले 6-7 महीनों से लगातार बढ़ रही है। पेटकोक और आयातित कोयले के स्पॉट भाव पिछली तिमाही की तुलना में क्रमशः लगभग 20 फीसदी और 16 फीसदी अधिक हैं। पहली तिमाही में की गई मामूली मूल्य वृद्धि भी इन खर्चों की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं थी, जिसे जुलाई-अगस्त में मॉनसून के कारण आई कीमतों में गिरावट ने और बढ़ा दिया। हालांकि, मजबूत बिक्री (वॉल्यूम ऑफटेक) इस सेक्टर को सहारा दे रही है। गैर-व्यापारिक मांग, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और आगामी चुनाव से पहले की गतिविधियों के कारण खपत अच्छी बनी हुई है, और अगले डेढ़ साल तक इसमें तेजी बनी रहने की उम्मीद है। प्लांट विस्तार में देरी के कारण क्लिंकर यूटिलाइजेशन रेट 79 फीसदी तक पहुंच गया है, जिससे बाजार में आपूर्ति-मांग संतुलित बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, इनपुट लागत में 300-400 रुपये प्रति टन की बढ़ोतरी की भरपाई के लिए उद्योग को लगातार 10 रुपए प्रति बैग की वृद्धि की आवश्यकता है, जिससे यह आगामी मूल्य वृद्धि अनिवार्य हो गई है। यह कदम सीधे तौर पर निर्माण लागत बढ़ाएगा और आम आदमी की जेब पर अतिरिक्त भार डालेगा।



हमारे शेयर दो! फ्लिपकार्ट के पूर्व कर्मचारियों का वॉलमार्ट को अल्टीमेटम

- 4 अरब डॉलर के शेयर विकल्प भुनाने की मांग

मुंबई ।

ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट समूह के 1,000 से अधिक पूर्व कर्मचारियों ने अपनी मूल कंपनी वॉलमार्ट और फ्लिपकार्ट के निदेशक मंडल से सामूहिक अपील की है। उन्होंने करीब 4 अरब डॉलर मूल्य के अपने शेयर विकल्पों को भुनाने या बेचने की अनुमति मांगी है। यह मांग ऐसे समय में आई है जब फ्लिपकार्ट के बहुप्रतीक्षित आईपीओ में लगातार देरी हो रही है और पूर्व कर्मचारी खुद को वर्तमान कर्मियों की तुलना में वंचित महसूस कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, फ्लिपकार्ट के साथ-साथ मिंत्रा, क्लियरट्रिप और शॉप्सी जैसी समूह की कंपनियों के पूर्व कर्मचारी इस अभियान में शामिल हैं। उन्होंने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं- पहला, मौजूदा कर्मचारियों के लिए उपलब्ध शेयरों से पैसा हासिल करने का अवसर पूर्व कर्मचारियों तक भी बढ़ाया जाए। दूसरा, नौकरी छोड़ने के बाद शेयर विकल्प भुनाने की समय सीमा को अगले भुगतान या खरीद अवसर तक बढ़ाया जाए ताकि वे अपने आप समाप्त न हों। तीसरा, वॉलमार्ट या फ्लिपकार्ट की ओर से एक तय संपर्क अधिकारी नियुक्त किया जाए और पूर्व कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाए। इस विवाद के पीछे फ्लिपकार्ट के आईपीओ को लेकर बनी अनिश्चितता एक बड़ी वजह है। कंपनी ने अभी तक सार्वजनिक बाजार में उतरने की कोई निश्चित तारीख नहीं दी है। इससे पहले, मिंत्रा के पूर्व सीईओ मुकेश बंसल जैसे कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भी वॉलमार्ट को पत्र लिखकर समान व्यवहार की मांग की थी। पूर्व कर्मचारियों का कहना है कि ये शेयर विकल्प उनकी कड़ी मेहनत और वेतन का हिस्सा थे, जिन्हें उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक रखा है। उनकी मांग है कि उन्हें भी कंपनी छोड़ने के बावजूद अपने अर्जित लाभ से वंचित न किया जाए। वॉलमार्ट से इस मामले में लिखित जवाब और उचित समाधान की उम्मीद की जा रही है।

बोनफिग्लियोली ट्रांसमिशन्स का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा

- 558-586 प्रति शेयर मूल्य दायरा तय

नई दिल्ली ।

इटली की बोनफिग्लियोली एसपीए की भारतीय अनुषंगी, बोनफिग्लियोली ट्रांसमिशन्स लिमिटेड ने अपने 2,534 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा और महत्वपूर्ण तारीखों की घोषणा कर दी है। सोमवार को जारी बयान के अनुसार यह आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा और 19 अक्टूबर को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 558 रुपये से 586 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है, जिसमें बड़े (एंकर) निवेशक 14 अक्टूबर को बोली लगा सकेंगे। यह निर्गम पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है, जिसके तहत प्रवर्तक बोनफिग्लियोली एसपीए 4.32 करोड़ तक शेयर बेचेगी। इसका मतलब है कि आईपीओ से प्राप्त होने वाली पूरी 2,534 करोड़ रुपये की राशि कंपनी को न मिलकर सीधे शेयर बेचने वाले प्रवर्तक को मिलेगी। कंपनी के शेयर 23 अक्टूबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है।

स्टारलिंक विवाद- भारत में एंट्री पर मस्क ने अंबानी को घेरा, 9 देशों में बैन

मस्क का आरोप: कुछ उद्योगपति अपने एकाधिकार को बनाए रखने स्टारलिंक को रोक रहे हैं

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक भारत में एंट्री को लेकर बड़े विवादों में घिर गई है। लाइसेंस मिलने में देरी से नाराज मस्क ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी पर एकाधिकार बनाए रखने और स्टारलिंक की तकनीक को आम नागरिकों तक पहुंचने से रोकने का आरोप लगाया है। इस मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। वहीं दुनिया के कई बड़े देशों में सुरक्षा कारणों से यह सेवा पहले से ही पूरी तरह प्रतिबंधित है। मस्क ने अंबानी को प्रधानमंत्री अंबानी व भारत का असली बॉस तक कह डाला। उनका आरोप है कि कुछ उद्योगपति अपने एकाधिकार को बनाए रखने के लिए स्टारलिंक को रोक रहे हैं। भारत सरकार की मुख्य चिंता डेटा प्राइवेसी और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर है। सरकार की शर्त है कि भारतीय उपयोगकर्ताओं का डेटा देश की सीमाओं के भीतर ही रहे। स्टारलिंक ने अब यह शर्त मान ली है और देश में लगभग 20 गेटवे साइट्स तैयार की हैं। चीन, रूस, ईरान, उत्तर कोरिया, सीरिया, अफगानिस्तान, बेलारूस, म्यांमार और क्यूबा समेत 9 देशों ने आंतरिक सुरक्षा व डेटा संप्रभुता को खतरा मानते हुए स्टारलिंक पर पूर्ण प्रतिबंध लगा रखा है। भारत में जब यह सेवा शुरू होगी, तो उपयोगकर्ताओं को 100 एमबीपीएस से लेकर 200 एमबीपीएस तक की सुपरफास्ट इंटरनेट स्पीड आसानी से मिलेगी, जिससे बिना रुकावट के हाई-डेफिनिशन वीडियो कॉलिंग और गेमिंग संभव होगी।

सितंबर में म्यूचुअल फंड्स से 1.33 लाख करोड़ की निकासी

इक्विटी में बढ़ता निवेश भी डेट फंड्स से भारी निकासी की भरपाई न कर सका

नई दिल्ली ।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार सितंबर में भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में बड़ा बदलाव देखा गया। अगस्त में जहां 41,353 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश था, वहीं सितंबर में रिकॉर्ड 1.33 लाख करोड़ रुपए की निकासी दर्ज की गई। इसकी मुख्य वजह डेट-ओरिएंटेड स्कीमों से भारी फंड की निकासी थी, जिससे कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) भी प्रभावित हुई। सितंबर में डेट-ओरिएंटेड स्कीमों से 1.83 लाख करोड़ रुपये की बड़ी निकासी हुई, जो उद्योग के कुल नेगेटिव फंड फ्लो का मुख्य कारण रही। यह अगस्त में हुई 8,127 करोड़ रुपए की निकासी से काफी ज़्यादा है। इसके चलते, इंडस्ट्री की नेट एसेट्स अंडर मैनेजमेंट अगस्त के 87.08 लाख करोड़ रुपए से घटकर सितंबर के अंत में 82.64 लाख करोड़ रुपए रह गई। लांकि, इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीमों में निवेशकों की रुचि बरकरार रही और इनमें शुद्ध निवेश अगस्त के



29,328 करोड़ रुपए सितंबर में 38,307 करोड़ रुपए हो गया। इक्विटी कैटेगरी में, स्मॉल-कैप फंड्स में सर्वाधिक 9,039 करोड़ रुपए का निवेश आया, जबकि मिड-कैप, फ्लेक्सी-कैप और लार्ज-कैप फंड्स में भी इनफ्लो बढ़ा।

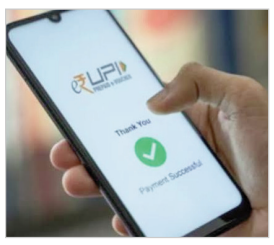
सेक्टर/थीमैटिक फंड्स में भी निवेश दोगुना होकर 3,640 करोड़ रुपए रहा। गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स में भी निवेशकों की मांग बढ़ी; सितंबर में इनमें शुद्ध निवेश बढ़कर 4,451 करोड़ रुपए हो गया। यह डेटा भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में निवेश के अलग-अलग रुझानों को दर्शाता है, जहां डेट फंड्स से निकासी के बावजूद इक्विटी और गोल्ड में निवेश मजबूत बना हुआ है। आने वाले महीनों में इस ट्रेंड पर नजर रहेगी।

यूपीआई शुल्क वृद्धि से ग्राहकों पर अप्रत्यक्ष बोझ- आईआईटी रिपोर्ट

व्यापारी अतिरिक्त लागत को कीमतों में कर सकते हैं समायोजित

नई दिल्ली ।

आईआईटी बॉम्बे की एक रिपोर्ट ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के लिए प्रस्तावित संशोधित शुल्क ढांचे पर गंभीर चेतावनी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस नए ढांचे से ग्राहकों पर अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा कीमतों में वृद्धि का बोझ पड़ सकता है, भले ही व्यापारियों को सीधे शुल्क लगाने से रोका गया हो। रिपोर्ट का अनुमान है कि मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) स्ट्रक्चर से पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को सालाना करीब 18,000 करोड़ रुपए की कमाई हो सकती है। हालांकि, रिपोर्ट चेतावनी देती है कि व्यापारी इस अतिरिक्त खर्च को अपनी कीमतों में शामिल कर सकते हैं, जिससे 2,000 रुपए से कम के ट्रांजैक्शन करने वाले ग्राहकों को भी अप्रत्यक्ष रूप से लागत उठानी पड़ेगी। आईआईटी रिपोर्ट ने मौजूदा ढांचे में बदलाव की मांग करते हुए कहा है कि अन्यथा यूपीआई लोगों का भरोसा खो सकता है। संशोधित ढांचे के तहत, 2,000 रुपए से अधिक के मर्चेंट पेमेंट पर 0.40 फीसदी



तक एमडीआर लगेगा, जिसकी अधिकतम सीमा 300 रुपए होगी, जबकि 2,000 रुपए तक के भुगतान और पी2पी ट्रांसफर मुफ्त रहेंगे। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि बैंकों को अपने बड़े नेट इंटरेस्ट मार्जिन (वित्त वर्ष 26 में 4.84 लाख करोड़ रुपए) से सालाना लगभग 15,000 करोड़ रुपए यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए योगदान देना चाहिए। यह भी मांग की गई है कि ऋण संग्रह जैसे लेनदेन को एमडीआर से छूट दी जाए। रिपोर्ट ने 50 करोड़ रुपए से अधिक के टर्नओवर वाले ऑनलाइन व्यापारियों पर ही शुल्क लगाने, एमडीआर को 40 रुपए तक सीमित करने और राजस्व को यूपीआई के विस्तार व सुरक्षा में लगाने का प्रस्ताव दिया है, ताकि डिजिटल भुगतान में ग्राहकों का हित सुरक्षित रहे।

टीसीएस का भविष्य 80 फीसदी नए कर्मचारी होंगे एआई व डिजिटल दक्ष

एआई राजस्व 10 फीसदी पहुंचा; सीखने को तैयार प्रोफेशनलों को मिलेगा खास फायदा

मुंबई ।

देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने घोषणा की है कि भविष्य में भर्ती होने वाले उसके 80 प्रतिशत तक नए कर्मचारी डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में दक्ष होंगे। कंपनी इस रणनीति से एआई राजस्व वृद्धि के साथ लाभ मार्जिन सुधारना चाहती है।

टीसीएस की एक अधिकारी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी के कुल राजस्व में एआई-आधारित कामकाज की हिस्सेदारी बढ़कर 10 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि हाल ही में नियुक्त 4,500 लोगों में से लगभग 25-30 प्रतिशत पूर्णतः एआई कौशल से लैस थे, जबकि कुल 80 प्रतिशत नए दौर की प्रौद्योगिकियों में दक्ष थे।

उन्होंने पुष्टि की कि भविष्य की भर्तियों में भी यही अनुपात कायम रहेगा, क्योंकि बाजार में ऐसे कुशल लोग उपलब्ध हैं।

इसका लाभ उन लोगों को मिलेगा जो नई चीजें सीखने के लिए तत्पर हैं।

महंगे सीरम को कहें अलविदा, घर पर बनाएं असरदार विटामिन सी सीरम, मिलेगी दमकती त्वचा



अगर आप भी रोजाना रात में स्किन केयर करना नहीं भूलती हैं और चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कई प्रयास करती हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि महिलाएं अपनी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाने के लिए तरह-तरह के प्रोडक्ट्स फेस पर लगाती हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे विटामिन सी सीरम के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका इस्तेमाल आप रोजाना रात में सोने से पहले कर सकती हैं।

अगर आप इस खास सीरम को लगाती हैं, तो इससे मार्केट के महंगे सीरम खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही आप कम पैसों में इस सीरम को बनाकर तैयार कर सकती हैं। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि घर पर रहकर विटामिन सी सीरम कैसे बनाया जा सकता है।

होममेड विटामिन सी सीरम

ब्यूटी एक्सपर्ट के मुताबिक अगर आप घर पर एक खास विटामिन सी सीरम तैयार करना चाहती हैं, तो आप कम पैसे में इसको बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसको बनाने का तरीका भी काफी आसान है और इसको बनाने के लिए कुछ खास सामग्री की जरूरत होगी।

सामग्री

गुलाब जल
विटामिन सी पाउडर
विटामिन ई कैप्सूल
एलोवेरा जेल
ग्लिसरीन

ऐसे बनाएं विटामिन सी सीरम

आप घर पर आसानी से यह खास सीरम बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसको बनाने का तरीका बेहद आसान है। इसको बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में विटामिन सी पाउडर ले लें। अब इसमें गुलाब जल, एलोवेरा जेल और ग्लिसरीन को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब इसमें विटामिन सी कैप्सूल की कुछ बूंदे डालकर इस सीरम को अच्छे से मिक्स कर लें। इस आसान तरीके से आपका होममेड सीरम बनकर तैयार हो गया है।

आप रोजाना रात में सोने से पहले इस सीरम को अपने फेस पर अप्लाई कर सकती हैं। आप 15 दिन तक इस सीरम का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप चाहें तो रोजाना रात में इसका इस्तेमाल कर सकती हैं या फिर सप्ताह में 3-4 बार भी इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। आप जब भी इसको फेस पर अप्लाई करें, तो पहले साफ पानी से चेहरे को धो लें और फिर फेस के सूखने के बाद इस सीरम को फेस पर लगाएं। इसको आप फेस के साथ-साथ गर्दन पर भी लगा सकती हैं।



घर की सब्जी को दें शाही ट्विस्ट! बस काजू-बादाम, मूंगफली से बढ़ाएं ग्रेवी का जबरदस्त स्वाद

रेस्तरां स्टाइल में हम सभी टेस्टी सब्जी बनाना चाहते हैं, लेकिन कहीं न कहीं मिस्टेक जरुर हो जाती है। अपने खाने को टेस्टी बनाने के लिए छोटे-छोटे टिप्स एंड ट्रिक्स पर ध्यान देना काफी जरुरी है। घर में चाहे कितना भी टेस्टी खाना बना लें, लेकिन बच्चे फिर कमी निकाल देते हैं। ऐसे में हर महिलाओं को इन टिप्स का जरुर पता होना चाहिए। अगर आप मेवों की मदद से सब्जी में इस्तेमाल करके लाजवाब खाना बना सकते हैं। मेवे सब्जियों के स्वाद को दोगुना कर देते हैं। यह सब्जी में स्वाद तो बढ़ा ही देते हैं और यह काफी हेल्दी भी होती है। आइए आपको बताते हैं मेवे से सब्जी की क्रीम को गाढ़ा और क्रीमी से बनाएं।

मेवे से सब्जी को गाढ़ा और क्रीमी कैसे बनाएं

– इसके लिए आफ काजू या बादाम को गर्म पानी में 30 मिनट के लिए भिगोकर रख दें। अब इसे पानी से निकालकर थोड़ा दूध या पानी डालकर एक चिकना पेस्ट बना लें। फिर आप इसे सब्जी की ग्रेवी में डालें। इससे आपकी ग्रेवी गाढ़ी, क्रीमी और स्वादिष्ट बनेंगी। इसका यूज आप शाही पनीर, कोफ्ता और मलाई कोफ्ता जैसी सब्जियों में कर सकते हैं। आप बादाम, काजू या मूंगफली को हल्का भूनकर छोटे टुकड़ों में काट लीजिए। सब्जी तैयार होने के बाद ऊपर से इन टुकड़ों को डालें। सब्जी तैयार होने के बाद ऊपर से आप इन टुकड़ों को डालें। ऐसा करने से सब्जी में कुरकुरापन और स्वादिष्ट मेवों वाला फ्लेवर आएगा। सूखी सब्जियों के लिए भी यह तरीका बेस्ट है।

– भुनी हुई मूंगफली का पेस्ट बनाकर ग्रेवी में डाल सकते हैं। इससे आपकी ग्रेवी का स्वाद और भी बढ़ जाएगा। इसके साथ ही ग्रेवी गाढ़ी हो जाएगी। आप तिल को पीसकर उसका पेस्ट भी ग्रेवी में मिला सकती हैं। इससे ग्रेवी का स्वाद बढ़ जाता है।

– बादामा या काजू को पीसकर पाउडर बना लीजिए। इस पाउडर को आप मसाले की तरह किसी भी सब्जी की ग्रेवी में डाल दीजिए। प्याज की जगह दही और मूंगफली का पेस्ट बनाकर ग्रेवी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी ग्रेवी गाढ़ी होने के साथ ही उसका स्वाद भी काफी कमाल लगेगा।

सर्दी-जुकाम से राहत के लिए अपनाएं दादी-नानी का नुस्खा, बेसन का शीरा देगा तुरंत आराम।



बदलते मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम की शिकायत हो जाती है। बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होने के कारण खांसी-जुकाम की समस्याएं बन जाती है। यदि आपके बच्चे को मौसम के बदलने से सर्दी-जुकाम से परेशान हो गए है, तो इसे दवाओं की जगह आप एक बार बेसन का शीरा बनाकर जरुर पिलएं। यह एक ट्रेडिशनल पंजाबी रेसिपी है, जो मौसम बदलने के बाद बच्चों की इम्यूनिटी को बूस्ट करती है। बीमारी से लड़ने में मदद करती है। बेसन शीरा स्वाद के साथ ही हेल्थ के लिए काफ बढ़िया है। इसके सेवन से सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या जल्द ठीक हो जाती है। आइए आपको बताते हैं कैसे बनाया जाता है टेस्टी और हेल्दी बेसन का शीरा।

बेसन का शीरा बनाने के लिए सामग्री

– 3 बड़े चम्मच बेसन
– 1 बड़ा चम्मच देसी घी
– 2 छोटी चम्मच चीनी/गुड़
– डेढ़ कप दूध
– कुटी हुई इलायची
– 1/4 छोटी चम्मच अजवाइन
– कटे हुए बादाम
– कुटी हुई काली मिर्च
– हरा धनिया
– 1 चुटकी हल्दी

बेसन का शीरा बनाने का तरीका

बेसन का शीरा बनाने के लिए सबसे पहले आप एक कड़ाही लें और गैस पर चढ़ाकर गर्म करें। अब इसमें घी डाले और बेसन को लो फ्लेम पर भूने जब तक इसका रंग हल्का भूरा ना हो जाए। बेसन को अच्छे से भून जाने के बाद इसमें खुशबू आने लगेगी। अब इसमें बेसन इलायची, गुड़, कटे हुए बादाम, कुटी हुई काली मिर्च, अजवाइन और हल्दी डालकर अच्छी तरह सभी चीजों को मिला लीजिए। इसके बाद आप इसमें दूध डालते हुए सभी चीजों को करछी से लगातार चलाते हुए मिलाएं, वरना पेसन में गांठें पड़ जाएगी। बेसन में पड़ी गांठे शीरा का स्वाद बिगड़ सकती हैं। इसके बाद आप दूध को 5 मिनट तक अच्छे से उबालें। इसके बाद बेसन के शीरे में कटा हुआ ताजा हरा धनिया डाल दें। यह लीजिए टेस्टी गर्मागर्म बेसन का शीरा तैयार है। बेसन का शीरा पीने के बाद बच्चों को खुली हवा में बाहर ना भेंजे। क्योंकि ऐसा करने से इसका असर कम हो जाता है। बेसन का शीरा पीने के बाद बच्चे सोने दें।

बासी पोहा हो गया सख्त तो अपनाइए ये आसान नुस्खा, मिलेगा वही पुराने जैसा स्वाद

नाश्ते में पोहा खाना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। सुबह अक्सर चाय के साथ पोहा खाने में एक अलग ही मजा आता है। लेकिन पोहा केवल तभी अच्छा लगता है, जब उसे बनाकर गरमा-गरम सर्व किया जाए। अगर उसे बाद में खाया जाता है तो वह थोड़ा सख्त और सूखा-सूखा महसूस होता है। इतना ही नहीं, उसका वो टेक्सचर भी गायब हो जाता है, जिसकी वजह से उसे खाने का मन ही नहीं करता है। हालांकि, अगर आप ऐसे में उसे फेंकने की सोच रहे हैं तो जरा ठहरिए। अगर आप चाहें तो थोड़ा सा जादू करने पर बासी पोहा को फिर से नरम, टेस्टी और फ्रेश बना सकते हैं।

वास्तव में, पोहा उन आसान डिशेज में से है, जिसे अगर सही ट्रिक से दोबारा गरम किया जाए तो उसका स्वाद और टेक्सचर दोनों ही पहले जैसा हो जाता है। तब आपको उसे खाते समय ऐसा महसूस होता है, जैसा कि इसे अभी-अभी गरमागरम बनाया गया हो। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बताने वाले हैं, जो आपके बासी पोहे को फिर से टेस्टी बनाने में मदद करेंगे-

थोड़ा पानी छिड़कें



यह एक आसान तरीका है बासी पोहा को फिर से फ्रेश करने का। इसके लिए सबसे पहले पोहे को एक कटोरे या कड़ाही में डालिए और उस पर 2-3 चम्मच पानी हल्के से छिड़किए। अब इसे ढककर 2-3 मिनट के लिए रख दीजिए। दरअसल, पोहा इसलिए सूख जाता है क्योंकि उसमें से नमी निकल जाती है। थोड़ा पानी और भाप उसे चिपचिपा किए बिना दोबारा नरम बना देते हैं।

थोड़ा तेल या घी डालकर दोबारा गरम करें

एक पैन में 1 चम्मच तेल या घी गरम करें। चाहें तो उसमें थोड़े राई के दाने, करी पत्ता या एक चुटकी हल्दी डालें। अब उसमें बासी पोहा डालकर 1-2 मिनट तक चलाइए। जब आप पोहे को हल्का सा भूनते हैं तो इससे पोहे की खुशबू और स्वाद दोनों ताजा हो जाते हैं। तेल हर दाने को कोट कर देता है जिससे पोहा दोबारा चिपकता नहीं है।

आजमाएं माइक्रोवेव ट्रिक

अगर आपके पास समय कम हो तो माइक्रोवेव की इस ट्रिक को भी आजमाया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले पोहे पर थोड़ा पानी छिड़कें, फिर उस पर गीला टिशू पेपर या माइक्रोवेव ढक्कन रखकर 30-40 सेकंड के लिए गरम करें। गीला टिशू भाप को अंदर रोकता है, जिससे पोहा बराबर गरम होता है और सूखता नहीं है।

किचन के इन 3 मसालों से पाएं मुंह की बदबू से छुटकारा, बनाएं नेचुरल माउथवॉश!

हर भारतीय के किचन में पाए जाने वाले ये मसाले केवल खाना का स्वाद ही नहीं, मुंह की दुर्गंध और बैक्टीरिया को दूर भागा देते हैं। आपकी रसोई में रखें इन 3 मसालों से तैयार करें नैचुरल माउथवॉश। मुंह की दुर्गंध, मसूड़ों की सूजन और बैक्टीरिया संक्रमण की समस्या से परेशान हो गए हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे तो बाजार में कई सारे माउथवॉश मिलते हैं लेकिन इनमें केमिकल और अल्कोहल की मात्रा होती है। यह अस्थायी ताजदी तो पहुंचता हैं लेकिन लंबे समय तक दातों और मसूड़ों को नुकसान भी पहुंचता है। इसी कारण आप अपने घर पर ही इन 3 मसालों से नैचुरल माउथवॉश बना सकते हैं। लौंग, चक्र फूल और दालचीनी से बना यह घरेलू माउथवॉश आपके लिए बेहद ही फायदेमंद होगा। यह माउथवॉश आपके मुंह के बैक्टीरिया को खत्म करता है। आइए आपको बताते है इसे कैसे बनाएं।

माउथवॉश बनाने की विधि

सामग्री
– 4-5 लौंग
– 2 चक्र फूल
– 1 दालचीनी का टुकड़ा
– 1 कप पानी

इसे बनाने का तरीका

– सबसे पहले आप एक पैन में पानी डालें। फिर इसमें लौंग, दालचीनी और चक्र फूल को डालें।

– फिर आप इसे 7-8 मिनट तक उबालें। इसे तब तक उबालें जब तक इसका रंग हल्का भूरा न लग जाएं।

– जब यह पानी ठंडा हो जाए, तो इसे कांच की बोतल में भरकर रख दें।

– इसे घरेलू माउथवॉश से आप दिन में 1 या 2 बार कुल्ला जरुर करें।

घरेलू माउथवॉश इस्तेमाल करने के फायदे

– मुंह की दुर्गंध दूर करता है और सांसों को लंबे समय तक तरोताजा रखता है।

– इसमें एंटीबैक्टीरियल के गुण होते हैं, जो कि मुंह में बैक्टीरिया को खत्म करते हैं।

– मसूड़ों की सूजन को कम करता है और ओरल हेल्थ को बेहतर बनाता है।

– यह एक प्रकार से 100% प्राकृतिक और केमिकल-फ्री जो दांतों के एनामेल को नुकसान नहीं पहुंचाता है।



नीरू धांडा ने एशियन गेम्स के तीनों मेडल भारतीय सेना को किए समर्पित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ट्रैप शूटर नीरू धांडा ने 2026 एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अपने नाम किए। उन्होंने प्रतियोगिता में दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। भारतीय सेना में नायब सूबेदार के पद पर कार्यरत नीरू ने अपने तीनों पदक भारतीय सेना और देश की रक्षा में बलिदान देने वाले जवानों को समर्पित किए।

ट्रैप शूटिंग में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं नीरू

नीरू धांडा ने एशियन गेम्स में महिला व्यक्तिगत ट्रैप शूटिंग स्पर्धा में 26 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता। इस उपलब्धि के साथ वह इस स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसके बाद उन्होंने आशीमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ महिला टीम ट्रैप स्पर्धा में सिल्वर मेडल हासिल किया, जबकि क्यानन चेनाई के साथ मिश्रित टीम ट्रैप स्पर्धा में गोल्ड जीतकर अपने अभियान को यादगार बना दिया।

भारतीय सेना से मिले सम्मान को जीवनभर याद रखेंगी नीरू

नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने 2026 एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय सेना के खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। नीरू ने कहा, 'मेरी सेना और मेरे देश ने मुझे जो सम्मान दिया है, उसे मैं अपनी पूरी जिंदगी याद रखूंगी। मैं भारतीय सेना और अपने सभी देशवासियों के लिए लड़ती रहूंगी। मुझे उम्मीद है कि मुझे आगे भी लोगों का ऐसा ही प्यार, स्नेह और आशीर्वाद मिलता रहेगा। मैं यहां मिले सम्मान के लिए दिल से बहुत खुश हूं और सभी की आभारी हूं।'

शहीद जवानों और उनके परिवारों को समर्पित किए तीनों पदक

नीरू ने आगे कहा, 'मैं अपना यह पदक भारतीय सेना और देश के उन बहादुर जवानों को समर्पित करती हूं, जो हमारी मातृभूमि की रक्षा करते हुए सीमा पर अपनी जान गंवा देते हैं। मैं अपने तीनों पदक उन्हें समर्पित करती हूं। देश के प्रति उनका दृढ़ संकल्प और राष्ट्र के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देना कोई छोटी बात नहीं है। उनके भी परिवार हैं। वे हमारे देश की रक्षा के लिए अपना सब कुछ त्याग देते हैं।'

वर्ल्ड चैंपियनशिप में पदक और ओलंपिक कोटा हासिल करने पर नजर

एशियन गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद नीरू धांडा का अगला लक्ष्य वर्ल्ड चैंपियनशिप है। यह प्रतियोगिता 1 से 15 नवंबर तक आयोजित होगी, जिसमें ओलंपिक कोटा हासिल करने का मौका भी मिलेगा। नीरू अब इस प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही हैं, जबकि उनका बड़ा लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करना है।

नीरू ने कहा, 'मेरा अगला लक्ष्य 1 से 15 नवंबर तक होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप है, जिसमें ओलंपिक कोटा प्रतियोगिता भी शामिल है। इसके बाद अगला लक्ष्य, जो हर खिलाड़ी का सपना होता है, 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक है।'

नीरू की नजर अब 2028 ओलंपिक पर

एशियन गेम्स में नीरू धांडा की सफलता भारतीय निशानेबाजी के लिए बड़ी उपलब्धि है। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर देश और भारतीय सेना का नाम रोशन किया है। अब उनकी नजर आगामी वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए भारत का कोटा सुनिश्चित करने पर होगी।

संक्षिप्त समाचार

19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में उत्तराखंड ने असम को 255 रन से रौंदा

लड़कियों ने बिहार को 71 रन से दी शिकस्त



देहरादून(एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर उत्तराखंड के युवा खिलाड़ियों ने दम दिखाया है. अंडर-19 पुरुष टीम ने असम को 255 रन से हराया, तो महिला टीम ने बिहार को 71 रन से शिकस्त दी. दोनों टीमों ने अपनी विपक्षी टीमों को एकतरफा अंदाज में रौंद दिया।

क्रिकेट के मैदान में उत्तराखंड की युवा प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शनः क्रिकेट के मैदान पर उत्तराखंड की युवा प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है. बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट में प्रदेश की अंडर-19 पुरुष और महिला टीमों ने अपने-अपने मुकाबलों में बड़ी जीत दर्ज की. वीनू मांकड़ ट्रॉफी में उत्तराखंड की पुरुष टीम ने असम को 255 रन से हराया, जबकि महिला अंडर-19 टी-20 ट्रॉफी में उत्तराखंड की बेटियों ने बिहार को 71 रन से शिकस्त दी।

पुरुष टीम की जीत में कप्तान आयुष देसवाल की 78 रन की पारी और आकाश कुमार के चार विकेट अहम रहे. वहीं, महिला टीम की ओर से कप्तान करीना ने 47 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया. दोनों मुकाबलों में उत्तराखंड के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने मिलकर विपक्षी टीमों पर दबाव बनाए रखा।

ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका पर 280 रन की बढ़त ली

दूसरी पारी में 4.83 के रनरेट से स्कोर किया, चौथे दिन लंच तक- 174/4



डरबन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में मजबूत पकड़ बना ली है। ऑस्ट्रेलिया ने डरबन के किंग्समीड में चौथे दिन लंच 4 विकेट खोकर 174 रन बनाए हैं। टीम की कुल बढ़त 280 रन हो गई है। मैट रेनशॉ 32 और एलेक्स कैरी 5 रन बनाकर क्रीज पर हैं।ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 390 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका की टीम 284 रन पर ऑलआउट हो गई। इस आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 106 रन की बढ़त मिली थी।

रेनशॉ दूसरी पारी में भी अच्छी लय में- ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 137.2 ओवर में 390 रन बनाए थे। मैट रेनशॉ ने 397 गेंदों पर 190 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 21 चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान पैट कमिंस ने 98 गेंदों पर 43 रन बनाए, जबकि लाबुशेन ने 58 गेंदों पर 37 रन जोड़े।मैट रेनशॉ दूसरी पारी में भी वह सकारात्मक अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं। लंच तक उन्होंने 47 गेंदों पर 32 रन बनाए हैं, जिसमें 4 चौके शामिल हैं।

साउथ अफ्रीका की पहली पारी 284 रन पर सिमटी- साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 78 ओवर में 284 रन बनाए थे।

मैडिनसन ने 126 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बनाए रन -दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की। निक मैडिनसन ने 38 गेंदों पर 48 रन बनाए। उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 126.32 रहा। उन्हें नॉर्खिया ने बोल्ड किया। स्टीव स्मिथ ने 41 गेंदों पर 27 रन का योगदान दिया। मार्नस लाबुशेन ने भी 58 गेंदों पर 37 रन बनाए। स्टीव स्मिथ को साइमन हार्मर ने आउट किया। केशव महाराज की गेंद लाबुशेन टेम्बा बावुमा को कैच दे बैठे।

भारतीय कप्तान अय्यर ने जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया

कहा- हमारे प्लान क्लियर थे, अभिषेक और प्रिंस की पारियां भी अहम रहीं

इंदौर (एजेंसी)। भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में मेहमान टीम को 14 रनों से मात दे दी. रविवार को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले गए मैच में टीम इंडिया ने पहले 223 रन बनाए और फिर वेस्टइंडीज को 20 ओवर में 209 रनों पर ही रोक दिया. जिसके साथ वो सीरीज में 2-1 से आगे निकल गए। मैच के बाद टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यर ने अपने गेंदबाजों की साफ सोच और पक्के इरादों की तारीफ करते हुए कहा कि मैच में ओस ना पड़ने की वजह से गेंदबाज अपनी योजनाओं पर टिके रहे. जिसकी वजह से मैच में हमें जीत मिली. अर्शदीप ने मैच में कुल 3 विकेट चटकाए, डेथ ओवरों में उनके यॉर्कर सबसे खास थे. इसके अलावा कप्तान ने जीत की नींव रखने वाली बल्लेबाजी की भी तारीफ की, खासकर अभिषेक शर्मा के 69 रन, ईशान किशन के 37 रन और आखिर में प्रिंस यादव की 13 रन की छोटी की। अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की तारीफ करने के साथ-साथ अय्यर ने ये भी कहा कि वेस्टइंडीज जैसी टीम को आप कभी हल्के में नहीं ले सकते. इसलिए हम कभी भी लापरवाह नहीं हो सकते थे. ये मैदान हाई-स्कोरिंग था, लेकिन यह जरूरी है कि हम अपनी प्रक्रिया और रूटीन पर टिके रहें और आक्रामक बने रहें।



गेंदबाज और बेहतर कर सकते : कप्तान शाई होप - वहीं दूसरी तरफ मैच हारने वाले वेस्टइंडीज टीम के कप्तान शाई होप ने कहा कि गेंदबाज और बेहतर कर सकते थे. हमने कुछ बाउंड्रीज भी दीं. मेरा मानना ??है कि जिस तरह से हमने मैच में वापसी की, वह वाकई तारीफ के काबिल था. शुरुआत से ही, अगर आप अभिषेक और किशन की पार्टनरशिप को देखें, तो वह बहुत खतरनाक थी, लेकिन रोस्टन की बदौलत हमें कुछ विकेट मिले और हमने मैच पर दोबारा पकड़ बनाई। उन्होंने यह भी माना कि टीम को बैटिंग ऑर्डर में मजबूत टॉप-3 बल्लेबाजों की जरूरत है, लेकिन वे इसके लिए एक या दो खिलाड़ियों को दोष नहीं देना चाहते थे. इसके अलावा इस मैच में ओस न पड़ने का भी असर पड़ा. हमें लगा कि हमारी पारी के आखिर में गेंद थोड़ी ज्यादा स्विंग हो रही थी. लेकिन भारतीय गेंदबाजों को भी इसका श्रेय जाता है, उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की और हमें दिखाया कि यॉर्कर कैसे फेंकते हैं।

सीरीज का चौथा मैच 14 अक्टूबर को - दोनों टीमों के बीच सीरीज का चौथा मैच 14 अक्टूबर को हैदराबाद में खेला जाएगा. ये मैच दोनों ही टीमों के लिए अहम होगा, क्योंकि अगर इस मैच को भारत जीत जाता है तो वो सीरीज जीत जाएगा और अगर ये मैच मेहमान टीम जीतने में सफल होती है तो वो सीरीज बराबर करने में सफल हो जाएगी. जिसकी वजह से सीरीज का पांचवां और अंतिम मैच सीरीज डिसाइडर मैच बन जाएगा।

नमनधीर का शानदार प्रदर्शन, 2 विकेट लिए

मैच की बात करें तो टॉस हारकर भारत ने 20 ओवर में 10 विकेट पर 223 रन बनाए. जिसमें सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की 30 गेंद में पांच छक्कों और छह चौकों की मदद से 69 रनों की शानदार पारी शामिल है. इसके अलावा इशान किशन (37 रन, 18 गेंद, छह चौके, एक छक्का) के साथ दूसरे विकेट के लिए 108 रन जोड़कर भारत को बड़े स्कोर की नींव रख दी थी. वेस्टइंडीज की तरफ से रोस्टन चेस, शमर जोसेफ और शमर स्प्रिंगर दो-दो विकेट लेने में सफल रहे, जबकि किमो पॉल और गुडाकेश मोटी को एक-एक मिला। भारत के 224 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 7 विकेट पर 209 रन ही बना सकी. जिसमें शिमरोन हेटमायर (43 रन, 26 गेंद, छह चौके, दो छक्के) और कामिल पूरन (42 रन, 27 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) की उम्दा पारियां शामिल थीं. इसके अलावा शमार स्प्रिंगर (11 गेंद में नाबाद 35, चार छक्के, दो चौके) ने अंत में तूफानी पारी खेली लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके. भारत की ओर से अर्शदीप ने 44 रन पर तीन जबकि नमन धीर ने 39 रन पर दो विकेट चटकाए।

माया ने तोड़ा सानिया मिर्जा का 22 साल पुराना रिकॉर्ड

17 साल में महिला प्रो-टेनिस चैंपियन, सबसे युवा भारतीय बनीं



नईदिल्ली (एजेंसी)। 17 साल की भारतीय टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती ने सानिया मिर्जा का 22 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने रविवार को पुर्तगाल के लागोस में आईटीएफ डब्ल्यू 35 टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टाइटल जीतने वाली सबसे युवा भारतीय बनी हैं। 17 साल 3 महीने की माया ने विमेंस सिंगल्स के फाइनल में स्पेन की सीलिया सरविनो को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। सानिया मिर्जा ने 2004 में 17 साल 10 महीने की उम्र में खिताब जीता था।

पहले राउंड में 0-5 से पिछड़ने के बाद टॉप सीड को हराया - दुनिया की 1038वें नंबर की खिलाड़ी माया ने मुख्य ड्रॉ के पहले राउंड में टॉप सीड और वर्ल्ड नंबर-246 जुस्तिना मिकुलस्काइट को 7-6(1), 6-1 से हराया।पहले सेट में वह 0-5 से पिछड़ गई थीं, लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए सेट टाईब्रेकर में जीत लिया। दूसरे राउंड में माया ने अर्जेंटीना की बर्टा बोनार्डी को 6-2, 6-0 से हराया।

विमेंस डबल्स में भी चैंपियन बनीं - माया ने यूक्रेन की येलिजवेता कोट्लियार के साथ डबल्स खिताब भी अपने नाम किया। उन्होंने अपनी जोड़ीदार के साथ फाइनल में मिन लियू और कार्लोटा मोचिया को 0-6, 6-2, 10-7 से हराया।

दबाव कम करने के लिए मन में गाना गुनगुनाया

फाइनल में पहला सेट जीतने के बाद माया ने मन ही मन गाना गुनगुनाना शुरू कर दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि मैं बहुत ज्यादा दबाव ले रही हूं। तनाव कम करने के लिए मैंने मन में गाना गुनगुनाना शुरू कर दिया।'उन्होंने कहा, 'पहला खिताब हमेशा खास होता है। इस हफ्ते की कई अच्छी यादें मेरे साथ रहेंगी। इस जीत से मुझे कॉन्फिडेंस मिला है कि मैं बड़े स्तर पर मुकाबला कर सकती हूं।

पीवी सिंधु को डेनमार्क ओपन में कठिन ड्रॉ मिला

पहले ही मैच में वर्ल्ड नंबर-1 से मैच; 12 अक्टूबर से टूर्नामेंट

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को डेनमार्क ओपन में कठिन ड्रॉ मिला है। मंगलवार से डेनमार्क के ओडेंस में शुरू होने जा रहे इस टूर्नामेंट में सिंधु का पहला मैच दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी और मौजूदा चैंपियन एन से-यंग से होगा। 2 बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु एन के खिलाफ पिछले 10 मैच हार चुकी हैं। उनके अलावा, मेंस सिंगल्स में लक्ष्य सेन के सामने तीसरी वरीयता प्राप्त चाउ तिएन चेन की चुनौती होगी।सिंधु 2 दिन पहले आर्कटिक ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल से हारकर बाहर हो गई थीं।

सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन जीता था - पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी थीं।सिंधु ने फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मुकाबला करीब 50 मिनट तक चला था।

लक्ष्य को चाउ से पार पाना होगा - एशियाड में खराब प्रदर्शन के बाद लक्ष्य सेन अपनी फॉर्म हासिल करना चाहेंगे। पिछले 2 साल में उनका प्रदर्शन अप-डाउन होता रहा है।लक्ष्य इस साल दूसरी बार ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के उपविजेता रहे। 2022 में भी वे इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे। 2024 में ओलिंपिक सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य भारत के इकलौते पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी हैं। वे पीठ की चोट से परेशान रहे हैं।

आयुष और श्रीकांत भी मैदान में - आयुष शेट्टी अपने शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहेंगे। उन्होंने 2025 में यूएस ओपन सुपर 300 का खिताब जीता था। इस साल विश्व चैंपियनशिप में आयुष ने तत्कालीन दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी शी यूची को हराकर सुर्खियां बटोरी थीं।उनका सामना इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा। विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में अल्वी ने आयुष को हराया था। किदांबी श्रीकांत का मुकाबला फ्रांस के अनौंड मर्कल से होगा।



महिला सिंगल्स में पांच भारतीय - भारत की महिला सिंगल्स चुनौती में तान्वी शर्मा, अस्मिता चालिहा, देविका सिहाग और उन्नति हूडा भी शामिल हैं। तान्वी का पहले दौर में जापान की नात्सुकी निदाइरा से मुकाबला होगा। उन्होंने अगस्त में ताइपे ओपन जीतकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता था।

अस्मिता का सामना बुल्गारिया की कलोयाना नलबांतवा से होगा। अस्मिता भी अगस्त में कोरिया मास्टर्स सुपर 300 जीतकर टूर-लेवल चैंपियन बनी थीं। देविका के सामने थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग होंगी। उन्नति चीन की हान चियान शी के खिलाफ खेलेंगी।

सात्विक-चिराग से वापसी की उम्मीद - पुरुष डबल्स में पूर्व दुनिया की नंबर-1 जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी वापसी करना चाहेंगे। एशियाई खेलों में यह जोड़ी पहले दौर में चौंकाने वाली हार के साथ बाहर हो गई थी।भारतीय जोड़ी ने मई में सिंगापुर ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। इससे उनका दो साल से चला आ रहा खिताबी सूखा खत्म हुआ था।इसके बाद उन्होंने पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब भी जीता। पांचवीं वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग का पहले दौर में चीन के हे जी तिंग और रेन शियांग यू से मुकाबला होगा।

ट्रीसा-गायत्री पर भी नजर - महिला डबल्स में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद भारत की चुनौती की अगुआई करेंगी। इस जोड़ी ने अगस्त में विश्व चैंपियनशिप में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों में दोनों क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थीं।वहां उन्हें मलेशिया की पियर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन ने हराया था। डेनमार्क ओपन में ट्रीसा और गायत्री का पहले दौर में चीनी ताइपे की यान फेई चेन और हिसएह पेई शान से मुकाबला होगा।

पाकिस्तान टी-20 में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाकर जीता

श्रीलंका को 82 रन से हराया, सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान ने दूसरे टी-20 इंटरनेशनल में श्रीलंका को 82 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। श्रीलंकाई टीम घर से बाहर लगातार तीसरी टी-20 सीरीज हारी है। पाकिस्तान ने रविवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 215 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम का सर्वोच्च स्कोर 232/6 है, जो उसने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 133 रन ही बना सकी। तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान ने 11 रन देकर 3 विकेट लिए। इससे पहले माज सदाकत ने 51 गेंदों पर 96 और कप्तान साहिबजादा फरहान ने 73 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों को कैच छूटने का फायदा मिला। कैच छूटने का पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने उठाया फायदा



श्रीलंका की खराब फील्डिंग का पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया। कप्तान साहिबजादा फरहान जब 11 रन पर थे, तब सिनेथ जयवर्धने ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। इससे पहले बिनुरा फर्नांडो के ओवर में महेश तीक्ष्णा ने भी उनका मुश्किल कैच टपकाया था। दो जीवनदान मिलने के बाद फरहान ने 5 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 73 रन बनाए। 15वें ओवर में दासुन शनाका की गेंद पर महेश तीक्ष्णा ने सीमा रेखा के पास उनका कैच पकड़ा।

100 मीटर स्केटिंग में 12 वर्षीय बच्ची का कमाल

17.96 सेकंड में दूरी तय करके गिनीज बुक में बनाई जगह

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। मुंबई की एक बारह साल की बच्ची ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में जगह बनाई है. अदिति मांजरेकर ने 'इनलाइन स्केट्स बैकवर्ड कैटेगरी' में सबसे तेज 100 मीटर की दूरी तय करके रिकॉर्ड बनाया. उसने यह कारनामा सिर्फ 17.96 सेकंड में कर दिखाया।

कड़ी मेहनत से मिली सफलता - पूर्वी मुंबई के उपनगर भांडुप में रहने वाले बच्ची के पिता, प्रसाद मांजरेकर ने मीडिया से खास बातचीत में बच्ची की सफलता का श्रेय अपनी बेटी की कड़ी मेहनत और लगन को दिया. उन्होंने कहा कि बच्ची ने रिकॉर्ड बनाने के लिए बहुत मेहनत की और कड़ी ट्रेनिंग ली. उसकी इस उपलब्धि से घर में खुशी का माहौल है. प्रसाद ने ये भी कहा, 'हम भविष्य में स्केटिंग में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए अदिति का हौसला बढ़ाते रहेंगे. मैं उसे भारत का



प्रतिनिधित्व करते हुए देखना चाहता हूं।'

वहीं अदिति ने कहा कि वह अपने माता-पिता और शिक्षकों के सहयोग से ही यह उपलब्धि हासिल कर पाई है. उसने कहा, 'मैंने जो हासिल किया है, वह मेरे माता-पिता और शिक्षकों के सहयोग से ही संभव हो पाया है. मैं देश का नाम रोशन करना चाहती हूं. भविष्य में, मैं देश के लिए खेलना चाहती हूं।'

पिता एक कैफे चलाते हैं - ये भी उल्लेखनीय है कि अदिति बहुत साधारण परिवार से आती है. उसके पिता एक कैफे चलाते हैं. उसने अपने कैफे के सामने ही एक स्केटिंग कोच से ट्रेनिंग ली. शुरू में उसके माता-पिता को लगा कि वह हार मान लेगी, उन्हें अंदाजा नहीं था कि वह इतनी लगन दिखाएगी और रिकॉर्ड बनाएगी. उसने हर दिन दो से ढाई घंटे प्रैक्टिस की और पिछले तीन सालों में 26 मेडल जीते।

अदिति ने इस खास लिस्ट में जगह बनाने के लिए कर्नाटक के बेलगाम में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए कोशिश की. प्रसाद ने कहा, 'उस समय हममें से कोई भी उसके साथ नहीं था. रिकॉर्ड बनाने में उसने जो दृढ़ संकल्प दिखाया, उस पर हमें सचमुच गर्व है।



फ्रीडा पिंटो ने दी करियर बदलने की सलाह

हरलीन सेठी के एक्टिंग करियर की शुरुआत डांस से हुई। वह डांस करती थीं और सिखाती भी थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात 'स्लमडॉग मिलेनियर' फेम अभिनेत्री फ्रीडा पिंटो से हुई। फ्रीडा ने हरलीन से डांस की कुछ पर्सनल क्लासेस ली थीं। इसी दौरान उन्होंने हरलीन से एक्टिंग में आने के बारे में पूछा।

फ्रीडा उस वक्त फिल्म 'डेजर्ट डांसर' की तैयारी कर रही थीं। उन्हें अपने बॉडी मूवमेंट और परफॉर्मेंस पर काम करना था। इसके लिए उन्होंने हरलीन से ट्रेनिंग ली। बातचीत में हरलीन ने बताया, 'जब मैं डांस इंस्ट्रक्टर थी और डांस सीखती और सिखाती थी, तब फ्रीडा पिंटो ने मेरे साथ कुछ क्लासेस की थीं। वह डांस और परफॉर्मेंस सीखना चाहती थीं। उन्हें अपनी बॉडी में थोड़ी एजिलिटी लानी थी। वह फिल्म 'डेजर्ट डांसर' करने जा रही थीं। इसलिए उन्होंने मेरे साथ पर्सनल ट्रेनिंग ली। हमने उनकी बॉडी मूवमेंट और फ्लूडिटी पर काम किया।'

फ्रीडा की बात आज भी याद है

इसी दौरान फ्रीडा ने हरलीन से एक्टिंग में आने के बारे में पूछा। हरलीन के लिए यह बात खास थी, क्योंकि उस वक्त उन्होंने एक्टिंग को लेकर कोई प्लान नहीं बनाया था।

हरलीन ने कहा, 'फ्रीडा पिंटो उन पहले लोगों में से थीं, जिन्होंने मुझसे कहा कि तुम एक्टिंग क्यों नहीं करतीं? जब वह मुझसे डांस सीखती थीं, तो मैं उन्हें परफॉर्म करके दिखाती थी कि ऐसे करना है, ये करो। इसी वजह से हमारी अच्छी बॉन्डिंग हो गई थी। वह और उनकी बहन शायना बहुत स्वीट हैं। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। हम साथ में काम किया करते थे।'

मैं डायरेक्टर बनना चाहती थी

हरलीन उस समय एक्टिंग के बजाय डायरेक्शन में जाना चाहती थीं। उन्होंने बताया, 'मैं डायरेक्टर बनना चाहती थी। मैंने एडवरटाइजिंग में स्पेशलाइज किया था। मुझे हमेशा से पता था कि मुझे परफॉर्मिंग आर्ट्स में कुछ करना है। लेकिन बचपन से यह तय नहीं था कि आखिर करना क्या है। फिर मुझे लगा कि शायद मैं डायरेक्शन करूंगी।

डायरेक्टर एक्टर्स का कैप्टन होता है। तो मैंने सोचा कि मैं वहीं से अपनी जर्नी शुरू करती हूं।फिर मैंने बहुत सारी एड फिल्में करना शुरू कीं। वहां से मेरी जर्नी एक्चुअली शुरू हुई ..बिहाइंड द कैमरा।'

इन प्रोजेक्ट्स में दिखीं हरलीन

बता दें कि करीब 13 साल के एक्टिंग सफर में हरलीन 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल', 'कोहरा', 'सुल्तान ऑफ दिल्ली', 'बी हैप्पी' और 'शक: ट्रस्ट नो वन' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं।





पहले टीवी इंडस्ट्री में नकारात्मक किरदार को बिल्कुल बुरा दिखाते थे

अभिनेत्री रावी गुप्ता इन दिनों लोकप्रिय सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन में 'दामिनी' (गौतम विरानी की पत्नी) के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पहले की तुलना में आज काम करने का तरीका पूरी तरह से बदल गया है। उन्होंने बातचीत में कहा कि पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ी है और मुझे लगता है कि आगे भी बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा, 'इंडस्ट्री में बदलाव आगे भी जारी रहेगा, खासकर तकनीक के मामले में। अगर मैं 'क्योंकि सास भी बहू की तुलना-2' की तुलना पहले शो से करूं, तो दोनों की तकनीक में जमीन-आसमान का फर्क है। अभिनेत्री ने अपने किरदार पर बात करते हुए कहा, 'मेरा किरदार खुद ही एक सरप्राइज है। लोगों को लगा था कि दामिनी निगेटिव होगी, क्योंकि पिछले सीजन में मैंने निगेटिव रोल किया था। सबको लगा कि वह कुछ गलत करेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। असल में वह एक आम औरत है, जिसकी अपनी परेशानियां हैं। वह ज्यादा ड्रामा नहीं करती और यही इस किरदार को खास बनाती है।'

अभिनेत्री ने बताया कि पहले के मुकाबले अब उन्हें डेली सोप में बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'पहले के समय में निगेटिव रोल को बिल्कुल बुरा ही दिखाते थे, जैसे कि उनमें कुछ अच्छा है ही नहीं और उनकी हर चीज को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता था। खासकर महिलाओं के मामले में, अगर किरदार पॉजिटिव है, तो उसे देवी बना दिया जाता था, लेकिन अब मुझे बदलाव नजर आ रहा है। डेली सोप में भी अब किरदारों में गहराई देखने को मिल रही है, जो कि अच्छा बदलाव है।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक समय था जब डेली सोप को लेकर सोच बन गई थी कि महिलाओं को हमेशा दबा हुआ दिखाया जाता था। उन्हें तभी अच्छा माना जाता था, जब वह परिवार के लिए कुर्बानी दें। असल, जीवन में इस तरह का दिखावा महिलाओं को पीछे धकेल सकता है। अब मैं देख रही हूं कि किरदार कैसे बदल रहे हैं। अब डेली सोप में महिलाओं को घरेलू हिंसा और मैरिटल रेप जैसे मुद्दों पर बात हो रही है, जो कि बहुत जरूरी है और ऐसे मुद्दे समाज में बहुत बड़ा असर भी छोड़ रहे है।



प्रियंका चोपड़ा ने फहाद फासिल की तेलुगु फिल्म 'डोंट ट्रबल द ट्रबल' को दिया अपना समर्थन

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने फहाद फासिल की तेलुगु फिल्म 'डोंट ट्रबल द ट्रबल' को अपना समर्थन दिया है। इस फिल्म को एसएस कार्तिकेय ने प्रोड्यूस किया है और एसएस राजामौली ने इसे पेश किया है। जैसे ही फिल्म ने 2 अक्तूबर को बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत की, अभिनेत्री ने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया और लिखा, 'इसे दुनिया के सामने आते देखकर बहुत खुशी हो रही है! कार्त, तुम्हें और 'डोंट ट्रबल द ट्रबल' की पूरी टीम को ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं।

क्या है फिल्म की कहानी

'डोंट ट्रबल द ट्रबल' में फहाद फासिल ने सूरी नाम के एक जादूगर का रोल किया है। उसकी दोस्ती सारा पालेकर नाम की एक युवा लड़की से हो जाती है। कहानी में एक फैंटेसी मोड़ तब आता है, जब उस लड़की में अलौकिक शक्तियां आ जाती हैं। पता चलता है कि वह एक जिन्न है जो इच्छाएं पूरी कर सकती है। यह फिल्म शशांक येलेटी के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। 'एनिमल' फिल्म के कलाकार सौरभ सचदेवा ने भी इसमें



अहम भूमिका निभाई है। इस फिल्म में फैंटेसी, एडवेंचर है। इसे परिवार के साथ देखने लायक बनाया गया है।

'वाराणसी' में प्रियंका

वहीं, प्रियंका चोपड़ा जोनास एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' के साथ भारतीय सिनेमा में अपनी वापसी की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में महेश बाबू रुद्र के रोल में, प्रियंका चोपड़ा जोनास मंदाकिनी के रोल में और पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभ के रोल में नजर आएंगे। राजामौली ने बताया है कि कहानी वाराणसी से शुरू होकर अंटार्कटिका, अफ्रीका और प्राचीन रोम तक जाएगी और फिर वापस अपनी शुरुआती जगह पर लौटेगी।



विजय से सेट पर बहुत कुछ सीखती हूं

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जल्द ही अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ आगामी ड्रामा फिल्म 'रणबाली' में नजर आएंगी। शादी के बाद यह दोनों की पहली बड़ी फिल्म होगी, जिसमें वे साथ स्क्रीन साझा करेंगे। बुधवार को रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'आस्क मी एनीथिंग' सत्र आयोजित किया। इस दौरान एक प्रशंसक ने उनसे विजय देवरकोंडा के साथ काम करने का अनुभव पूछा। इस पर 'एनिमल' फेम अभिनेत्री ने कहा कि विजय के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है, लेकिन काम के मामले में वह बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके साथ काम करते हुए हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिलता है। एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, 'हाय मैम, रणबाली के सेट पर विजय सर के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा?' इसके जवाब में रश्मिका ने कहा, 'हमेशा बहुत सारा मजा आता है, लेकिन अगर गंभीरता से कहूं तो वह सेट पर अपने काम को लेकर बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं, जैसा कि आप सभी जानते हैं। हमेशा की तरह मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है।' इससे पहले 'रणबाली' के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने खुलासा किया था कि उन्होंने फिल्म में रश्मिका के किरदार का नाम अपनी मां के नाम पर रखा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जब मैं 'रणबाली' लिख रहा था, तब इसकी दुनिया के हर छोटे-बड़े विवरण ने मुझे यादों में पहुंचा दिया। जब मैंने महिला नायिका का किरदार लिखा, तो मैंने उसे कुछ बहुत निजी चीज दी, मैंने उसे अपनी मां का नाम दिया।' उन्होंने आगे कहा, 'उसके हर भाव और अनुभव को लिखते समय मैंने पूरा ध्यान रखा कि वह ऐसी महिला बने, जो आज की महिलाओं को भी प्रेरित कर सके, भले ही वह किसी दूसरे दौर की पात्र हो।' इस बीच, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा 'रणबाली' की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने अपनी टीम का एक वीडियो साझा किया और लिखा, '130 दिनों की इस शानदार यात्रा का समापन हो गया। मेरी अथक और ऊर्जावान टीम का धन्यवाद।'

संदीपा धर ने आतिश कपाड़िया को दिया कॉमेडी से परिचय कराने का श्रेय

मुंबई नेटफ्लिक्स की चुंबक अपने मजेदार किरदारों और हल्के-फुल्के हास्य के कारण दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। शो में संदीपा धर, किरण का किरदार निभा रही हैं, जो बाकी अजीबोगरीब किरदारों के बीच बेहद समझदार हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा, किरण का किरदार निभाना मेरे लिए बिलकुल आसान नहीं था, क्योंकि वह शो की सबसे समझदार इंसान है। उसे अपने एक्शन से ही कॉमडी करना था, लेकिन साथ ही इस बात का ख्याल भी रखना था कि उसके एक्शंस बनावटी न लगें। हालांकि इस बारे में मैंने आतिश से काफी चर्चा भी की थी। संदीपा की माने तो आतिश कपाड़िया की कहानी सुनाने की शैली और किरदारों को जीवंत करने की उनकी कला ने ही उन्हें चुंबक से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यही नहीं किरण के रूप में उनका संतुलित और सहज अभिनय शो की खासियत बनकर उभरा है और दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है।



किसी फिल्म को 'पैन-इंडिया' बनाने का कोई तय फॉर्मूला नहीं हो

अभिनेता-निर्देशक कुणाल खेमू की फिल्म 'वाइब' का प्रदर्शन सिनेमाघरों में संतोषजनक नहीं रहा। एक बातचीत के दौरान एक्टर ने 'पैन-इंडिया' टैग के बारे में बात की। इसके साथ ही 'हनुमान अंश' के बारे में भी काफी कुछ कहा। कुणाल खेमू ने बातचीत में विशाल चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित 'हनुमान अंश' पर भी चर्चा की। महज 2 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। इस पर एक्टर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ अखिल भारतीय फिल्म है, यह एक अखिल अंतरराष्ट्रीय फिल्म बन गई है। दुनिया भर में हर कोई इस फिल्म को देख रहा है।' उन्होंने आगे अपनी बात को समझाते हुए कहा कि किसी फिल्म को 'पैन-इंडिया' बनाने का कोई तय फॉर्मूला नहीं होता। उनके अनुसार, यह टैग काफी हद तक एक व्यापारिक शब्द है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि फिल्म अलग-अलग क्षेत्रों में कैसा प्रदर्शन करती है।' आगे अपनी बातचीत में कुणाल ने कहा, 'यही हमें उम्मीद देता है। एक कलाकार का सफर कई बार दिल टूटने, आश्चर्यों और चुनौतियों से भरा होता है। इसलिए, अंत में यह सब देखना वाकई दिल को छूने वाला, उत्साहवर्धक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जो पूरी तरह से कहानी पर आधारित होती हैं और दर्शकों को पसंद आती हैं, और यही बात बहुत मायने रखती है। वे तथाकथित मानदंडों या सफल फिल्म बनाने के किसी तय फॉर्मूले से निर्देशित नहीं होतीं।



एसआईआर में कथित गड़बड़ी के खिलाफ कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट पहुंची, राहुल-अखिलेश समेत 11 नेता याचिकाकर्ता

विपक्षी नेताओं ने बाराखंबा से सुप्रीम कोर्ट तक निकाला मार्च, चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बनाया पक्षकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ कांग्रेस ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। याचिका में राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं। चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इसमें पक्षकार बनाया गया है। याचिका दाखिल करने से पहले विपक्षी नेताओं ने बाराखंबा से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। करीब एक किलोमीटर लंबे इस मार्च में नेता बसों, पैदल और अन्य वाहनों के जरिए आगे बढ़े। इससे पहले राहुल गांधी ने करीब 40 मिनट की प्रेस कॉन्फ्रेंस में विपक्ष के मार्च को शिवाजी की बारात की तरह बताते हुए कहा कि इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। इससे पहले विपक्षी सांसदों ने रविवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को पत्र लिखकर मुलाकात का समय मांगा था, ताकि अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंप सकें। सीजेआई ने मिलने से इनकार करते हुए नेताओं को उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत याचिका दाखिल करने की सलाह दी थी।

याचिका दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने की मांग

राहुल गांधी की कानूनी टीम ने सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में शाम 4:30 बजे की समय-सीमा के बाद याचिका दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। आम तौर पर ऐसे मामलों में पक्षकार सुप्रीम कोर्ट की 24 घंटे उपलब्ध ई-फाइलिंग सेवा का इस्तेमाल कर सकते हैं। अखिलेश यादव बोले- लोकतंत्र बचाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि आंदोलन और धरना जारी रहेगा तथा लोकतंत्र की रक्षा करना विपक्ष की जिम्मेदारी है। उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग पर मिलकर संविधान तथा लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। अखिलेश ने मतदाता सूची और मतदान प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि विपक्ष अपनी आवाज उठाता रहेगा। इस बीच, कांग्रेस के प्रदर्शन के कारण सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर बंद किए गए दिल्ली के सभी मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार दोबारा खोल दिए गए।



ठाणे के होटल में देह व्यापार के कथित रैकेट का खुलासा, टीवी एक्ट्रेस को कराया गया रेस्क्यू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र पुलिस ने ठाणे के मीरा-भायंदर रोड स्थित एक होटल में छापा मारकर देह व्यापार और मानव तस्करी के कथित रैकेट का खुलासा किया है। कार्रवाई के दौरान 35 वर्षीय टीवी एक्ट्रेस को रेस्क्यू कराया गया, जो हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों और वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं। पुलिस ने इस मामले में 39 वर्षीय तबस्सुम उर्फ सोनिया उमर कुरैशी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह मनोरंजन जगत से जुड़ी महिलाओं को फोटोशूट और काम दिलाने के बहाने बुलाकर देह व्यापार में धकेलती थी। पुलिस के मुताबिक, एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) से इस कथित रैकेट की जानकारी मिलने के बाद कार्रवाई की योजना बनाई गई। 8 अक्टूबर को पुलिस ने होटल में ग्राहक बनकर एक अंडरकवर व्यक्ति भेजा। जानकारी जुटाने के बाद टीम ने छापा मारा और आरोपी महिला को पकड़ लिया। पुलिस का आरोप है कि वह महिलाओं को देह व्यापार में शामिल करने के बदले पैसे ले रही थी। रेस्क्यू कराई गई एक्ट्रेस की पहचान और उनके काम से जुड़ी अन्य जानकारी पुलिस ने सार्वजनिक नहीं की है। बचाव के बाद उन्हें सुरक्षा के लिए मुंबई स्थित रेस्क्यू फाउंडेशन में रखा गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला और उसका कथित पुरुष साथी मनोरंजन जगत में काम करने वाली महिलाओं को निशाना बनाते थे। पुलिस अब उसके साथी की तलाश कर रही हैं।



गांधीनगर में जिग्नेश मेवाणी समेत 8 लोगों पर मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में गांधीनगर नगर निगम चुनाव के बीच कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी और उनके समर्थकों के खिलाफ पेठापुर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, वार्ड नंबर 4 के कांग्रेस प्रत्याशी और कार्यकर्ताओं को भाजपा के एक प्रचारक को कथित धमकी देने के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। इसी दौरान मेवाणी समर्थकों के साथ थाने पहुंचे। पुलिस ने विधायक समेत आठ लोगों पर हंगामा करने और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में मामला दर्ज किया है। मेवाणी ने पुलिस पर सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई का विरोध किया।



LCB की लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए आयोजित 'कॉम्बिंग नाइट' में हथियारबंद इलियास उर्फ मच्छी पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

आनंद। आनंद लोकल क्राइम ब्रांच ने नवरात्रि और विजयादशमी (दशहरा) जैसे पवित्र त्योहारों के दौरान आणंद ज़िले में लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने और असामाजिक तत्वों की योजनाओं को नाकाम करने के लिए कड़ी कार्रवाई करने को कहा है। त्योहारों के मौसम में किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए ज़िला पुलिस चीफ के निर्देश पर आयोजित एक खास 'कॉम्बिंग नाइट' के दौरान, LCB टीम ने एक सनसनीखेज ऑपरेशन में कुख्यात आरोपी इलियास उर्फ मच्छी को एक अवैध देसी पिस्तौल और ज़िंदा कारतूस के साथ रंगे हाथों पकड़ा। जब आणंद LCB की अलग-अलग टीमें क्रिमिनल हिस्ट्री वाले लोगों, असामाजिक व्यक्तियों और संदिग्ध इलाकों में गहन चेकिंग और पेट्रोलिंग (कॉम्बिंग नाइट) कर रही थीं, तो एक खास गुप्त सूचना मिली। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने तुरंत घेराबंदी करके रेड की। रेड के दौरान, इलियास उर्फ ??मच्छी नाम के एक आदमी की तलाशी ली गई, जो शक के घेरे में घूम रहा था। उसके पास से एक गैर-कानूनी देसी पिस्तौल (तंचा) और 3 ज़िंदा कारतूस (लव मैगज़ीन/गोला-बारूद) मिले। पुलिस ने मौके से खतरनाक हथियार और कारतूस ज़ब्त कर लिए हैं और आरोपी इलियास उर्फ ??मच्छी को हिरासत में ले लिया है। त्योहारों के मौसम में इतनी भयानक देसी पिस्तौल और ज़िंदा कारतूस के साथ आरोपी का पकड़ा जाना इस बात का इशारा है कि यह मात्रा किसी बड़ी घटना या आपराधिक साज़िश को अंजाम देने के इरादे से रखी गई होगी आनंद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज करके आगे की कड़ी पूछताछ शुरू कर दी है।



दांता के गार्डन इलाके में शराब की होम डिलीवरी का आरोप, बिना नंबर प्लेट की नीली ज़ुपिटर चर्चा में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की मुलाकात की मांग ठुकरा दी है। दोनों नेताओं ने चुनाव आयोग, मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, छात्रों की हिरासत और मेट्रो सेवाओं से जुड़े मुद्दों पर ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था। सीजेआई ने पत्र में कहा कि ये मामले पहले से सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं। ऐसे में प्रशासनिक स्तर पर बैठक करना शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत और न्यायिक मर्यादा के अनुरूप नहीं होगा। उन्होंने नेताओं को उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत याचिका दाखिल करने की सलाह दी और कहा कि याचिका पर कानून के अनुसार जल्द सुनवाई की जा सकती है।



CJP का दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम, प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली तो आंदोलन की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। देश की राजधानी दिल्ली में खाकी और प्रदर्शन कर रहे नेताओं के बीच चल रही हाई-वोल्टेज लड़ाई अब आर-पार की लड़ाई में बदल गई है। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई और हिरासत में लिए जाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली पुलिस को पहली बार 24 घंटे का आखिरी अल्टीमेटम दिया है, जिससे देश की राजधानी में बड़ा धमाका होने वाला है। CJP नेताओं ने साफ तौर पर धमकी दी है कि अगर सिस्टम और पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए ऑफिशियल परमिशन नहीं दी तो दिल्ली की सड़कों पर एक बार फिर बड़ा और उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा। इस पूरे विवाद के बीच, CJP के फायरब्रांड नेता अभिजीत दीपके ने दिल्ली पुलिस और अधिकारियों की साज़िशों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पुलिस कस्टडी के दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद, अभिजीत दीपके ने पलटवार करते हुए तीखा आरोप लगाया है कि पुलिस ने जनता और मीडिया को गुमराह करने के लिए कस्टडी का अधूरा और कट-पेस्ट किया हुआ वीडियो जनता के सामने पेश किया है। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस जो सच छिपाना चाहती है, उसे अधूरे क्लिप दिखाकर नहीं छिपाया जा सकता।

MPSC में सुधार के लिए कमेटी गठित, 10 दिन बाद अभ्यर्थियों का आंदोलन खत्म

आयोग के अध्यक्ष विवेक भीमनवार जांच पूरी होने तक छुट्टी पर गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य लोक सेवा आयोग में सुधार के लिए रविवार को कमेटी गठित की। इसके बाद पुणे में पिछले 10 दिनों से प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने आंदोलन समाप्त कर दिया। कमेटी की अध्यक्षता पूर्व जज दिलीप भोसले करेंगे, जबकि फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के कमिश्नर तुकाराम मुंढे को सदस्य सचिव बनाया गया है। कमेटी में आईपीएस अधिकारी लक्ष्मी गौतम, पूर्व आईएएस अधिकारी गणेश पाटिल और सेवानिवृत्त जज पीडी नाइक भी शामिल हैं राज्य के मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले ने प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को कमेटी के गठन की जानकारी दी। अभ्यर्थी कंप्यूटर आधारित परीक्षा कराने के फैसले के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी मांग थी कि परीक्षाएं ऑफलाइन कराई जाएं। मंत्री ने आंदोलन से जुड़े लोगों पर दर्ज मामले वापस लेने, तीन साल में 70 हजार पदों पर भर्ती करने, जनवरी में होने वाली ग्रुप-सी परीक्षा में सीटें बढ़ाने और आयोग के अध्यक्ष व सचिव की नियुक्ति से पहले उनके पृष्ठभूमि की जांच कराने जैसी मांगों पर भी भरोसा दिया। कमेटी के गठन के बीच MPSC अध्यक्ष विवेक भीमनवार ने न्यायिक जांच पूरी होने तक छुट्टी पर जाने की घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि वे हमेशा नैतिकता को प्राथमिकता देते रहे हैं। इसी वजह से उन्होंने जांच पूरी होने तक पद पर बने रहने के बजाय छुट्टी पर जाने का फैसला किया। इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने 7 अक्टूबर को सुनवाई करते हुए महाराष्ट्र सरकार से तीन सप्ताह के भीतर खाली पदों और भर्ती प्रक्रिया पर जवाब मांगा था। सरकार को भर्ती का रोडमैप भी पेश करना होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आयोग की जांच कराने की बात कही है। अभ्यर्थियों का आक्रोश अगस्त में ड्रग इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद और बढ़ गया था। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में ड्रग इंस्पेक्टर ग्रुप-बी पदों की भर्ती प्रक्रिया पेपर लीक के बाद रद्द कर दी गई थी। यह परीक्षा 22 मार्च 2026 को हुई थी। जुलाई में परिणाम जारी होने के बाद अभ्यर्थियों के साक्षात्कार भी हो चुके थे। इसके बाद भर्ती प्रक्रिया को लेकर अभ्यर्थियों में नाराजगी बढ़ गई।





जैन मैरी ने हिरासत के बाद दिखाए चोट के निशान, इमरान खान समेत कई प्रदर्शनकारी भी लिए गए थे हिरासत में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता आमिर खान की भांजी जैन मैरी ने 8 अक्टूबर को मुंबई में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए जाने के बाद सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किया है। वीडियो में उन्होंने अपनी बांह, उंगलियों और पैरों पर चोट के निशान दिखाए। जैन ने हिरासत के दौरान कथित दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा, 'हमें इतना मत डराइए कि पहले से कोई डर ही बाकी न रहे जैन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी एक वीडियो साझा किया, जिसमें उनकी जांघ पर नील के निशान दिखाई देते हैं। उन्होंने दावा किया कि हिरासत के दौरान उन्हें चोटें आईं। उनके साथ अभिनेता इमरान खान और लेखा वॉशिंगटन को भी मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। तीनों को कुछ घंटे बाद छोड़ दिया गया। मुंबई पुलिस ने रविवार को इमरान खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की जानकारी दी। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 223, 126(2), 189(2), 189(3) और 189(5) लगाई गई हैं। पुलिसकर्मी इस मामले में शिकायतकर्ता बने हैं। जैन ने हिरासत के दौरान के वीडियो भी साझा किए, जिनमें वे, लेखा और इमरान पुलिस से हिरासत में लेने का कारण पूछते दिखाई देते हैं। इमरान ने दावा किया कि उन्हें करीब दो घंटे तक पुलिस वैन में घुमाया गया और हिरासत की वजह नहीं बताई गई। CJP के सदस्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे।



जंतर-मंतर प्रदर्शन के बीच युवकों और प्रदर्शनकारियों में हुई बहस, दिल्ली पुलिस ने जांच में वाहन से कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिलने का किया दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में 11 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी केंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान कनॉट प्लेस में विवाद का मामला सामने आया। उपलब्ध वीडियो में कुछ युवक एक कार से लाठियां निकालते और प्रदर्शनकारियों की ओर बढ़ते दिखाई देते हैं। आरोप है कि मौके पर मौजूद मीडियाकर्मियों ने पुलिस को कार में लाठियां होने की सूचना देकर जांच की मांग की थी, लेकिन पुलिस ने वाहन को बिना जांच किए जाने दिया। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि वाहन की जांच में कोई गैरकानूनी या आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली।

कार से लाठियां निकालने का वीडियो सामने आया

करीब 2 मिनट 7 सेकेंड के वीडियो में कनॉट प्लेस में पार्किंग के सामने सड़क पर एक कार खड़ी दिखाई देती है। उसके आसपास 10 से 15 युवक मौजूद नजर आते हैं। इसी दौरान प्रदर्शनकारी वहां से गुजरते हैं और एक युवक कार की पिछली सीट की ओर का दरवाजा खोलकर दो लाठियां निकालता दिखाई देता है। वह प्रदर्शनकारियों की ओर बढ़ता है, लेकिन दूसरा युवक उसे रोककर वापस कार की तरफ भेज देता है। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और युवकों के बीच बहस होती है। वीडियो में कुछ लोग युवकों की ओर बढ़ते दिखाई देते हैं, जिसके बाद युवक दुकानों की तरफ चले जाते हैं। इसी दौरान लाठी निकालने वाला युवक वीडियो बना रही एक लड़की की ओर लाठी उठाता नजर आता है। वीडियो में कार के निकलने के दौरान लोग उसे घेरकर उसमें डंडे होने की बात कहते भी सुनाई देते हैं। घटनाक्रम के दौरान कार वहां से निकलने लगती है। आरोप है कि मौके पर मौजूद लोग पुलिसकर्मियों को बार-बार वाहन में लाठियां होने की जानकारी देते रहे, लेकिन पुलिस ने कार को रास्ता देकर वहां से निकलने दिया। इसके बाद पुलिस ने मीडियाकर्मियों को मौके से हटा दिया। हालांकि, इन आरोपों और वीडियो में दिखाई देने वाली घटनाओं के संबंध में सभी तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। वीडियो में कार का नंबर UP 14 4945 दिखाई देने का दावा किया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, UP 14 गाजियाबाद का क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय कोड है और कार का पंजीकरण 21 जनवरी 2026 को हुआ बताया गया है। कार के आगे न्यू दिल्ली बार एसोसिएशन और पटियाला हाउस कोर्ट के स्टिकर भी दिखाई देने की बात कही गई है। वाहन के मालिक की पहचान और कार से जुड़े अन्य विवरणों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। दिल्ली पुलिस के डीसीपी नई दिल्ली नामक एक्स खाते से रात करीब 12 बजे जारी पोस्ट में कहा गया कि वाहन को नियमित सत्यापन के लिए पुलिस थाने ले जाया गया था। पोस्ट के अनुसार, संबंधित व्यक्ति की प्रोफाइल की जांच की गई और उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला। पुलिस ने यह भी दावा किया कि वाहन की गहन जांच में कुछ भी गैरकानूनी या आपत्तिजनक नहीं पाया गया। एक ओर वीडियो में कार से लाठियां निकालने और प्रदर्शनकारियों के साथ विवाद के दृश्य दिखाई देने का दावा किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर पुलिस ने जांच में आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिलने की बात कही है। ऐसे में मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए वीडियो, वाहन की जांच और मौके पर मौजूद लोगों के बयानों के आधार पर तथ्यों की पुष्टि महत्वपूर्ण होगी।



हथियारबंद गुंडों ने बच्चों के साथ घर लौट रहे शख्स पर बेरहमी से हमला किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुरुग्राम/नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम से एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी है। गुरुग्राम में असामाजिक तत्वों और दबंगों का खौफ इतना बढ़ गया है कि अब मासूम बच्चे भी सुरक्षित नहीं हैं। स्कूल से अपने मासूम बच्चों को कार में बिठाकर घर लौट रहे एक पिता पर अचानक जानलेवा हथियारों से लैस 5 से 6 दबंगों ने हमला कर दिया। इस खूनी हमले से पूरे इलाके में डर और दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के मुताबिक, जब पीड़ित के पिता अपनी कार से स्कूल से लौट रहे थे, तभी पहले से मारे जा चुके हथियारबंद लोगों ने उनकी कार को घेर लिया। गुंडों ने लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से कार पर हमला कर विंडस्क्रीन और शीशा तोड़ दिया। कार में बैठे तीन मासूम बच्चे इस अचानक हुए हमले और तोड़-फोड़ से चीख पड़े। बताया जा रहा है कि हमले की चपेट में आए तीनों बच्चों को कार का शीशा टूटने से गंभीर चोटें भी आईं। हमलावरों की यह खौफनाक हरकत कानूनी सबूतों के साथ पास के CCTV कैमरे में कैद हो गई है। वायरल CCTV फुटेज में देखा जा सकता है कि कैसे बदमाशों ने लापरवाही से कार में सेंध लगाई और हमला करने के बाद मौके से फरार हो गए। CCTV फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने उस दिशा में जांच शुरू कर दी है। गुंडे दिनदहाड़े बच्चों की मौजूदगी में इस तरह हमला करने की हिम्मत कैसे कर सकते हैं? क्या गुरुग्राम में कानून का कोई डर नहीं है? इस घटना के बाद स्थानीय निवासियों में काफी गुस्सा है। पुलिस ने घ्ष्ट्रञ्जङ्क के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।



15 अक्टूबर को प्रतिबंधित संगठनों ने 12 घंटे के बंद का किया ऐलान मणिपुर में नगा-कुकी हिंसा तेज, हत्या के बाद कटा सिर लौटाने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में 52 वर्षीय अजिनबोउ आर की हत्या के बाद तनाव बढ़ गया है। नगा संगठन जॉइंट ट्राइब्स काउंसिल मणिपुर ने केंद्र और राज्य सरकार को उनका कटा सिर लौटाने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि सिर मिलने तक शव का पोस्टमॉर्टम नहीं होने दिया जाएगा। अजिनबोउ की शनिवार को मकुई अशांग गांव में उग्रवादी हमले में हत्या हुई थी। उनका बिना सिर वाला शव रविवार रात इम्फाल के जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज लाया गया। नगा-कुकी हिंसा में शुक्रवार और शनिवार को 10 लोगों की मौत की खबर है। तनाव के मद्देनजर कांगपोकपी और कामजोंग जिलों में 24 घंटे का कर्फ्यू लगाया गया। बाजार बंद रहे और सीआरपीएफ, असम राइफल्स, कोबरा बटालियन तथा मणिपुर पुलिस कमांडो तैनात किए गए। हिंसा की शुरुआत शुक्रवार रात कामजोंग जिले के कुकी बहुल चसाद गांव में एक महिला की गोली मारकर हत्या के बाद हुई। इसके बाद कुकी और नगा सशस्त्र समूहों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई, जो शनिवार सुबह तक जारी रही। पुलिस के अनुसार, चसाद थाने के पास अवैध बंकर बनाए जाने की सूचना पर अभियान चलाया गया था। महिलाओं ने निर्माण रोकने की कोशिश की, जिसके बाद अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की। इस दौरान एक महिला की मौत हो गई। इसके बाद आगजनी और गोलीबारी की घटनाएं हुईं। शनिवार को उपद्रवियों ने चसाद थाने में आग लगाने की कोशिश की और नगा तथा कुकी समुदायों के 14 घर जला दिए। मृतकों में छह नगा, तीन कुकी और एक नेपाली नागरिक शामिल बताए गए हैं। उखरुल जिले में अलग घटना में संदिग्ध उग्रवादियों की गोलीबारी में 40 वर्षीय संदीप राय की भी हत्या कर दी गई। रूस्थानीय निवासी डेविड जॉन्सन के मुताबिक, लोग घरों में कैद हैं और बड़ी संख्या में सुरक्षाबल तैनात हैं। उन्होंने बताया कि रातभर गोलीबारी होती रही और सुबह भी बफर जोन के गांवों में गोलियां चलीं। उन्होंने सवाल उठाया कि सुरक्षाबलों की मौजूदगी के बावजूद उग्रवादी बस्तियों में घुसकर आगजनी कैसे कर रहे हैं। 24 सितंबर को पिलोंग में तांगखुल नगा समुदाय के लोगों की हत्या के मामले में कुकी नेशनल आर्मी-बर्मा और म्यांमार स्थित पीपुल्स डिफेंस फोर्स के गुटों के नाम सामने आए थे। शनिवार को चसाद में कुकी नेशनल आर्मी-बर्मा के तीन उग्रवादियों के मारे जाने की खबर आई। फरवरी में दोबारा शुरू हुआ नगा-कुकी संघर्ष अब उखरुल के अलावा सेनापति, तामेंगलांग और अन्य जिलों तक फैल चुका है। दोनों समुदाय एक-दूसरे पर उग्रवादियों को पनाह देने और क्षेत्र में वर्चस्व कायम करने के आरोप लगा रहे हैं। इस संघर्ष में 50 से अधिक लोगों की मौत और कई घरों में आगजनी की खबरें सामने आ चुकी हैं। इधर, मणिपुर में सात प्रतिबंधित सशस्त्र संगठनों ने 15 अक्टूबर को 12 घंटे के बंद का ऐलान किया है। संगठन 1949 में मणिपुर के भारतीय संघ में विलय के विरोध में 'नेशनल ब्लैक डे' मनाएंगे। बंद से चिकित्सा आपात सेवाओं, मीडिया और धार्मिक गतिविधियों को छूट दी गई है। संगठनों का आरोप है कि विलय समझौते पर तत्कालीन राजा बोधचंद्र से 21 सितंबर 1949 को शिलॉन्ग में दबाव डालकर हस्ताक्षर कराए गए थे। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कानूनों का उल्लंघन बताते हुए विरोध जारी रखने की अपील की है।



printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.